शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 338 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 7 जुलाई, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

फरार ओसी बिमान राय गिरफ्तार — पेज 3
नौसेना ने लेह में शुरू किया दो दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम हैलो लद्दाख — पेज 4
मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस विभाक के 1148 अभ्यर्थियों को बांटे नियुक्ति पत्र — पेज 5
मुख्यमंत्री भगवंत मान का दावा, एक साल में दी 29 हजार सरकारी नौकरियां — पेज 8

मुख्यधारा में लौटे पांच आदिवासी संगठनों के कैडर

शांति मिशन में शामिल होने वाले सभी का स्वागत : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में पांच संगठनों के 1,182 सदस्यों ने अपने हथियार सौंपकर राष्ट्र की मुख्य धारा में लौटने की शपथ ली। मुख्यमंत्री ने आदिवासी कल्याण और विकास परिषद के गठन की घोषणा की। गुरुवार को स्थानीय श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एसीएमए, बीसीएफ, आनला, एसटीएफ और एपीए संगठन के 1,182 सदस्यों ने अपने हथियार सौंपकर राष्ट्र की मुख्य धारा में लौटने की शपथ ली। सभी सदस्य अपने पूरे पोशाक में उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने आदिवासी कल्याण और विकास परिषद के गठन की घोषणा की। दरअसल, इस परिषद के गठन पर गत 15 सितम्बर, 2015 को पांच आदिवासी सशस्त्र संगठनों के सरकार के साथ हुए ऐतिहासिक शांति समझौते के दौरान सहमति बनी थी। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आशीर्वाद से असम में विद्रोह को समाप्त कर दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में हस्ताक्षर किए गए आदिवासी समझौते ने आदिवासियों की आकांक्षा को प्रतिबिंबित करने के लिए एक कल्याण और विकास परिषद की स्थापना की गई है। शपथ ग्रहण समारोह के साथ सभी ने अपनी वचनबद्धता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम ने शांति का प्रयास रंग लाया है। पूर्वोत्तर में शांति और प्रगति के मिशन में शामिल होने वाले विभिन्न आदिवासी विद्रोही संगठनों के 1,182 सदस्यों का हार्दिक स्वागत करता हूं। शांति समझौते के तहत गुरुवार को राज्य में सामूहिक रूप से संगठनों को भंग करने का औपचारिक रूप से एलान किया गया। कार्यक्रम में कोकराझार जिला के गोसाईगांव स्थित माटियाजुरी स्थित शहीद भवन में संगठन को पूरी तरह से भंग करने की औपचारिकता निभाई गई। इस मौके पर संगठन -शेष पृष्ठ दो पर

एक बार फिर अल्फा (स्वा.) को शांति वार्ता में शामिल होने के लिए सीएम ने किया आग्रह

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को अल्फा (स्वा.) प्रमुख परेश बरुआ से शांति वार्ता के लिए आगे आने की अपनी अपील दोहराई, क्योंकि राज्य में अब अल्फा ही एकमात्र उग्रवादी संगठन है। शर्मा ने कहा कि उन्हें यकीन है कि अल्फा (स्वा.) जल्द ही शांति वार्ता के लिए आगे बढ़ेगा। यहां आठ आदिवासी विद्रोही संगठनों के हथियार रखने के समारोह में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अल्फा (स्वा.) को छोड़कर सभी उग्रवादी संगठन शांति वार्ता के लिए आगे आए हैं और विभिन्न विवादों को सुलझाया गया है। केंद्र और असम सरकारों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर करने वाले संगठनों के कुल मिलाकर 1,182 कैडरों ने गुरुवार को औपचारिक रूप से शर्मा को अपने हथियार जमा कर दिए। राज्य में नई पीढ़ी समस्याओं को हल -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्व और पूर्वोत्तर के 12 राज्यों के भाजपा पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

गुवाहाटी (हि.स.)। लोकसभा 2024 के चुनाव के मद्देनजर प्रदेश भाजपा मुख्यालय (अटल बिहारी वाजपेयी भवन) पर आज पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत के 12 राज्यों के अध्यक्षों एवं प्रभारियों, सह प्रभारियों, महासचिवों के साथ प्रमुख पदाधिकारियों की अहम बैठक भाजपा के संगठन महासचिव बीएल संतोष की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में केंद्र की नरेंद्र मोदी नेतृत्वाधीन सरकार के नौ वर्षों के कार्यकाल के दौरान लागू की गई महत्वपूर्ण योजनाओं पर चर्चा की गई। साथ ही योजनाओं से जनता को किस प्रकार से लाभ मिला इसको लेकर मंथन किया गया। बैठक के दौरान आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के मद्देनजर सांगठनिक स्तर पर रणनीति बनाने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में बीएल संतोष के अलावा पूर्वोत्तर के सांगठनिक महासचिव बैजयंत जय पांडा, बी. सतीश, -शेष पृष्ठ दो पर

डॉ. शर्मा ने डीसी के साथ की बैठक

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने आज जनता भवन में राज्य सरकार की तीन महत्वाकांक्षी पहलों के कार्यान्वयन के लिए कार्य योजना पर चर्चा करने के लिए उपायुक्तों के साथ बैठक की। ये पहल- व्यावसायिक लकड़ी उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए पूरे असम में एक करोड़ पौधों का रोपण और खेल और संस्कृति के क्षेत्र में प्रतिभाओं की पहचान के लिए एक समावेशी वातावरण बनाने के लिए खेल महारण और सांस्कृतिक महासंग्राम हैं। सीएम ने कहा कि प्रस्तावित वृक्षारोपण पहल के तहत इस साल -शेष पृष्ठ दो पर

पंद्रह करोड़ के अफीम डोडा पाउडर के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

इटावा (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के इटावा जनपद में थाना सैफई पुलिस और क्राइम ब्रांच ने संयुक्त रूप से आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर वाहन चेकिंग के दौरान करीब 15 करोड़ 60 लाख रुपए मूल्य की अफीम डोडा बरामद कर एक महिला समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। इटावा पुलिस की अब तक की यह सबसे बड़ी बरामदगी मानी जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस को मुखबिर के जरिए इस बात की सूचना मिली कि झारखंड के रांची से राजस्थान के नागौर लेकर के एक ट्रक के जरिए कुछ लोग आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे होते हुए बड़े पैमाने पर अफीम डोडा लेकर के जा रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच और सैफई पुलिस की टीम ने आगरा लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर संयुक्त रूप से छापेमारी की। आगरा -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

एनसीपी की कार्यकारी समिति ने बागी नेताओं के निष्कासन पर लगाई मुहर

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की कार्यकारी समिति ने भाजपा-नीत राजग के साथ जाने वाले बागी नेताओं- प्रफुल्ल पटेल, सुनील तटकरे और अन्य नौ विधायकों को पार्टी से निकालने के शरद पवार के फैसले को गुरुवार को मंजूरी प्रदान कर दी। पार्टी नेता पीसी चाको ने गुरुवार को इसकी घोषणा की। उन्होंने बागी गुट के अजित पवार को राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने के दावे को भी खारिज कर दिया। चाको ने कहा कि कार्यकारी समिति ने आठ प्रस्ताव पारित किए हैं। समिति ने पार्टी अध्यक्ष शरद पवार पर पूर्ण भरोसा जताया है। उन्होंने कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : स्कूल के सामने गोली मारकर महिला की हत्या

इंफाल। हिंसाग्रस्त मणिपुर में हालात अभी भी ठीक होने का नाम नहीं ले रहे हैं। बुधवार को पूरे प्रदेश में स्कूलों को खोले जाने के ठीक एक दिन बाद स्कूल के बाहर एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। गोली चलाने वाले हमलावर की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मृत महिला किस समुदाय से है इस बात की जानकारी भी सामने नहीं आ सकी है। यह घटना इंफाल में हुई है। सूत्रों के हवाले से प्रकाशित खबर के अनुसार गोली चलने की यह घटना शिशु निष्ठा निकेतन स्कूल के बाहर की है। इस घटना की वजह से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। दरअसल पूरे मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच 3 मई से हिंसा शुरू हुई थी जिसमें हजारों घरों को आग के हवाले कर दिया गया था। इससे कई लोग -शेष पृष्ठ दो पर

चर्चा की मांग खारिज विपक्षी सदस्यों ने संसद से किया वॉकआउट

नई दिल्ली। मणिपुर में कुकी और मैतेई समुदाय के बीच अभी भी हिंसा जारी है। इस हिंसा के कारण अब तक कई लोगों की जान जा चुकी है। प्रशासन ने इंटरनेट सेवाओं पर भी बैन लगा रखा है। वहीं, गृह मामलों की संसदीय स्थायी समिति के विपक्षी सदस्यों ने मणिपुर की स्थिति पर चर्चा करने की मांग की थी लेकिन उनकी मांग को नहीं माना गया। जिसके बाद गुरुवार को संसद पैनल की बैठक से सभी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

मुंबई हमले के आरोपी राणा को जल्द भारत को सौंपना चाहती है बाइडन सरकार

वाशिंगटन। अमेरिका की बाइडन सरकार ने कैलिफोर्निया की एक कोर्ट से पाकिस्तानी मूल के कनाडाई व्यवसायी तहव्वुर राणा द्वारा दायर की गई बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका को अस्वीकार करने का आग्रह किया है और दोहराया है कि उसे भारत को सौंप देना चाहिए, जहां वह 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों में संलिप्तता को लेकर वांछित है। अमेरिका की एक अदालत ने 62 वर्षीय राणा को भारत प्रत्यर्पित किए जाने की मई में मंजूरी दे दी थी। राणा इस समय लॉस एंजिलिस स्थित *मेट्रोपोलिटन डिटेंशन सेंटर* में हिरासत में है। भारत ने प्रत्यर्पण के लिए राणा की अस्थायी गिरफ्तारी की मांग करते हुए 10 जून 2020 को शिकायत दर्ज कराई थी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने राणा के भारत प्रत्यर्पण का समर्थन किया -शेष पृष्ठ दो पर

यूसीसी पर कांग्रेसाध्यक्ष खड़गे से मिला मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का प्रतिनिधिमंडल

नई दिल्ली (हि.स.)। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से उनके निवास पर मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान उन्हें समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर भारतीय मुसलमानों के रुख से अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले में कांग्रेस पार्टी से यूसीसी पर देश के सामने अपना रुख स्पष्ट करने की मांग भी की। प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बोर्ड के महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजदद्दी ने किया। उनके अलावा प्रतिनिधिमंडल में बोर्ड के सचिव मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी, बोर्ड प्रवक्ता डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास, लीगल एडवोकेट एमआर शमशाद, मौलाना नियाज अहमद फारूकी, बोर्ड के सदस्य एवं मध्यप्रदेश के विधायक आरिफ मसूद व हामिद वली रहमानी भी मौजूद थे। मुलाकात के दौरान कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष व राज्यसभा सांसद इमरान प्रतापगढ़ी भी मौजूद थे। एडवोकेट एमआर शमशाद ने बोर्ड की तरफ से विधि आयोग को दिए गए जवाब और दलीलों से कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को अवगत कराया। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने इस मौके पर कहा कि कांग्रेस पार्टी देश की सबसे पुरानी और वर्तमान में विपक्ष की सबसे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात
कठोर वाणी अग्नि दाह से भी अधिक तीव्र दु:ख पहुंचाती है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

दाफ्रीका में विषाक्त गैस फैलने से 16 मजदूरों की मौत

जोहांसबर्ग (हि.स.)। दक्षिण अफ्रीका के सबसे बड़ी आबादी वाले शहर जोहांसबर्ग के बोक्सबर्ग उपनगर की एक मजदूर बस्ती में बुधवार देरशाम जहरीली गैस के रिसाव से 16 लोगों की जान चली गई। हालांकि शुरू में सरकारी प्रसारक एसएबीसी ने 24 लोगों के मरने की सूचना दी थी। कुछ देर बाद प्रांतीय सरकार और पुलिस ने सफाई दी कि अब तक 16 लोगों के मौत की पुष्टि हुई है। आपातकालीन सेवा के प्रवक्ता विलियम नटलडी के अनुसार, यह हादसा एंजेलो स्क्वैटर कैंप के एक यार्ड में नाइट्रेट ऑक्साइड युक्त गैस सिलेंडर -शेष पृष्ठ दो पर

राजस्थान को लेकर चार घंटे चली बैठक

पायलट की भूमिका को लेकर कांग्रेस हाईकमान करेगा फैसला

नई दिल्ली/ जयपुर (हिंस)। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में गुरुवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री अशोक गहलोत समेत पार्टी के तीस नेताओं ने राजस्थान के आगामी चुनावों में सभी मतभेद भुलाकर एकजुट होकर एक बार फिर सरकार बनाने के सभी प्रयास करने पर सहमति व्यक्त की। करीब चार घंटे चली बैठक में सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री गहलोत बैठक में वर्चुअली जुड़े थे। सभी नेताओं ने राजस्थान से जुड़े मामले पर फैसले हाईकमान पर छोड़ दिया है, हाईकमान जो फैसला करेगा, वह सबको मान्य होगा। सचिन पायलट का रोल तय करने पर भी हाईकमान फैसला करेगा। बैठक में राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान के नेताओं को एकजुट होकर चुनाव लड़ने को कहा है। नेताओं से कहा गया है कि चुनावों में एकजुट होकर मैदान में उतरे, अब किसी तरह के मतभेद की बात सामने नहीं आनी चाहिए। बैठक में नेताओं ने एकजुट होकर चुनाव लड़ने का भरोसा दिलाया। कांग्रेस अध्यक्ष खडगे ने बैठक के बीच में ट्वीट कर कहा कि राजस्थान का किसान, मजदूर, युवा, महिलाएं और समाज का हर एक वर्ग -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय ध्वज पर लघुशंका करने की फोटो ट्विटर पर पोस्ट, केस दर्ज

धार (हि.स.)। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक आदिवासी युवक के सिर पर लघुशंका करने का मामला सामने आने के बाद अब राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का मामला सामने आया है। ट्विटर पर तमिलनाडु से एक फोटो पोस्ट की गई है, जिसमें एक युवक को राष्ट्रीय ध्वज पर लघुशंका (पेशाब) करते हुए दिखाया गया है। इसे लेकर बाग पुलिस थाने में सोशल मीडिया पर सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने वाले ग्राम उमरी के युवाओं ने लिखित शिकायती पत्र दिया था। मामले में पुलिस ने डीएमके के पदाधिकारी के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किया है। बाग थाना प्रभारी जगदीशचंद्र निनामा ने बताया कि मामला बुधवार की रात दर्ज किया गया है। पुलिस ने तमिलनाडु के ट्विटर अकाउंट होल्डर शफीक नामक व्यक्ति के -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

खालिस्तान के मुद्दे पर भारत ने कहा–

अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर हिंसा को जायज ठहराना गलत

नई दिल्ली (हि.स.)। भारत ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर खालिस्तानी समर्थकों द्वारा कनाडा, अमेरिका व अन्य देशों में हिंसा और अलगाववाद को जायज ठहराने की कड़े शब्दों में निंदा की है। भारत ने कहा है कि भारतीय राजनयिकों और परिसरों की सुरक्षा स्थानीय सरकार की जिम्मेदारी है और इसके लिए हम हमेशा दबाव बनाते रहेंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को साप्ताहिक पत्रकार वार्ता में कनाडा में भारतीय राजनयिकों के खिलाफ हिंसा का समर्थन करने वाले पोस्टर से जुड़े सवालों का जवाब देते हुए उक्त बातें कहीं। साथ ही उनसे कनाडा के प्रधानमंत्री के अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता वाले बयान पर भी सवाल पूछा गया था। प्रवक्ता ने कहा कि भारतीय राजनयिकों और राजनीतिक परिसरों के खिलाफ लगे पोस्टर पूरी तरह से स्वीकार है और हम इसकी कड़े शब्दों में निंदा करते हैं। हमने इस संबंध में कनाडा सरकार से मजबूती के साथ यह विषय उठाया है। उन्होंने कहा कि यह चिंताजनक है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को गलत तरीके से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसकी आड़ में हिंसा अलगाववाद और आतंकवाद को बैठाने की कोशिश की जा रही है। हम इस संबंध में संबंधित सरकारों पर दबाव बनाते रहेंगे कि वह ऐसे तत्वों के खिलाफ कार्रवाई करें और भारतीय राजनयिकों और परिसरों को सुरक्षा प्रदान करें। उन्होंने कहा कि हमने अमेरिका ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन में भी इस तरह के इंसा का समर्थन करने वाले पोस्टरों को देखा है। इन तरह के विषयों पर वोट बैंक की राजनीति नहीं होनी चाहिए।

हरियाणा में जमीन की रजिस्ट्री के तुरंत बाद होगा म्यूटेशन

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में किसी तरह की जमीन की रजिस्ट्री के बाद म्यूटेशन भी ऑनलाइन होगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को चंडीगढ़ में वेब हैलरिस में म्यूटेशन का स्वचालित जेनरेशन मॉड्यूल का शुभारंभ किया। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि इस पोर्टल के लांच होने से अब किसी भी संपत्ति व जमीन का म्यूटेशन रजिस्ट्री के तुरंत बाद हो सकेगा। इसके साथ ही म्यूटेशन की जानकारी भी पोर्टल पर उपलब्ध हो जाएगी, जिसे कोई भी चेक कर सकता है। म्यूटेशन पर कोई भी आपत्ति दर्ज कराने के लिए 10 दिन का समय भी दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर कोई 10 दिन के भीतर आपत्ति दर्ज करवाता है तो म्यूटेशन को विवादित माना जाएगा और नामांतरण नहीं होगा। यदि कोई आपत्ति नहीं आई तो स्वत: म्यूटेशन हो जाएगा। उन्होंने कहा कि फिलहाल किसी भी जमीन या संपत्ति की बिक्री, मॉर्टगेज विद पोजेशन, पारिवारिक हस्तांतरण और उपहार का म्यूटेशन किया जाएगा। मनोहर लाल ने कहा कि वर्ष 2019 में म्यूटेशन की प्रक्रिया को डिजिटल बनाना भाजपा के घोषणा पत्र की प्रमुख घोषणाओं में शामिल थी।

35 मवेशी समेत दो पशु तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर अवैध रूप से ले जा रहे 35 मवेशियों समेत एक ट्रक को जब्त करने के साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि गुरुवार की सुबह 5 बजे जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी कपिल पाठक के नेतृत्व में जोराबट पुलिस चौकी के पास चलाए गए अभियान के दौरान एक ट्रक (एनएल-01बी-4928) को जब्त किया गया। जब्त किए गए ट्रक में अवैध तरीके से 35 मवेशियों को धेमाजी जिला से जालुकबारी होते हुए मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामले में दो पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार पशु तस्करों की पहचान आक्रमिन हुसैन और मुस्तफा अली के रूप में की गई है। जब्त किए गए वाहन में बड़े ही शातिराना तरीके से सभी पशुओं की तस्करी की जा रही थी। पकड़े गए पशु तस्करों ने बताया कि इन दिनों राज्य में नए-नए तरीके से वाहनों में पशु को लाया जा रहा है, ताकि पुलिस को इसका पता न लग सके। ज्ञात हो कि राज्य में सख्त पशु कानून लागू होने के बावजूद मवेशियों की तस्करी जारी है।

ड्रग्स के साथ एक गिरफ्तार

हैलाकांदी (हिंस)। नशे के खिलाफ हैलाकांदी पुलिस ने 15 ग्राम ड्रग्स के साथ तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि हैलाकांदी सदर पुलिस चौकी के तहत आने वाले कस्बे से पुलिस ने मादक पदार्थ के साथ ड्रग्स की तस्करी के आरोप में सलीम उद्दीन लश्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 25 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनरों में 15 ग्राम ड्रग्स जब्त की है,जिसकी बाजार में कीमत दो लाख रुपए आंकी गई है। पुलिस ने सलीम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

पंजाब में पेंशनभोगियों की आय का होगा वेरीफिकेशन

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब की सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास मंत्री बलजीत कौर ने राज्य के समूह जिला सामाजिक सुरक्षा अफसरों को हिदायत दी है कि 15 दिनों के अंदर असली बुढ़ापा पेंशन लाभार्थियों की आय संबंधी दस्तावेज हासिल किए जाएं, जिससे बुढ़ापा पेंशन का लाभ जरूरतमंद और योग्य व्यक्तियों को ही मिल सके। मंत्री कौर ने गुरुवार को बताया कि पेंशन संबंधी आरंभ की कार्रवाई के दौरान सामने आया कि जे फार्म होल्डरों के बीच में से 63 हजार 424 ऐसे व्यक्ति हैं, जो विभाग की तरफ से बुढ़ापा पेंशन ले रहे हैं और इनकी सालाना आय 60 हजार रुपए से अधिक है, जबकि बुढ़ापा पेंशन के लिए लाभार्थी की सालाना आय 60 हजार रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए वचनबद्ध है।

पृष्ठ एक का शेष

शांति मिशन में ...

के सदस्य पूरे परिधान में अपने परिजनों के साथ मौजूद थे। वहीं, कोकराझार जिला के नायेक गांव में आनला के अस्थायी शिविर में गुरुवार को फ्लैग डाउन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आज हुए ऐतिहासिक समझौते को अस्थायी शिविर में आनंद और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम स्थल पर पांचों संगठनों के सौंपे गए हथियारों की एक प्रदर्शनी भी लगायी गई थी। कार्यक्रम के दौरान पांचों संगठनों के 16 प्रमुख नेताओं ने आदिवासी कल्याण और विकास परिषद के नाम से समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद आज औपचारिक रूप से शपथ ग्रहण भी किया। इस मौके पर असम सरकार के मंत्री संजय किसान, पियूष हजारिका, राज्य सभा सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह के साथ ही अन्य कई विधायक एवं असम पुलिस के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1996 में राज्य में विशेष दो जनगोष्ठियों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था। इसके बाद अपने अधिकार की मांग करते हुए आदिवासी जनगोष्ठियों के पांच सशस्त्र संगठनों का जन्म हुआ था। इसमें एक प्रमुख संगठन आदिवासी कोबरा मिलिटेंट आफ असम (आकमा) भी शामिल हैं। उक्त संगठन के कई सदस्यों ने वर्ष 2012 में युद्ध विराम की घोषणा की थी। उसके बाद राज्य और केंद्र सरकार के साथ चर्चा करते हुए 2015 में कई संगठनों के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।

एक बार फिर अल्फा ...

करने के लिए विकास पर ध्यान केंद्रित करती है, और हम राज्य भर के युवाओं के सपनों को वास्तविकता में बदलने में सक्षम हैं। शर्मा ने कहा कि युवाओं को एक लाख सरकारी नौकरियां प्रदान करने के हमारे प्रयासों के परिणामस्वरूप उनका आत्मविश्वास बढ़ा है और सकारात्मकता का माहौल बना है। सीएम ने दावा किया कि असम के किसी भी हिस्से में कोई जातीय हिंसा नहीं हुई है और सभी समुदायों के बीच सद्भाव का एक नया पुल स्थापित किया गया है। चाहे आदिवासी हों, अनुसूचित जातियां हों, पिछड़ी जातियां हों; सभी अपने अधिकारों का दावा कर रहे हैं और राज्य के सर्वांगीण विकास में योगदान दे रहे हैं। शर्मा ने कहा कि उन्हें पूरा यकीन है कि जल्द ही अल्फा (स्वा.) भी बातचीत के लिए आएगा और शांतिपूर्ण तरीके से राज्य की समस्याओं को हल करने का प्रयास करेगा। मुख्यमंत्री ने 2021 में सत्ता संभालने पर अल्फा (स्वा.) से बातचीत के लिए आगे आने की अपील की थी, लेकिन इस दिशा में ज्यादा प्रगति नहीं हुई है। शर्मा ने कई अवसरों पर उल्लेख किया है कि अल्फा (स्वा.) संप्रभुता के बारे में बात करता है, जिस पर वह सीएम के रूप में संवैधानिक रूप से बातचीत नहीं कर सकते हैं। अरबिंद राजखोवा के नेतृत्व वाले वार्ता समर्थक अल्फा गुट ने 2011 और इस साल अप्रैल में सरकार के साथ बातचीत की थी। शर्मा ने घोषणा की थी कि मई में इसके साथ एक समझौता हो सकता है, लेकिन इस संबंध में कोई और जानकारी नहीं मिली है।

पूर्व और पूर्वोत्तर के ...

ऋतुराज सिन्हा, संबीत पात्रा, नेशनल आफिस बियरर्स दिलीप घोष, बैजयंत जय पांडा, पवन शर्मा, दिलीप सैकिया, नलीन कोहली, मंगल पांडेय, रघुबर दास, असम प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष भवेश कलिता समेत अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक का शुभारंभ वंदे मातरम् के साथ हुआ। बैठक में दोपहर बाद असम के मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने हिस्सा लिया। उल्लेखनीय है कि बैठक में पूर्वी राज्य बिहार, झारखंड, बंगाल और ओड़िसा के साथ ही पूर्वोत्तर राज्यों के अरुणाचल प्रदेश, असम, त्रिपुरा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, सिक्किम समेत कुल 12 राज्यों के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने हिस्सा लेते हुए चुनावी रणनीति को तैयार किया।

डॉ. शर्मा ने डीसी...

पूरे असम में एक ही दिन में व्यावसायिक मूल्य वाले लगभग एक करोड़ पौधे लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि हालांकि स्वयंसेवी गुटों के सदस्यों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं, आशा कार्यकर्ताओं, वीडीपी और बटालियनों सहित पुलिस, चाय बागानों, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारी कार्यालयों को इसके लिए चुना जा सकता है। डीसी को लोगों, गैर सरकारी संगठनों, सार्वजनिक और धार्मिक संस्थानों की स्वैच्छिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसे एक जन आंदोलन में बदलने का अभियान बनाएं। इस अभियान में शामिल होने के इच्छुक लोगों के पंजीकरण के लिए एक पोर्टल विकसित किया गया है। वृक्षारोपण के बाद, जियो-टैग की गई तस्वीरें अपलोड करनी होंगी और रुपये का प्रोत्साहन देना होगा। वृक्षारोपण के लिए 100 रुपये तथा पेड़ जीवित रहने पर 200 रुपये प्रदान किए जायेंगे। वृक्षारोपण स्वयं की कृषि भूमि तथा संस्थानों में भी किया जा सकता है। पर्यावरण और वन विभाग ने पौधों के भंडारण और वितरण के लिए पहले ही 175-180 स्टॉकिंग हब की पहचान कर ली है। सीएम ने कहा कि खेल और सांस्कृतिक माहौल को बढ़ावा देने और प्रतिभाओं की खोज के लिए जमीनी स्तर से *खेल महारण* और *संस्कृतिक महासंग्राम* का आयोजन किया जाएगा। खेल महारण के तहत इस साल अक्तूबर से अगले जनवरी तक 5 विधाओं यानी एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, फुटबॉल और वॉलीबॉल में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। ये प्रतियोगिताएं ग्राम स्तर से शुरू होकर ग्राम पंचायत, फिर जिला और अंत में राज्य स्तर पर आयोजित की जाएंगी। बीटीसी, कार्बी आंग्लांग और डिमा हसाओ के मामले में, प्रतियोगिताएं गांव पंचायत के बजाय वीसीडीसी या एमएसी स्तर पर आयोजित की जाएंगी। सीएम ने कहा कि सांस्कृतिक महासंग्राम राज्य की सांस्कृतिक प्रतिभाओं का एक अनूठा प्रदर्शन होगा। इसके तहत प्रत्येक गांव छह श्रेणियों में प्रतियोगिताएं आयोजित करेगा। ये हैं ज्योति संगीत, राभा संगीत, भूपेंद्र संगीत, रवींद्र संगीत, बिहू और आदिवासी नृत्य। गांवों में इन प्रतियोगिताओं के विजेता गांव पंचायत और जिला स्तर पर आपस में प्रतिस्पर्धा करेंगे, जिसका समापन राज्य स्तर पर एक प्रतियोगिता के रूप में होगा। उन्होंने डीसी से अभियान को सफल बनाने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आग्रह किया। बैठक में पर्यावरण और वन मंत्री चंद्र मोहन पटोवारी, सांस्कृतिक मामलों के मंत्री बिमल बोरा, खेल मंत्री नंदिता गोरलोसा, मुख्य सचिव पबन कुमार बरठाकुर, डीजीपी जीपी सिंह, पीसीसीएफ एमके यादव, अतिरिक्त मुख्य सचिव और राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एनसीपी की कार्यकारी ...

27 राज्य समितियों में से किसी एक ने भी शरद पवार का साथ छोड़ने की बात नहीं कही है। शरद पवार ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि वह एनसीपी के अध्यक्ष हैं। कोई अन्य इस पर दावा करता है तो वह झूठा है। पार्टी और उससे जुड़े चुनाव चिह्न के प्रश्न पर पवार ने कहा कि हम चुनाव आयोग पर भरोसा करते हैं। हम अपना सारा विषय चुनाव आयोग के समक्ष रखेंगे। एनसीपी की कार्यकारी समिति की यह बैठक दिल्ली में शरद पवार के आवास पर आयोजित की गई। बैठक में पीसी चाको, जितेंद्र आव्हाड, फौजिया खान और वंदना चव्हाण सहित अन्य नेताओं ने शिरकत की। दूसरी ओर अजीत पवार के नेतृत्व वाले धड़े ने कहा है कि शरद पवार के नेतृत्व में दिल्ली में हुई कार्यकारी समिति की बैठक की कोई वैधता नहीं है।

मणिपुर : स्कूल के सामने ...

फिलहाल विस्ताथिप हो गए थे जो कि राहत शिविर में रह रहे हैं। हालात पर काबू पाने के लिए केंद्रीय शस्त्र बलों को भी पूरे प्रदेशव में तैनात किया गया है। हालांकि दो समुदाय के बीच फैली इस हिंसा को अभी तक शांत नहीं किया जा सका है। इसी बीच सीएम मणिपुर एन बीरेन सिंह ने राज्य में सभी स्कूलों को खोलने का फैसला लिया था। सभी स्कूलों के खुलने के ठीक एक दिन बाद इस तरह की घटना की वजह से मणिपुर में फिर से दहशत का माहौल बन गया है। वहीं सुरक्षाबलों ने मपाओ और अवांग सेकमाई क्षेत्रों में हथियारबंद लोगों की झड़प को विफल कर दिया। लेकिन बुधवार को अधिकारियों ने बताया कि कुछ दंगाइयों ने पुलिस के शस्त्रागार से हथियार लूटने की कोशिश की थी। पुलिस ने उनके इस प्रयास को विफल कर दिया लेकिन, बाद में उन्होंने एक भारतीय रिजर्व बटालियन कर्मी के घर को आग के हवाले कर दिया। वहीं दो पक्षों के बीच टकराव की वजह से एक 27 वर्षीय व्यक्ति रोनाल्डो की मौत हो गई है जबकि हिंसक झड़प में 10 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। करीब दो महीने से राज्य में हिंसा जारी है। ऐसे में राज्य सरकार सभी सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर चल रही है। जानकारी के मुताबिक मणिपुर के लोगों को फिलहाल इंटरनेट इस्तेमाल नहीं करने को मिलेगा। प्रशासन ने 10 जुलाई तक इंटरनेट बंद रखने का आदेश जारी किया है। राज्य सरकार ने इस पर तर्क दिया है कि इंटरनेट पर शेयर होने वाले गलत मैसेज की वजह से कई इलाकों में फिर से हिंसा भड़क सकती है। इसलिए फिलहाल इंटरनेट को बंद रखा जाएगा। उधर कांगपोकपी जिले में दो सशस्त्र समूह एकत्र हुए और उन्होंने गोलियां चलाईं लेकिन सुरक्षा बलों ने तत्काल इलाके में पहुंच कर किसी भी प्रकार की झड़प को टाल दिया। सूत्रों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि यह घटना बुधवार दोपहर तीन बजकर 40 मिनट पर फेलेंग गांव के पास हुई। सूत्रों ने बताया कि मापाओ और अवांग सेकमई इलाके के सशस्त्र समूह क्षेत्र में एकत्र हुए जिससे तनाव बढ़ गया। इस दौरान कुछ गोलियां भी चलाई गईं लेकिन असम राइफल्स के जवान जल्द ही इलाके में पहुंच गए और उन्होंने स्थिति को नियंत्रण में ले लिया। सूत्रों ने कहा कि महिलाओं ने बलों को क्षेत्र में पहुंचने से रोकने के लिए सड़कें बाधित की थी। बड़ी संख्या में कुकी समुदाय के लोगों ने चुराचांदपुर में प्रदर्शन किया। उन्होंने सार्वजनिक मैदान से तुईबोंग शांति मैदान तक रैली निकाली। सूत्रों ने बताया कि रैली में करीब 4,000 लोग शामिल हुए और अधिकतर ने *युद्ध* की पोशाक पहनी हुई थी और चेहरों पर प्रकृति से मेल खाते रंग लगाए थे। रैली बुधवार शाम सात बजे तक चली जिसमें किसी भी अप्रिय घटना की खबर नहीं मिली है।

चर्चा की मांग ...

विपक्षी सदस्यों ने वॉकआउट कर दिया। इसकी जानकारी सूत्रों ने दी। सूत्रों ने कहा कि राज्यों में जेल सुधारों पर चर्चा के लिए बैठक में टीएमसी के डेरेक ओ ब्रायन और कांग्रेस के दिग्विजय सिंह और प्रदीप भट्टाचार्य ने पैनल के अध्यक्ष बृजलाल को पत्र सौंपते हुए कहा कि समिति के सदस्य के रूप में वे मणिपुर की स्थिति को नजरअंदाज नहीं कर सकते है। बता दें कि इससे पहले भी ओ ब्रायन और सिंह ने बृजलाल को पत्र लिखकर मणिपुर की स्थिति पर चर्चा के लिए एक बैठक बुलाने का आग्रह किया था। चेयरपर्सन ने दोनों सांसदों को मणिपुर की स्थिति पर तत्काल बैठक आयोजित करने में असमर्थता के बारे में अलग से सूचित किया था, क्योंकि जुलाई में जेल सुधार पर तीन बैठकें निर्धारित की गई हैं। बैठक में अध्यक्ष समेत कुल सात सदस्य शामिल हुए। मणिपुर में 3 मई से अब तक हुई जातीय हिंसा में लगभग 120 लोग मारे गए हैं और 3,000 से अधिक घायल हुए हैं।

पंद्रह करोड़ के ...

लखनऊ एक्सप्रेस-वे टीमरुआ कट के पास एक ट्रक और एक कार को बरामद किया है। तस्करों के कब्जे से पांच मोबाइल फोन और 21 हजार 500 रुपए नकद बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इस ट्रक से 40 कुंटल साठ किलोग्राम अफीम डोडा बरामद किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों के जरिए इस बात की भी जानकारी मिली है कि 04 जुलाई को यही ट्रक पंजाब से अवैध रूप से शराब लेकर के भी गया था झारखंड से वापसी लौटते समय यही ट्रक करीब 40 कुंटल अफीम डोडा लेकर के राजस्थान के नागौर जा रहा था। मुखबिर की सूचना के बाद ट्रक को बरामद करके कार से महिला समेत तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। इटावा की पुलिस ने महिला की पहचान छुपाकर रखी है। पुलिस ने बताया कि महिला के पति राजस्थान के नागौर के महेंद्र वर्मा बताई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के शामली के रहने वाले सतनाम को भी गिरफ्तार किया गया है। अफीम डोडा की बरामदगी से खुश होकर कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह ने इटावा पुलिस टीम को 75 हजार रुपए का इनाम और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करने का एलान किया है। थाना सैफई क्षेत्रान्तर्गत उझियानी चौराहे के पास संदिग्ध व्यक्ति और वाहन की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान आपराधिक अभिसूचना प्राप्त हुई कि अवैध मादक पदार्थ से भरा एक ट्रक एवं एक कार आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के टिमरूआ कट से इटावा की तरफ आ रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम द्वारा रूकईया नहर पुल से गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस टीम ने कार की तलाशी लेने पर उसमें से मादक पदार्थ अफीम डोडा की कुल तीन बोरियां एवं ट्रक की तलाशी लेने पर उसमें से मादक पदार्थ डोडा की कुल 250 बोरियां बरामद की गईं। पुलिस टीम के द्वारा बरामद मादक पदार्थ के बारे में पूछताछ की गई तो बताया गया कि हम लोग इस मादक पदार्थ को झारखण्ड रांची से राजस्थान तस्करी हेतु ले जा रहे थे। पूछताछ करने पर डोडा चूरा मालिक निवासी जोधपुर एवं ट्रक मालिक हरियाणा के नाम प्रकाश में आए हैं जिनकी गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम निरन्तर प्रयासरत है। एसएसपी ने बताया कि पुलिस ने शामली के सतनाम, राजस्थान जयपुर के महेंद्र वर्मा और एक महिला को गिरफ्तार किया है।

मुंबई हमले के आरोपी...

था और उसे मंजूरी दी थी। कैलिफोर्निया के सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के अमेरिकी वकील ई मार्टिन एस्ट्राडा ने अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट कोर्ट के समक्ष दायर अभिवेदन में कहा कि अमेरिका अनुरोध करता है कि अदालत राणा की बंदी प्रत्यक्षीकरण रिट याचिका को अस्वीकार कर दे कि एस्ट्राडा ने राणा की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता यह दिखाने में असमर्थ रहा कि भारत के प्रत्यर्पण संबंधी अनुरोध में संभावित कारण संबंधी पर्याप्त सबूतों का अभाव है। राणा ने भारत में उसके प्रत्यर्पण के लिए अमेरिका सरकार के अनुरोध को स्वीकार करने वाली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए पिछले महीने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की थी। अमेरिकी अटॉर्नी एस्ट्राडा ने 23 जून को दायर अभिवेदन में तर्क दिया कि राणा का मुंबई स्थित उसके कारोबारों के वैध होने का दावा झूठा है। उन्होंने कहा कि सबूत उसके इन दावों की पुष्टि नहीं करते कि मुंबई स्थित कार्यालय में वैध काम होता था और यदि ऐसा था, तो भी वैध कारोबारी गतिविधियां इस तथ्य को नहीं दबा सकतीं कि राणा के कारोबार ने उसके बचपन के दोस्त पाकिस्तानी-अमेरिकी डेविड कोलमैन हेडली की मुंबई में आतंकवाद संबंधी गतिविधियों को छुपाने का काम किया था। एस्ट्राडा ने कहा कि मुंबई कार्यालय के वित्त पोषण संबंधी राणा के दावे भी इस बात से मेल नहीं खाते कि उसे हेडली की गतिविधियों की जानकारी नहीं थी और उसने इनका समर्थन नहीं किया कि हेडली मुंबई हमले के मुख्य षड्यंत्रकर्ताओं में शामिल था। भारत का राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) पाकिस्तान आधारित लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादियों द्वारा 26 नवंबर 2008 को मुंबई में किए गए हमलों में राणा की भूमिका की जांच कर रहा है। इन हमलों के दौरान अजमल कसाब नामक आतंकवादी जिंदा पकड़ा गया था, जिसे 21 नवंबर 2012 को भारत में फांसी की सजा दी गई। बाकी आतंकवादियों को सुरक्षाबलों ने हमलों के दौरान ढेर कर दिया था। मुंबई आतंकवादी हमलों में छह अमेरिकी नागरिक सहित कुल 166 लोगों की जान गई थी। एस्ट्राडा ने कहा कि 2008 में जब हेडली को पता चला कि राणा चीन और भारत की यात्रा करने वाला है, तो उसने राणा को सचेत करने का फैसला किया कि एक सह-साजिशकर्ता हमला कर सकता है कि उन्होंने कहा कि राणा और सह-साजिशकर्ता के बीच संवाद की जानकारी नहीं मिली है, लेकिन एफबीआई (संघीय जांच ब्यूरो) ने सात सितंबर, 2009 की बातचीत से पता लगाया था कि राणा ने हेडली को बताया था कि उनके सह-साजिशकर्ता ने उसे (राणा को) सचेत किया था कि मुंबई में हमला होने वाला है कि उन्होंने कहा कि यह बात राणा के इन दावों का समर्थन नहीं करती कि उसे हमलों की जानकारी नहीं थी।

यूसीसी पर कांग्रेसाध्यक्ष...

बड़ी पार्टी है। देश के अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और न्यायप्रिय हिंदुओं की निगाहें इस मसले को लेकर कांग्रेस पार्टी पर टिकी हुई हैं। हमें उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी का यूसीसी पर मत पूरी तरह से स्पष्ट होगा। उन्होंने कहा कि जहां तक देश के मुसलमानों का संबंध है तो हम यूसीसी को इस्लामी शरीअत और धर्म की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकारों में सीधी तरह से हस्तक्षेप मानते हैं। कांग्रेस का वर्तमान रुख है कि हम बिल का ड्राफ्ट आने के बाद ही अपनी राय स्पष्ट करेंगे, हमारे नजदीक मसले को टालने की कोशिश है जबकि भाजपा इसे आगामी चुनाव का मुद्दा बनाने की पूरी तैयारी कर चुकी है। इसलिए कांग्रेस पार्टी को अभी से ही यूसीसी पर अपना मत देश के सामने लाना चाहिए और इस मामले में अल्पसंख्यकों, आदिवासियों और अन्य धर्मों और समुदाय के लोगों का नेतृत्व करना चाहिए। बोर्ड महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजदद्दी ने कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को बोर्ड के अध्यक्ष मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी का एक पत्र भी भेंट किया, जिसमें यूसीसी को लेकर चिंताएं व्यक्त की गई हैं।

पायलट की भूमिका ...

कांग्रेस में अपनी आस्था व्यक्त कर रहा है। हम सबकी आकांक्षाओं का ख्याल रखेंगे। राजस्थान का वर्तमान और भविष्य दोनों कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है। इस बार इतिहास बदलेगा। बैठक के बाद संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और पार्टी प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने पत्रकारों से कहा कि बैठक में सर्वसम्मति से एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला किया गया है। सभी नेता कॉनफिडेंट थे कि हम राजस्थान फिर से जीतेंगे और हम एकजुट होकर चुनाव मैदान में उतरेंगे। कांग्रेस के सभी नेता एक हैं। वेणुगोपाल ने पायलट समेत अब कोई भी मुद्दा पेंडिंग नहीं होने का दावा किया और कहा कि पायलट आज की बैठक में पार्टी एकता को लेकर बहुत अच्छा बोले और उन्होंने विश्वास जताया कि हम दोबारा सरकार बनाएंगे। उन्होंने कहा कि गहलोत चोट लगने के कारण आ नहीं सके, लेकिन वीसी से पूरे चार घंटे बैठक से जुड़े रहे। अब नेताओं के बीच कोई इश्यू नहीं है, सभी इश्यूज सुलझ चुके हैं और पार्टी चुनावों के लिए तैयार है। वेणुगोपाल ने कहा कि बैठक में उम्मीदवारों के चयन को लेकर भी फैसला हुआ है। जीतने की क्षमता सबसे बड़ा फैक्टर होगा। हम केवल जिताऊ उम्मीदवारों को मैदान में उतारेंगे और यही टिकट का सबसे बड़ा मापदंड होगा। हम सितम्बर के प्रथम सप्ताह तक उम्मीदवार तय कर लेंगे और कर्नाटक की तरह यहां भी हम बहुत पहले उम्मीदवारों की घोषणा कर देंगे। हमने कई दौर का सर्वे किया है। नतीजे साफ है कि सब नेताओं ने कहा कि हम जीत रहे हैं। भाजपा राजस्थान में पूरी तरह फेल है। पांच राज्यों मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, तेलंगनाा और मिजोरम के बाद राजस्थान में चुनाव पूर्व तैयारियों को लेकर ये महत्वपूर्ण बैठक रही। हम अब राजस्थान में इलेक्शन कैंपेन शुरू करेंगे। उन्होंने कहा कि आरपीएससी, पेपरलीक गंभीर मुद्दा है। पेपर लीक पर आगामी विधानसभा सत्र में बहुत ही मजबूत कानून लाया जा रहा है। मुख्यमंत्री गहलोत ने कल इसे लेकर स्पष्ट कर दिया है। आरपीएससी में सदस्यों के चयन को लेकर नियमों में बदलाव किए जाएंगे। बयानबाजी करने वालों को नसीहत देते हुए वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी में अनुशासन को बहुत गंभीरता से फॉलो करेंगे। बाहर किसी मुद्दे को नहीं कहेंगे, जो कुछ कहना है पार्टी प्लेटफार्म पर कहेंगे। जिसने भी बाहर गैर जरूरी बयानबाजी की, उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा से राजस्थान में अच्छा माहौल बना है। सभी नेताओं ने कहा कि यात्रा से कांग्रेस को फायदा हुआ है। पार्टी प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा कि बैठक में मौजूद प्रदेश के सभी पार्टी नेताओं से एक-एक कर विचार लिए गए और सभी ने कहा कि हम मिलकर भाजपा को हराएंगे और कांग्रेस को ही लेकर आएंगे। हम सभी इकट्ठे हैं। हम फ्यूचर की बात करेगे। उन्होंने कहा कि बैठक में राहुल गांधी ने कहा कि यह कांग्रेस कार्यकर्ता की सरकार है और जो वहां गवर्नमेंट ने काम किए हैं। इससे पूर्व विधानसभा चुनावों की रणनीति बनाने और पार्टी में एकजुटता को लेकर हुई इस बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष खडगे, राहुल गांधी, मुख्यमंत्री गहलोत और पायलट समेत तीस वरिष्ठ नेता शामिल हुए। स्पीकर सीपी जोशी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में गहलोत वर्चुअली जुड़े थे। बैठक शुरू होने से पहले कुछ समय के लिए मीडियाकर्मियों को वीडियो और फोटो के लिए अनुमति दी गई तो राहुल गांधी ने मीडियाकर्मियों से हल्के-फुल्के अंदाज में कहा कि बैठक में गहलोत जी भी जुड़े हैं, लैपटॉप में उन्हें भी दिखा दीजिए। इस पर नेताओं ने कहा कि बड़ी स्क्रीन लगी है, उस पर भी देख सकते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज पर ...

खिलाफ मामला दर्ज किया है, जो कि डीएमके आईटी विंग का पदाधिकारी बताया गया है। आरोपित के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर अनुसंधान किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ग्राम उमरी के सीताराम पुत्र जामसिंह ने बुधवार को उक्त आपत्तिजनक पोस्ट को देखा था। इसके बाद उसने यह पोस्ट साथियों को दिखाई। इसके बाद सीताराम अपने साथियों के साथ बाग थाने आया और लिखित आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की। सीताराम ने अपनी शिकायत में कहा है कि आरोपित ने देश में नफरत फैलाने के उद्देश्य से अपमानजनक सामग्री के रूप में ध्वज पर लघुशंका करने की पोस्ट डाली है। उसने ट्विटर अकाउंट पर किसी व्यक्ति का रंगीन चित्र पोस्ट किया है। थाना प्रभारी निनामा ने बताया कि राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम 1971 की धारा 2, भादंवि 1860 की धारा 153 बी और आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत प्रकरण दर्ज किया है। इस संबंध में साक्ष्य एकत्रित किए जा रहे हैं। फिलहाल आरोपित के ट्विटर अकाउंट की जानकारी साइबर सेल से निकाली जा रही है। इसी आधार पर नाम और पते की जानकारी मिल पाएगी। साथ ही टेक्निकल साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। अपराध पंजीबद्ध कर अनुसंधान किया जा रहा है। इस संबंध में साक्ष्य एकत्रित कर आरोपित को गिरफ्तार किया जाएगा। दरअसल, उक्त फोटो शरीब 2.0 आईडी से ट्वीट हुआ है।

दाफ्रीका में विषाक्त...

में लीकेज की वजह से हुआ। इस यार्ड में मजदूर रहते हैं। इस विषाक्त गैस के तेजी से हवाल में फैलने से पूरी बस्ती में लोग जान बचाकर भागने लगे। लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। दम घुटने लगा। अब तक महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 16 लोगों के शव मिल चुके हैं।

स्वर्वेद भाष्य

पंचम मंडल **प्रथम अध्याय**

(विविध योग)

भक्तियोग फिर योग में, प्रेमयोग एक योग।
योग कमी फिर यह बने, सब कर्मन मिल योग॥ 07॥

शब्दार्थ : (योग) साधन-पथ (फिर) पुनः।

भाष्य : पुनः योग में भक्तियोग और एक प्रेमयोग हुआ। फिर योग कम न हो कर सर्व कर्मों से मिलकर एक समन्वय योग हो गया।

योग अनेकों बन गये, यह मनमथ परपञ्च।
योग एक प्रभु मिलन का, और योग नहिं रञ्च॥ 08॥

शब्दार्थ : (परपंच) विस्तार (रंच) अल्प, कुछ।

भाष्य : योग अनेक प्रकार के बन गए। ये सभी मन का रंजन एवं उसका विस्तार हैं। प्रभुप्राप्ति का एकमात्र जो योग है, वही योग है और सर्वयोग नहीं हैं, बल्कि वे मन की भूमि में अल्प प्रकृति-सुख को प्राप्त करने वाले हैं।

लंका में स्थापित होगा चावल और जूट मिल

नगांव (हिंस)। विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से जिले के लंका के काकी 2 नंबर में एक अत्याधुनिक चावल और जूट मिल स्थापित किया जाएगा। लमडिंग के विधायक शिबू मिश्रा ने 7.51 करोड़ रुपए के अनुमानित लागत से स्थापित होने वाली कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) योजना के तहत मिल की आधारशिला रखी। इस अवसर पर अपने संबोधन में विधायक ने कहा कि असम कृषि और ग्रामीण परिवर्तन परियोजना (अपार्ट) के माध्यम से स्थापित होने वाली अत्याधुनिक तकनीक वाली इस चावल और चिरा मिल से इन दिनों बाजार में उपलब्ध अन्य उच्च गुणवत्ता वाले चावल के साथ प्रतिस्पर्धा करने में असम सक्षम होगा। उन्होंने कहा कि होजाई जिला उद्योग विभाग के साथ-साथ असम सरकार भी इस परियोजना को लेकर बहुत आशान्वित है। उल्लेखनीय है कि विश्व बैंक की वित्तीय सहायता से अपार्ट के माध्यम से प्रदेश के कुल 17 जिलों में इस प्रकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाएं स्थापित की जाएंगी।

फरार ओसी बिमान राय गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। बहुचर्चित घोगरापार थाना कांड के मुख्य अभियुक्त थाना के ओसी बिमान राय को आज गुवाहाटी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार कर लिया गया। ज्ञात हो कि बीते 9 दिनों से विमान राय भूमिगत थे। एक एक नाबालिग लड़की को नग्न करके उसकी तस्वीरें खींचने के आरोप में उन पर मुकदमा चलाया गया था। लेकिन, गिरफ्तारी की डर से वे भूमिगत हो गए थे। पुलिस ने उन्हें फरार घोषित कर दिया था। उनके ऊपर इनाम भी रखा गया था। इसी बीच ओसी विमान राय को उनकी सेवा से असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह द्वारा बर्खास्त कर दिया गया था। पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही थी। जगह-जगह छापामारी की जा रही थी। लेकिन, वे अब तक पुलिस के हाथ नहीं लगे थे। आखिरकार आज

सुबह वे गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर उस समय पकड़ लिए गए जब यहां से बाहर जाने की फिराक में थे। उन्हें गिरफ्तार कर थाने ले जाया गया। जहां से उनके अस्वस्थ होने की वजह से उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया गया। फिलहाल गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले भी सीएम विजिलेंस द्वारा बिमान राय गिरफ्तार किए जा चुके थे। 50 हजार रुपए रिश्वत लेकर ट्रक को छोड़ने के आरोप में उन्हें विजिलेंस एंड एंटी करप्शन डायरेक्टरेट द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उसके बाद उनकी पोस्टिंग नलबाड़ी जिले के घोगरापार थाने में हुई थी। फिलहाल उन्हें गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कड़ी सुरक्षा के बीच रखा गया है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. मुखर्जी को उनकी जयंती पर अर्पित किए श्रद्धा-सुमन

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज यहां डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर अपने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उन्हें याद किया। मुख्यमंत्री ने डॉ. मुखर्जी की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए कहा है कि भारत की एकता को मजबूत करने की दिशा में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के अद्वितीय प्रयासों के लिए हम उनके आभारी हैं। उनके आदर्श और दृष्टिकोण देश को प्रेरित करते हैं और हम उन्हें पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

रिश्वत लेते रंगे हाथों लॉटमंडल गिरफ्तार

कामरूप (हिंस)। राज्य की सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक टीम ने गुरुवार को रिश्वत लेते रंगे हाथों एक लॉटमंडल (लेखपाल) को गिरफ्तार किया है। निदेशालय में दर्ज एक शिकायत दर्ज कराई थी कि कामरूप (ग्रामीण) जिला के चमरिया राजस्व सर्कल अधिकारी कार्यालय के लॉट मंडल जिबेश कुमार देब शर्मा ने भूमि रिकॉर्ड के नामांतरण के लिए 10 हजार रुपए की रिश्वत मांगी है। इस शिकायत के आधार पर गुरुवार को सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक टीम ने सर्कल अधिकारी, चमरिया राजस्व सर्कल के कार्यालय में जाल बिछाकर लॉट मंडल जिबेश कुमार को छह हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। जिबेश कुमार के पास से रिश्वत के छह हजार रुपए भी बरामद कर लिए गए। इस संबंध में एसीबी थाने में मामला दर्ज कर लिया गया है।

फकीराग्राम में लॉटरी टिकट समेत दो एजेंट गिरफ्तार

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिला के फकीराग्राम थाना प्रभारी सुशील क्षेत्री के नेतृत्व में पुलिस के एक दल ने गुप्त सूचना के आधार पर आज फकीराग्राम बाजार में लॉटरी टिकट के विरुद्ध अभियान चलाकर दो लॉटरी एजेंटों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए लॉटरी एजेंट की पहचान फकीराग्राम थाना अंतर्गत राभापारा गांव निवासी गोपाल मंडल (59) और पोचागढ़ गांव निवासी संतोष सरकार (58) के रूप में किया गया हैं। गिरफ्तार किए गए लॉटरी एजेंट के पास से पुलिस ने भारी मात्रा में पश्चिम बंगाल की लॉटरी टिकट, नगद धन और मोबाइल फोन जप्त किया हैं। इस मामले में पुलिस एक प्राथमिकी दर्ज कर दोनों से आगे की पूछताछ कर रही है। ज्ञात हो की जब दोनों एजेंट फकीराग्राम बाजार में प्रतिदिन की तरह लॉटरी का टिकट बेच रहे थे उसी समय फकीराग्राम पुलिस ने दोनों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया।

असली के बदले नकली नोट लौटाने वाला ठग गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। लोगों को दुगुनी राशि लौटा कर देने का झांसा देकर असली के बदले नकली नोट लौटाने वाला ठग असम पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस द्वारा आज दी गई जानकारी के अनुसार असम पुलिस के डीआईजी पार्थ सारथी महंत ने एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए एसटीएफ की एक टीम के साथ एक ऑपरेशन चलाया। अभियान के दौरान जाली भारतीय मुद्रा नोटों (एफआईसीएन) से संबंधित अवैध गतिविधियों में शामिल सहनूर इस्लाम (28) को बुधवार की रात आईएसबीटी बाईपास के पास से पकड़ा गया। मौके पर पूछताछ के बाद अहोम गांव, गुवाहाटी स्थित आरोपी के घर पर तलाशी अभियान चलाया गया। जहां से 500 मूल्यवर्ग के नकली भारतीय मुद्रा नोटों के बंडल और 500 के भारतीय मुद्रा नोटों के आकार के खाली सफेद कागज के बंडल मिले।

अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी एक धोखेबाज है जो लोगों को असली भारतीय मुद्रा नोटों के बदले में दोगुनी राशि प्रदान करने का लालच देता था। जांच में पता चला है कि आरोपी लंबे समय से इस अवैध कारोबार में है और उसके गिरोह में और भी लोग हैं। इस संबंध में एक मामला केस नंबर 05/2023 यू/एस 120 (बी) / 489 (ए) / 489 (सी) / 489 (डी) आईपीसी के तहत एसटीएफ पीएस में दर्ज किया गया है। इस सिलसिले में मोहम्मद सहनूर इस्लाम को गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार आरोपी द्वारा इस्तेमाल की गई एक मारुति ब्रेजा कार (एएस-01ईके-5644), चार मोबाइल फोन और एक पिस्तौल जैसा दिखने वाला लाइटर भी बरामद किया गया है। सह-आरोपियों की पहचान करने और उन्हें पकड़ने के लिए आगे की जांच जारी है।

दूरसंचार विभाग 5जी उत्पादों और समाधानों के विकास के लिए हैकाथॉन आयोजन करेगा

गुवाहाटी (विभास)। दूरसंचार विभाग 5जी एंड बियांड हैकाथॉन 2023 के लिए 28 जून 2023 से आवेदन आमंत्रित करता है। जिसका उद्देश्य भारत केंद्रित अत्याधुनिक विचारों को शॉर्टलिस्ट करना है। जिन्हें व्यावहारिक 5जी उत्पादों और समाधानों में परिवर्तित किया जा सकता है। हैकाथॉन के 100 विजेता 1 करोड़ रुपए का कुल पुरस्कार पूल साझा करेंगे, और सरकार, उद्योग, शिक्षा, दूरसंचार,ओईएम आदि के सलाहकारों के समर्थन से उन्हें बाजार के लिए तैयार करने के लिए अपने 5 जी उत्पादों व समाधानों को स्केल करने और कार्यान्वित करने का एक अनूठा अवसर प्रदान करेंगे। प्रतिभागी हेल्थकेयर, शिक्षा और शासन, एग्रीटेक और पशुधन, पर्यावरण, सार्वजनिक सुरक्षा और आपदा प्रबंधन उद्यम, स्मार्ट सिटी और बुनियादी ढांचे, साइबर सुरक्षा, बैंकिंग, वित्त और बीमा, रसद और परिवहन, मल्टीमीडिया और ब्रॉडकास्ट सैटेलाइट सहित कई श्रेणियों से 5 जी समाधान विकसित कर सकते हैं। 5जी बीयोंड हाकथान भारत में व्यक्तियों, छात्रों, स्टार्ट-अप और शैक्षणिक संस्थानों के लिए खुला है। दूरसंचार विभाग 28 जून से 31 जुलाई 2023 तक आवेदन आमंत्रित करता है। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइटर पर देखे।

रंगिया महकमा प्रशासन ने योग प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया आयोजन

रंगिया (विभास)। रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा योग के क्षेत्र में एक बड़ा कदम उठाया गया है। अतिरिक्त उपायुक्त तथा रंगिया के महकमाधिपति दीपन बर्मन के दिशानिर्देश पर तथा रंगिया की अग्रणी स्वयंसेवी संस्था साधना के सहयोग से महकमा के अंतर्गत आनेवाले विभिन्न विद्यालयों के तीन हजार से भी अधिक शिक्षक और शिक्षिकाओं के लिए 3 दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। इस योग प्रशिक्षण के दूसरे दिवस का कार्यक्रम आज महकमे के सभी शिक्षाखण्ड के अंतर्गत विभिन्न विद्यालय केंद्रों में सुबह 8 बजे से आयोजित किया गया। महकमाधिपति दिपन बर्मन द्वारा बताया गया है कि इस प्रशिक्षण

कार्यक्रम के माध्यम से योग के क्षेत्र में सभी को शामिल कर एक स्वस्थ, सुंदर और समृद्धिशाली समाज बनाने का प्रयास किया गया है। उल्लेखनीय है कि रंगिया महकमा प्रशासन द्वारा गर्मी की छुट्टियों के दौरान रंगिया, कोरारा और कमलपुर शिक्षा खण्ड के अंतर्गत विद्यालयों में योग प्रशिक्षण का यह कदम उठाया गया है। इसके अनुसार बृहस्पतिवार को आयोजित योग प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान कमलपुर के इस प्रशिक्षण केंद्र में योगाचार्य ज्योतिष कलिता उपस्थित हुए और सभी प्रतिभागियों को योग के बारे में जानकारी देते हुए प्रतिदिन योगाभ्यास के माध्यम से अच्छे मन के अधिकारी होने का सु-परामर्श दिया।

भाजपा ने मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

रंगिया (विभास)। रंगिया में बृहस्पतिवार को भाजपा नगर मंडल द्वारा राष्ट्रीय एकता और अखंडता के पर्याय, महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती बड़े ही उत्साह के साथ मनाई गई। रंगिया नगर के ऐतिहासिक हरदत्त-बीरदत्त भवन प्रांगण में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगिया नगर मंडल की अध्यक्षा दीप्ति लहकर की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश भाजपा के कार्यवाहक सदस्य रंजन उपाध्याय, मन की बात कार्यक्रम के भाजपा जिला समन्वयक रोबिन सैकिया, वार्ड पार्षद बीयूटी अहमद सहित भाजपा के स्थानीय कार्यकर्ताओं ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर पुष्प अर्पित

कर उन्हें नमन किया। वहीं इस दौरान भाजपा रंगिया नगर मण्डल के सचिव ने डॉ. मुखर्जी को याद करते हुए कहा कि भारत की एकता और अखंडता के लिए डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अपने प्राणों की आहुति दे दी। कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मदद से इन्होंने 1951 में भारतीय जनसंघ की स्थापना की जो 1980 में भारतीय जनता पार्टी बन गई। भारत को सशक्त बनाने में इनका अहम योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का मानना था कि एक देश मे दो विधान, दो प्रधान ओर दो निशान नही चलेगा।

पुलिस मुठभेड़ में एक घायल 7 करोड़ की हेरोइन बरामद

कार्बी आंग्लांग (हिंस)। कार्बी आंग्लांग जिले के अंतर्गत बोकाजान में पुलिस ने लाहरीजान में एक साबुन फैक्ट्री में छापा मारकर तस्करी का भंडाफोड़ किया। यहां छापेमारी के दौरान मादक पदार्थ समेत भाग रहे एक व्यक्ति को पकड़ने के लिए पुलिस को फायरिंग करनी पड़ी, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस ने सात करोड़ की हेरोइन बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने गुरुवार को बताया है कि खटखटी पुलिस थाने के तहत असम-नगालैंड सीमा पर लाहरीजान में बीती देर रात को पुलिस ने कुख्यात ड्रग्स माफिया शाहिद हुसैन की बर्फ की फैक्ट्री पर छापा मारा। पुलिस ने यहां 94 प्लास्टिक साबुनदानी में छुपाकर रखी गयी एक किलो 100 ग्राम हेरोइन बरामद की है। ड्रग्स को एक ताबूत के अंदर छिपाकर रखा था। जब्त हेरोइन की बाजार में कीमत 7 करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस की कार्रवाई के दौरान ड्रग्स माफिया शाहिद पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश की तो पुलिस ने फायरिंग कर दी, जिससे ड्रग्स माफिया घायल हो गया। घायल को जिला मुख्यालय शहर डिफू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी मिलती ही कार्बी आंग्लांग के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार सैकिया रात में घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। गौरतलब है कि छह महीने पहले ही कुख्यात ड्रग्स माफिया शाहिद जेल से छूटा था। जेल से छूटते ही फिर से वह नशे के कारोबार में लिप्त हो गया था। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच में जुटी हुई है।

रंगिया : एसएसबी ने चलाया तीन दिवसीय पौधरोपण कार्यक्रम

रंगिया (विभास)। रंगिया के मोरानजना स्थित सशस्त्र सीमा बल की 24वीं वाहिनी द्वारा कमांडेंट दीपक सिंह के दिशानिर्देश पर तीन दिवसीय कार्यक्रमों के साथ (दिनांक-05.07.23 से 07.07.23) सामूहिक पौधरोपण कार्यक्रम चलाया जा रहा है जिसके तहत बल वाहिनीं की सीमा क्षेत्र के अंतर्गत विभिन्न विद्यालयों और सार्वजनिक स्थानों पर यह कार्यक्रम चलाया जा रहा है। साथ ही इस मौके पर बल वाहिनीं द्वारा स्थानीय लोगों को पौध रोपण की जरूरत के बारे में अवगत किया जा रहा है। बताया गया है कि पौधरोपण कार्यक्रम वाहिनीं मुख्यालय और इसके प्रत्येक समावय/ सीमाचौकियों में चलाया जा रहा है। वहीं वाहिनीं द्वारा सीमाक्षेत्र के स्थानीय लोगों एवं विभिन्न विद्यालयों के

छात्र-छात्राओं व अध्यापककों के साथ मिलकर इस मुहिम को आगे बढ़ाया जा रहा है। बल वाहिनीं के कमांडेट दीपक सिंह द्वारा बताया गया है कि वाहिनीं का उद्देश्य पर्यावरण को शुद्ध बनाना व अधिक-से-अधिक वृक्षारोपण कर लोगों को पर्यावरण के लिए जागरूक करना है। जिससे पर्यावरण का स्तर बेहतर होगा एवं मानव जीवन सुखमय होगा और हम वर्तमान में पर्यावरण से संबंधित सभी आवश्यकताओं को पूरा कर भविष्य की फीढ़ी के लिए भी सुनियोजित परिकल्पना बना सके ।

राज्यपाल से बीटीसी के सीईएम और अधिकारियों ने की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। बोड़ोलैंड टेरिटोरियल रिजन (बीटीआर) के विकास को गति देने के उद्देश्य से, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने आज राजभवन में बीटीसी के सीईएम प्रमोद बोड़ो और अन्य अधिकारियों के साथ एक बैठक की अध्यक्षता की। बीटीसी के प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने विभिन्न विभागों के सहयोग से बीटीसी द्वारा की गई सभी विकास के बारे में बताया। उन्होंने क्षेत्र में लोगों के कल्याण के लिए बीटीआर सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही केंद्र प्रायोजित प्रमुख योजनाओं और सामाजिक कल्याण परियोजनाओं की प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने बीटीआर में विकास गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए राज्यपाल का मार्गदर्शन और समर्थन भी मांगा। प्रमुख सचिव बीटीसी आकाश दीप ने बीटीसी की प्रोफाइल, सरकार द्वारा की गई विशेष पहल और प्रमुख मिशनों पर एक पावर प्वाइंट प्रेजेंटेशन दिया। जिसमें बीटीआर की स्थिति, शिक्षा की स्थिति, स्वास्थ्य,

परिषद का राजस्व, धन का प्रबंधन, कृषि, शहरी विकास, पीएचईडी, सामाजिक कल्याण, पीडब्ल्यूडी, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, पशुपालन और पशु चिकित्सा, खेल और युवा कल्याण आदि शामिल हैं। राज्यपाल ने अधिकारियों से कृषि पर ध्यान केंद्रित करने को कहा कि क्योंकि यह किसानों की आय बढ़ाने और उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए प्रेरक शक्ति है। उन्होंने आगे उनसे मछली पालन और मशरूम की खेती को बढ़ावा देने के लिए कहा जिससे उन्हें अच्छा रिटर्न मिलेगा। राज्यपाल ने लोगों की सेवा करने में उनके प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और लोगों की सेवा करने के उनके प्रयासों में परिषद को अपना समर्थन देने का आश्वासन भी दिया। इस मौके पर राज्यपाल के आयुक्त और सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, राज्यपाल के सचिव स्वप्ना दत्ता डेका, बोड़ोलैंड कल्याण विभाग के सचिव उमानंद दौले, सचिव बीटीसी जतिन बोरा, सचिव बीटीसी धीरज सऊद, सचिव बीटीसी अमर ज्योति बर्मन, सचिव बीटीसी सुजीत बगलारी, राज्यपाल के ओएसडी निष्काम दिवाकर सहित कई अन्य लोग उपस्थित थे।

NO.248598

PRESS RELEASE

Sealed Short Tender affixing non-refundable court fee stamp of Rs.8.25 (Rupees eight and paise twenty five)only superscribed as Tenders for Contract for "Sale of Waste Papers and Damaged Plates" along with demand draft of Rs.10,000.00 (Rupees ten thousand)only as Earnest money in favour of Director of Printing & Stationery, Assam, Guwahati-21 are invited from Registered Firms under Directorate of Printing & Stationery, Assam, Guwahati-21 by the undersigned for sale of Waste Papers and Damaged Plates for one year contract. The last date of submission of Tender is up to 02:00 PM. on 26/07/2023 and the same shall be opened on the same day at 03:00 PM. in the Office Chamber of the Director, Printing & Stationery, Assam, Guwahati-21 in presence of the Tenderers or their authorised representatives. The detailed tender notice can be obtained from the office of the undersigned on payment of Rs.100/- (Rupees one hundred) only in cash during office hours on all working days.

Director
Printing & Stationery, Assam,
Guwahati-21.

-- Janasanyog /C/6407/23

नौसेना ने लेह में शुरू किया दो दिवसीय आउटरीच कार्यक्रम 'हैलो लद्दाख'

- नौसेना प्रमुख दोनों दिन लेह में विभिन्न आउटरीच गतिविधियों की मेजबानी करेंगे
- सिंधु संस्कृति केंद्र में भारतीय नौसेना बैंड ने विशेष कॉन्सर्ट सरगम आयोजित किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के साथ संपर्क मजबूत करने के लिए गुरुवार को दो दिवसीय बहुआयामी आउटरीच कार्यक्रम ह्यजुलै लद्दाखह्ण (हैलो लद्दाख) शुरू किया है। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार दोनों दिन लेह में विभिन्न आउटरीच गतिविधियों की मेजबानी करेंगे। नौसेना ने पिछले साल भी उत्तर पूर्व में आउटरीच गतिविधियां की थीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य लद्दाख के बारे में जागरुकता बढ़ाकर वहां के युवाओं और नागरिक समाज को मुख्यधारा से जोड़ना है। नौसेना के कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि भारतीय नौसेना के आउटरीच के हिस्से के रूप में लद्दाख में होने वाले कार्यक्रमों में नौसेना बैंड का सार्वजनिक प्रदर्शन, भारतीय नौसेना और लद्दाख यूटी टीम के बीच एक दोस्ताना फुटबॉल मैच, बाइक और कार अभियान को हरी झंडी दिखाना और विभिन्न स्कूलों का दौरा शामिल होगा। उन्होंने बताया कि इस दौरान नौसेना प्रमुख युद्ध स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित करके भारतीय नौसेना की ओर से सम्मान व्यक्त करेंगे। वह लेह में उपराज्यपाल ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा (सेवानिवृत्त) से मुलाकात भी करेंगे। आउटरीच कार्यक्रम के पहले दिन आज सिंधु संस्कृति केंद्र में भारतीय नौसेना बैंड ने विशेष कॉन्सर्ट 'सरगम' आयोजित किया, जिसके मुख्य मेजबान नौसेना प्रमुख के साथ उनकी

पत्नी नेवी वेलफेयर एंड वेलनेस एसोसिएशन (एनडब्ल्यूडब्ल्यूए) की अध्यक्ष श्रीमती कला हरि कुमार थीं। एलजी ब्रिगेडियर (डॉ.) बीडी मिश्रा सरगम के मुख्य अतिथि थे। 07 जुलाई नौसेना और लद्दाख टीम के बीच स्पितुक फुटबॉल स्टेडियम में एक दोस्ताना फुटबॉल मैच होगा। नौसेना प्रमुख पत्नी के साथ लैमडन सीनियर सेकेंडरी स्कूल का दौरा करके छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत करेंगे। मोटर साइकिल और कार अभियान में लद्दाख के मूल निवासी नौसेना कर्मियों और 20 महिलाओं सहित 107 प्रतिभागी शामिल हुए थे, जो क्रमशः 15 और 22 जून को दिल्ली और विशाखापत्तनम से रवाना हुए थे। पूरे लद्दाख क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों में 3000 से अधिक छात्रों के साथ बड़े पैमाने पर जुड़ने के बाद यह दोनों दल लेह पहुंचेंगे, जहां एलजी मोटर साइकिल और कार अभियानों को हरी झंडी दिखाएंगे। लेह से वापसी चरण के दौरान प्रत्येक 5000 किमी से अधिक की कुल दूरी तय करते हुए प्रतिभागी विभिन्न स्कूलों के छात्रों के साथ-साथ दिग्गजों और स्थानीय आबादी के साथ बातचीत करेंगे। इन कार्यक्रमों में भाग ले रहे सभी नौसेना कर्मी लद्दाख के युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए अपने समृद्ध अनुभवों और सफलता की कहानियां साझा कर रहे हैं।

एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे, इस तरह की खबरें अफवाह : उदय सामंत

मुंबई, (हि.स.)। महाराष्ट्र के उद्योगमंत्री उदय सामंत ने कहा कि सीएम एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे। उनके इस्तीफे की खबर सिर्फ अफवाह है, जो जानबूझकर फैलाई जा रही है। उदय सामंत ने राकांपा नेता अजीत पवार का शिंदे सरकार में शामिल होने पर स्वागत किया है। उदय सामंत ने गुरुवार को पत्रकारों को बताया कि कुछ लोग अजीत पवार के शिंदे सरकार में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री के इस्तीफे की अफवाह फैला रहे हैं। सामंत ने कहा कि कुछ लोग राज्य में शिवसेना-भाजपा- राकांपा सरकार की वजह से परेशान हो गए हैं। इसलिए भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं। इस तरह की भ्रामक खबरों पर विश्वास

नहीं रखा जाना चाहिए। शिंदे समूह में किसी भी तरह की नाराजगी नहीं है। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता संजय राऊत ने गुरुवार को सुबह कहा था कि अजीत पवार सहित अन्य राकांपा नेताओं के मंत्री पद की शपथ लेने के बाद शिंदे समूह की बारगेनिंग पावर खत्म हो गई है। इसलिए बहुत जल्द एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे और अजीत पवार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। संजय राऊत ने यह भी कहा कि शिंदे समूह के अधिकांश विधायक इस समय नाराज हैं। विधायकों में मंत्री पद न मिलने से मारपीट तक हो रही है।

जम्मू से 6,554 श्रद्धालुओं का सातवां जत्था अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए रवाना

जम्मू, (हि.स.)। जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से गुरुवार को 6,554 श्रद्धालुओं का सातवां जत्था अमरनाथ की पवित्र गुफा के लिए रवाना हो गया। इस जत्थे में 5,053 पुरुष, 1,375 महिलाएं, 101 साधु और 25 बच्चे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 272 वाहनों से घाटी के लिए रवाना हुए। आधार शिविर पहलगाम की ओर जाने वाले 3,864 श्रद्धालु 141 वाहनों के काफिले में रवाना हुए, जबकि 2,690 श्रद्धालुओं को लेकर 131 वाहनों का एक और काफिला बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। इसके साथ ही 30 जून से लेकर अब तक कुल

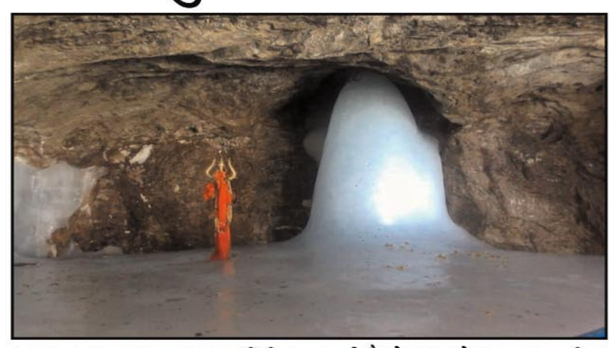

36,823 श्रद्धालु जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। बुधवार शाम तक अमरनाथ की पवित्र गुफा के 65,000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं और यात्रा सुचारू रूप से जारी है। देश भर से श्रद्धालु प्राकृतिक रूप से बने बर्फ के शिवलिंग की एक झलक पाने और प्रार्थना करने के लिए आधार शिविरों में बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं।

प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को याद किया

नई दिल्ली, (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि महान राष्ट्रवादी चिंतक, शिक्षाविद् और भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर शत-शत नमन। एक सशक्त भारतवर्ष के निर्माण के लिए उन्होंने अपना जीवन समर्पित कर दिया। उनके आदर्श और सिद्धांत देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करते रहेंगे। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने ट्वीट कर कहा कि श्रद्धेय डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने अपने जीवन से सिखाया कि

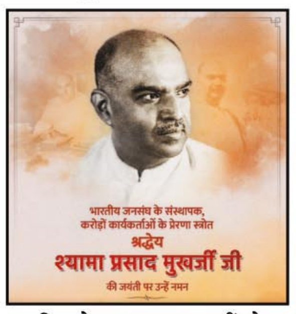

राष्ट्रहित से बढ़कर कुछ नहीं होता। चाहे कश्मीर हो या फिर बंगाल, डॉ. मुखर्जी ने देश की एकता और अखंडता के लिए जो विराट योगदान दिया, उसके हम सदैव ऋणी रहेंगे। उन्होंने पहली औद्योगिक नीति की नींव रख भारत की प्रगति के मार्ग प्रशस्त किये। डॉ. मुखर्जी का राष्ट्र-समर्पण और दूरदर्शिता हमें सदैव मार्गदर्शित करेगी। देश के ऐसे महान सपूत की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन। उल्लेखनीय है कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी भारतीय राजनीतिज्ञ, बैरिस्टर और शिक्षाविद् थे, जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू के मंत्रिमंडल में भारत के पहले उद्योग मंत्री के रूप में कार्य किया। नेहरू के साथ अनबन के बाद, लियाकत-नेहरू समझौते का विरोध करते हुए, मुखर्जी ने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दिया। बाद में उन्होंने एक नई पार्टी बनाई जो उस समय विरोधी पक्ष के रूप में सबसे बड़ा दल था। इस तरह अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ।

प्रोजेक्ट मिष्टी न केवल मैंग्रोव बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में करेगा मदद : भूपेन्द्र यादव

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने आज कहा कि प्रोजेक्ट मिष्टी न केवल मैंग्रोव बल्कि पूरे पारिस्थितिकी तंत्र की बहाली में मदद करेगा। यह सीओपी अनुकूलन एजेंडा को पूरा करने और कार्बन सिंक बनाने में भी महत्वपूर्ण साबित होगा। वह गुरुवार को द्वारका के रुक्मिणी मंदिर के पास हरियाली महोत्सव में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने समग्र दृष्टिकोण के माध्यम से एक अद्वितीय जैव विविधता संरक्षण मॉडल तैयार किया है। इस प्रयास के हिस्से के रूप में बजट 2023-24 में सरकार ने वनीकरण में भारत की सफलता के आधार पर शोरलाइन हैबिटेट्स एंड टैंजिबल इनकम (मिष्टी) के लिए मैंग्रोव पहल शुरू की। इस योजना के तहत समुद्र तट

के किनारे मैंग्रोव वृक्षारोपण किया जा रहा है। इस मौके पर भूपेन्द्र यादव ने मैंग्रोव वृक्षारोपण भी किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी तंत्र की खाद्य श्रृंखला के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सरकार द्वारा शुरू किए गए प्रोजेक्ट डॉल्फिन और प्रोजेक्ट लायन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने समुद्री पारिस्थितिकी प्रणालियों के स्वास्थ्य और उनके संरक्षण के पारिस्थितिक संकेतक के रूप में मैंग्रोव पारिस्थितिकी प्रणालियों और डॉलफि न के महत्व पर जोर दिया।

कांग्रेस के हाथों सुरक्षित है राजस्थान का वर्तमान और भविष्य : खड़गे

नई दिल्ली, (हि.स.)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि राजस्थान का वर्तमान और भविष्य कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है। राजस्थान इस बार इतिहास रचेगा। खड़गे ने गुरुवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ बैठक के बाद ट्वीट कर कहा कि कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान में समावेशी विकास एवं जन-कल्याण की योजनाओं को घर घर पहुंचाया है। वहां पार्टी एकजुट होकर आगामी चुनाव में जनता के बीच जाएगी। खड़गे ने कहा कि राजस्थान का हर वर्ग - किसान, खेत-मजदूर, युवा, महिलाएं व समाज का हर एक वर्ग कांग्रेस पार्टी में अपनी आस्था व्यक्त कर रहा है। हम सब की आकांक्षाओं का ख़्याल रखेंगे।

राजस्थान का वर्तमान और भविष्य दोनों कांग्रेस के हाथों में सुरक्षित है। उल्लेखनीय है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव इसी वर्ष के अंत तक होना है। जिसको लेकर कांग्रेस ने आज पार्टी मुख्यालय में एक बैठक आयोजित की। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के नेतृत्व में यह बैठक आयोजित की गई। बैठक में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल सहित राजस्थान कांग्रेस के नेता सचिन पायलट सहित वर्चुअल माध्यम से राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भी जुड़े।

केंद्र के अध्यादेश के खिलाफ 10 को सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

ट्रांसफर पोस्टिंग संबंधी अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार ने की याचिका

अजय त्यागी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट दिल्ली में ट्रांसफर पोस्टिंग के मामले में केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ दिल्ली सरकार की याचिका पर शुक्रवार यानी 10 जुलाई को सुनवाई करेगा। दरअसल, दिल्ली सरकार की ओर से वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच से जल्द सुनवाई की मांग की थी, जिसके बाद कोर्ट ने 10 जुलाई को सुनवाई करने का आदेश दिया। दिल्ली सरकार ने अपनी याचिका में केंद्र सरकार के अध्यादेश पर तुरंत रोक लगाने की मांग की है। दिल्ली सरकार ने याचिका में कहा है कि केंद्र सरकार का 19 मई को लाया गया अध्यादेश असंवैधानिक है। इससे पहले 11 मई को सुप्रीम कोर्ट की संविधान बेंच ने कहा था कि उपराज्यपाल के पास केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली से संबंधित सभी मुद्दों पर

व्यापक प्रशासनिक पर्यवेक्षण नहीं हो सकता है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय बेंच ने सर्वसम्मत फैसले में कहा है कि उपराज्यपाल की शक्तियां उन्हें दिल्ली विधानसभा और निर्वाचित सरकार की विधायी शक्तियों में हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं देती हैं। यानी दिल्ली सरकार का पुलिस, कानून व्यवस्था और भूमि पर नियंत्रण नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि नौकरशाह इस धारणा के तहत नहीं हो सकते कि वे मंत्रियों के प्रति जवाबदेह होने से अछूते हैं। अगर अधिकारी इस धारणा के तहत मंत्रियों को जवाब नहीं देते हैं, तो वे लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकार के लिए बेहिसाब हो जाएंगे। कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली विधानसभा के पास भूमि, लोक व्यवस्था और पुलिस को छोड़कर सूची 2 में सभी विषयों पर कानून बनाने की शक्ति है।

प्रत्याशी को चुनाव में इस बार 40 लाख रुपये खर्च करने की छूट

भोपाल (ईएमएस)। चुनाव आयोग ने मप्र विधानसभा चुनावों के दौरान प्रत्याशियों के खर्चे में बढ़ोतरी की है। मिली जानकारी के अनुसार अब उम्मीदवार चुनाव के दौरान 40 लाख रुपये खर्च कर सकता है। गौरतलब है कि पिछले चुनाव में इसकी खर्च सीमा 28 लाख रुपये थी। बता दें कि मध्य प्रदेश में साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। इसको लेकर प्रदेश की राजनीतिक सरगर्मियां बहुत तेज हो गई हैं। हर जगह प्रमुख राजनीतिक दल के नेता सक्रिय हो चुके हैं। नेताओं का चुनावी दौरे का सिलसिला भी चल पड़ा है, और शीर्ष नेता लगातार चुनावी सभाएं कर रहे हैं। पार्टियां अपनी बात जनता का तक पहुंचाने की कोशिशों में जुटी हुई है। इन सबके बीच चुनाव आयोग ने भी अपने स्तर पर तैयारियां तेज कर दी हैं। चुनाव आयोग ने ट्रांसफर की डेट 31 जुलाई तक फिक्स कर दी है, इसके बाद तबादले नहीं हो सकेंगे। चुनाव आयोग की टीम ने भोपाल में विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर अधिकारियों के साथ बैठक की है। जिसमें ज्यादा पैसे खर्च करने पर सहमति बनी। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने वर्ष 2022 में चुनाव खर्च सीमा बढ़ाने की घोषणा की थी। जिसके परिणामस्वरुप इस बार खर्च सीमा 40 लाख रुपए कर दी गई है। जहां तक पिछली बार चुनावों के दौरान प्रत्याशियों ने खर्च सीमा को बहति कम बताया था। उस समय वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों के लिए खर्च सीमा 28 लाख रुपये थी। हालांकि बाद के वर्षों में अधिकतम सीमा में संशोधन करने की मांग की जाने लगी थी। इसके बाद चुनाव आयोग ने हालात और राजनीतिक दलों की मांग को देखते हुए एक कमेटी का गठन किया था। कमेटी की सिफारिश के बाद ही चुनाव आयोग ने लोकसभा और विधानसभा चुनाव में प्रत्याशियों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि को बढ़ाने का फैसला लिया था। वहीं अब लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में प्रत्याशियों को पहले के मुकाबले ज्यादा राशि खर्च करने की अनुमति मिल गई।

भारत इस साल तंजानिया के जांजीबार में खोलेगा पहला आईआईटी कैंपस

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इस साल के अंत तक भारत के बाहर अपना पहला कैंपस तंजानिया के जांजीबार में खोलेगा। इसमें अक्टूबर 2023 में प्रोग्राम लॉन्च करने की योजना है। यह भारत के बाहर स्थापित होने वाला पहला आईआईटी परिसर होगा। तंजानिया के जांजीबार में आईआईटी मद्रास के परिसर की स्थापना के लिए भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, आईआईटी मद्रास और तंजानिया के शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण मंत्रालय (एमओईवीटी) के बीच बुधवार को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर जांजीबार के राष्ट्रपति हुसैन अली मविनी और भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर मौजूद रहे। जयशंकर ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा कि

यह ऐतिहासिक कदम ग्लोबल साउथ के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि जयशंकर तंजानिया की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को कहा कि आईआईटी मद्रास-जांजीबार परिसर की स्थापना के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करना उच्च शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक शुरूआत है। यह पहल दक्षिण-दक्षिण सहयोग को मजबूत करने के साथ-साथ अफ्रीका के साथ लोगों के बीच मजबूत संबंध बनाने की प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ज्ञान को द्विपक्षीय संबंधों का एक प्रमुख घटक बनाने के साथ-साथ वैश्विक भलाई को आगे बढ़ाने का मार्ग प्रशस्त कर रही है।

अब जेवर एयरपोर्ट तक जाएगी ट्रेन, एनसीआर में बनेगा नया रेल रूट

- ट्रैक करीब 47.6 किलोमीटर लंबा होगा

अजय कुमार

नई दिल्ली। ग्रेटर नोएडा में चोला से पलवल रेलवे स्टेशन तक जेवर एयरपोर्ट से होते हुए रेल लाइन बनाने के लिए प्रदेश सरकार ने रेलवे बोर्ड को प्रस्ताव भेज दिया है। यह ट्रैक करीब 47.6 किलोमीटर लंबा होगा। इसमें जेवर और चोला में रेलवे स्टेशन बनाया जाएगा। यीडा ने अपनी बोर्ड बैठक में दिल्ली-कोलकाता रेलमार्ग में चोला से जेवर एयरपोर्ट तक रेललाइन के लिए प्रस्ताव पास किया था। यह कॉरिडोर 20 किलोमीटर का था। यह भी तय किया गया था कि यह प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा जाएगा। हालांकि इससे पहले रेल मंत्रालय के साथ हुई वार्ता में इस पर सैद्धांतिक सहमति जताई जा चुकी है। अब इस कॉरिडोर में कुछ बदलाव करते हुए प्रदेश सरकार की ओर से मुख्य सचिव ने रेलवे बोर्ड को अपना प्रस्ताव भेज दिया है। जेवर इलाका अभी रेलमार्ग से अछूता है। एयरपोर्ट के चलते इसे रेलमार्ग से जोड़ने की

तैयारी शुरू हुई है। इसको देखते हुए तय किया गया है कि दिल्ली-कोलकाता रेलमार्ग के चोला रेलवे स्टेशन से और दिल्ली-मुंबई रेलमार्ग में पलवल स्टेशन तक वाया जेवर एयरपोर्ट होते हुए कॉरिडोर बनाया जाए।

चोला से जेवर की दूरी करीब 20 किलोमीटर और जेवर से पलवल की दूरी करीब 27.6 किलोमीटर होगी। इसमें जेवर में बड़ा रेलवे स्टेशन बनाया जाए। प्रदेश के मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि इसके बनने से इस इलाके को बड़ा फायदा मिलेगा। इस नये रेलमार्ग के बनने से दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान समेत तमाम राज्यों तक पहुंच आसान हो जाएगी। इसके जरिये जेवर वाया चोला होते हुए आनंद विहार दिल्ली तक स्पेशल ट्रेन चलाई जा सकेंगी। लोग रेलमार्ग के जरिये जेवर एयरपोर्ट पहुंच सकेंगे। योजना के मुताबिक, चोला और जेवर बड़ा रेलवे स्टेशन बनाया जाएगा। इस इलाके से आर्बिटर रेल भी प्रस्तावित है। एनसीआरटीसी के प्रस्ताव में दिल्ली के चारों ओर रेलमार्ग बनाया जाना है।

ईस्टर्न पेरिफेरल एक्सप्रेसवे के किनारे से यह रेलमार्ग प्रस्तावित है। इससे दिल्ली का लोड कम किया जाएगा। यह कॉरिडोर भी गौतमबुद्ध नगर जनपद से गुजरेगा। इस तरह इस जिले के लिए दो नये रेलमार्ग मिल जाएंगे। जेवर एयरपोर्ट के तीसरे और चौथे चरण के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया एक साथ शुरू कर दी गई है। 14 गांवों की 2053 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इसमें तीन रनवे बनेंगे। सबसे पहले भूमि अर्जन, पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन में उचित मुआवजा के लिए सामाजिक समाघात निर्धारण (एसआईए) किया जाएगा। एसआईए गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय 30 अगस्त तक पूरा करेगा।

मनीष सिसोदिया ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी घोटाला मामले में हाई कोर्ट से जमानत याचिका खारिज होने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। सिसोदिया ने सीबीआई और ईडी दोनों मामलों में सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। दिल्ली हाई कोर्ट ने 3 जुलाई को मनीष सिसोदिया की नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी। इससे पहले 28 अप्रैल को राऊज एवेन्यू कोर्ट मनी लांड्रिंग से जुड़े मामले में सिसोदिया की जमानत याचिका खारिज कर चुका है। ईडी के मुताबिक मंत्री समूह के मुखिया होने के नाते सिसोदिया को कैबिनेट के बारे में सारी जानकारी थी। वे आबकारी नीति के बदलाव में मुख्य भूमिका में थे। ईडी के मुताबिक आबकारी नीति में फायदा पहुंचाने के बदले रिश्वत ली गई। ईडी के मुताबिक कोई भी नीति हवा में नहीं बनाई जाती है। मंत्री समूह की बैठक में लाइसेंस फीस और प्रॉफिट मार्जिन को लेकर कोई चर्चा नहीं हुई। याचिका में सिसोदिया की ओर से कहा गया है कि सिसोदिया के

खिलाफ मनी लांड्रिंग का कोई मामला ही नहीं बनता है। ईडी का पूरा केस सीबीआई के केस पर ही आधारित है। याचिका में कहा गया है कि मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 3 के तहत किसी भी तरह का अपराध सिसोदिया ने नहीं किया। कोर्ट को यह देखना होगा कि क्या धारा 3 के तहत कोई उल्लंघन किया गया है। ईडी ने इस मामले में मनीष सिसोदिया को 9 मार्च को पूछताछ के बाद तिहाड़ जेल से गिरफ्तार किया था। सिसोदिया को पहले सीबीआई ने 26 फरवरी को गिरफ्तार किया था।

उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य ने प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल का किया निरीक्षण

वाराणसी, (हि.स.)। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गुरूवार अपरान्ह दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री का स्वागत पिंडरा के विधायक डॉ अवधेश सिंह,जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्या,भाजपा जिला अध्यक्ष और एमएलसी हंसराज विश्वकर्मा,अजगरा विधायक त्रिभुवन राम, भाजपा किसान मोर्चा के शैलेश पांडेय आदि ने किया। बाबतपुर एयरपोर्ट से उपमुख्यमंत्री सीधे हरहुआ वाजिदपुर में प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल पर पहुंचे और तैयारियों का जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री ने जनसभा स्थल पर बने विशाल पंडाल और मंच पर चलकर इसका निरीक्षण किया और अफसरों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वाजिदपुर से उपमुख्यमंत्री सर्किट हाउस के लिए रवाना हो गए। उप मुख्यमंत्री सर्किट हाउस में अधिकारियों के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। बिंदुवार बैठक के बाद शाम को सर्किट हाउस में ही भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकताओं के साथ संवाद करेंगे। शाम को विभागीय निमार्णाधीन-विकासशील परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। केशव प्रसाद मौर्य रात्रि विश्राम वाराणसी में ही करेंगे, तत्पश्चात 7 जुलाई को बाबतपुर एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वागत करेंगे। उपमुख्यमंत्री प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में उनके साथ रहेंगे। रात्रि विश्राम सर्किट हाउस में करने के पश्चात 8 जुलाई को उप मुख्यमंत्री पुलिस लाइन हेलीपैड से पूर्वाहन 10:05 बजे राजकीय हेलीकॉप्टर से प्रयागराज के लिए प्रस्थान करेंगे।

आगरा के बाद प्रयागराज में शुरू होगी मेट्रो ट्रेन चलाने की प्रक्रिया

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कारपोरेशन (यूपीएमआरसी) ने आगरा जनपद में मेट्रो ट्रेन का ग्राफ तैयार करने के बाद अब प्रयागराज में मेट्रो लाइट ट्रेन चलाने का मंजूरी दे दी है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण की ओर से मेट्रो रेल कॉरपोरेशन को भेजे गये विश्लेषण रिपोर्ट पर एक अध्ययन के बाद अधिकारियों ने इस दिशा में कदम आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। इसके साथ ही प्रयागराज में मेट्रो ट्रेन चलाने की प्रक्रिया शुरू हो जायेगी। उत्तर प्रदेश मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक सुशील कुमार ने मेट्रो ट्रेन सिटी के संकल्पना को साकार करने के उद्देश्य से प्रयागराज में सम्भावानों की तलाश की। प्रयागराज में प्राधिकरण के अधिकारियों से मेट्रो ट्रेन के संचालन के लिए स्थलीय खाका मांगा गया। धार्मिक स्थलों और संगम क्षेत्र होने के कारण प्रयागराज में मेट्रो लाइट ट्रेन चलाने के लिए प्राधिकरण ने विश्लेषण किया। स्थलीय निरीक्षण कर खाका तैयार किया। जिसे मेट्रो कॉरपोरेशन के कार्यालय भेजने के बाद मंजूर कर लिया गया।

बरेली में दो रुट पर मेट्रो चलाने की तैयारी – प्रदेश के बरेली में मेट्रो ट्रेन के संचालन के लिए वर्ष की शुरूआत में मण्डलायुक्त ने बरेली विकास प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। तभी बरेली में लाइट मेट्रो परियोजना के लिए एक खाका तैयार किया गया था। जिसमें शहर से एयरपोर्ट को जोड़ने के लिए दो रुट पर मेट्रो ट्रेन चलाने की योजना तैयार की गयी। जिस पर आगे की कार्यवाही चल रही है।

पुलिस ने पॉक्सो आरोपितों के खिलाफ छह दिन में लगाई चार्जशीट

जालौन, (हि.स.)। जनपद में महिला और बालिकाओं पर अत्याचार की घटनाओं में पुलिस ने सख्त रूख अपनाया है। ऐसे ही एक मामले में पुलिस ने आरोपितों को जल्द सजा दिलाए जाने के क्रम में त्वरित कार्रवाई की है। रेढर थाना पुलिस ने एक पॉक्सो एक्ट के मामले में महज छह दिन में ही आरोपितों के खिलाफ विवेचना पूर्ण कर आरोप पत्र दाखिल किया है। संबंधित मामले में गिरफ्तार दो आरोपित जेल में हैं। रेढर थानाक्षेत्र के एक गांव में बीते दिनों किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामला प्रकाश में आया था। प्रकरण में पुलिस ने सोनू उर्फ शैलेन्द्र व राज उर्फ गुल्लू के विरूद्ध पॉक्सो एक्ट का मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपितों को तीन दिन के अंदर गिरफ्तार करके जेल भेजा था। आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट दायर करने में भी रेढर पुलिस ने तत्परता दिखाई और सिर्फ छह दिनों में न्यायालय में आरोप पत्र दाखिल कर दिया। पुलिस अधीक्षक डॉ ईरज राजा ने गुरुवार को बताया कि सरकार पॉक्सो एक्ट के मामलों में अत्यंत संवेदनशील है इसलिये पुलिस को समय समय पर निर्देशित किया जाता है कि ऐसे आरोपितों के मामले जल्द से जल्द अंजाम तक ले जाने की कोशिश की जानी चाहिये। शासन की इस मंशा पर खरा उतरते हुये रेढर पुलिस ने एक पॉक्सो एक्ट के मामले तत्परता बरती है और छह दिन में ही आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर एक मिसाल पेश की है।

पर्यावरण और उर्जा संरक्षण के तहत रांची के सेंट्रल एकेडमी स्कूल में सेमिनार

रांची, (हि.स.)। सेंट्रल एकेडमी स्कूल बरियातू में गुरुवार को मिशन लाइफ के तहत पर्यावरण और उर्जा संरक्षण के तहत सेमिनार का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सामाजिक संस्था विवेकानंद यूथ क्वेक फाउंडेशन, रिलेशंस और सामाजिक संस्था टीम ग्रीन के संयुक्त तत्वावधान में हुआ। इस अवसर पर सभी विद्यार्थियों ने 21 पौधों को स्कूल परिसर में लगाकर उनकी देखभाल करने का भी संकल्प लिया। विवेकानंद यूथ क्वेक फाउंडेशन के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि वन महोत्सव के तहत पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण करना हम सब की नैतिक जिम्मेदारी है। हम सभी को पर्यावरण और प्रकृति की रक्षा के लिए पर्यावरण और ऊर्जा संरक्षण के लिए जिम्मेवार होना पड़ेगा। तभी हम एक जिम्मेदार नागरिक बनकर देश के विकास में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर सकते हैं। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सेंट्रल एकेडमी स्कूल बरियातू के सचिव राहुल, प्राचार्य सुतपा भट्टाचार्य, गौरव अग्रवाल, टीम ग्रीन के निपुण जैन, प्रीति कुमारी, शुभम चौधरी, जी एन सहाय, निर्मला सहाय, हरेंद्र कुमार, स्कूल की शिक्षिका श्वेता, अंकिता चौरसिया, रश्मि कुमारी, अजय कुमार यादव, अजीत कुमार आदि कई उपस्थित थे।

युवाओं को रोजगार के लिए कृत संकल्पित है राज्य सरकार : चक्रपाणि

भागलपुर, (हि.स.)। श्रम संसाधन विभाग के द्वारा गुरुवार को भागलपुर के जिला स्कूल परिसर में दो दिवसीय प्रमंडल स्तरीय नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला आयोजित की गई। नियोजक आपके द्वार कार्यक्रम के तहत अवर प्रादेशिक नियोजनालय भागलपुर द्वारा दो दिवसीय नियोजन सह व्यवसायिक मार्गदर्शन मेला 2023 में निजी क्षेत्र की 36 कंपनियां ने अपनी सहभागिता दर्ज की। ये कंपनियां अलग-अलग क्षेत्रों में कुल मिलाकर 4293 रोजगार के लिए अवसर उपलब्ध कराएंगे। इस नियोजन मेले का मुख्य उद्देश्य बेरोजगार युवक-युवतियों को निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ-साथ विभिन्न सरकारी विभागों और विशेषज्ञ संस्थानों आदि के माध्यम से व्यवसायिक मार्गदर्शन कौशल उन्नयन एवं लाभकारी योजनाओं से परिचय और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना है। कार्यक्रम का उद्घाटन बाल श्रम आयोग के अध्यक्ष डॉ चक्रपाणि हिमांशु के द्वारा किया गया। संबोधन के दौरान डॉ चक्रपाणि हिमांशु के द्वारा कहा गया कि सरकार की पहली प्राथमिकता बेरोजगारों को रोजगार उपलब्ध कराना एवं सभी शिक्षित व्यक्तियों को समाज में शिक्षा के प्रति जागरूक करना है। भागलपुर के सांसद अजय मंडल ने कहा कि सरकार रोजगार के प्रति चिंतित है। सरकार युवाओं को रोजगार देने के लिए रोजगार मेला आयोजित कर रही है। कार्यक्रम के दौरान श्रम नियोजन विभाग के डायरेक्टर भरत जी राम, लेबर कमिश्नर आदित्य राज हंस एवम् लेबर सुपरिटेंडेंट विनोद प्रसाद, असिस्टेंट लेबर कमिश्नर मोहम्मद आफताब आलम एवं हजारों छात्र छात्राएं उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री योगी ने पुलिस विभाग के 1148 अभ्यर्थियों को बांटे नियुक्ति पत्र

–लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सुरेश खन्ना भी रहे मौजूद

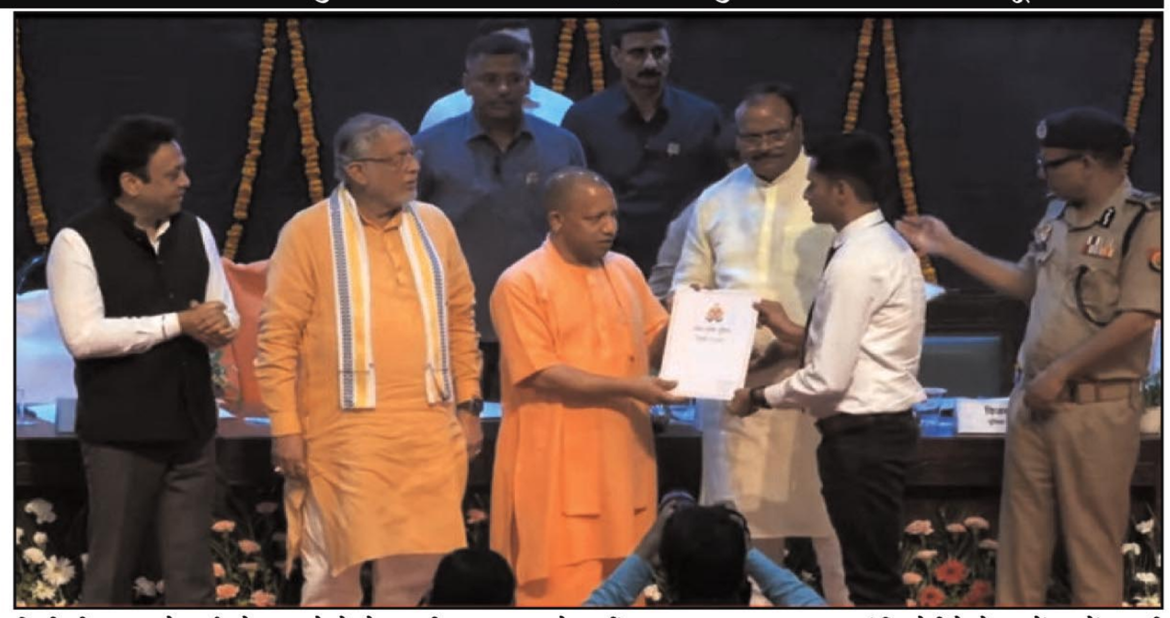

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को पुलिस विभाग के चयनित 1148 अभ्यर्थियों को नियुक्त पत्र दिये। लोकभवन में आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री ने सांकेतिक रूप से अपने हाथों 35 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया है। बाकी अभ्यर्थियों को जिलों में नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से चयनित 1148 अभ्यर्थियों में से 217 उपनिरीक्षक(गोपनीय), 587 सहायक उपनिरीक्षक(लिपिक) एवं 344 सहायक उपनिरीक्षक(लेखा) शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मेरे लिए यह अत्यंत प्रसन्नता का क्षण है कि पुलिस फोर्स हर दृष्टि से मजूत हो रही है। नवचयनित अभ्यर्थियों को और उनके परिवार को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। खुशी बात है कि लिपिकिय संवर्ग में महिलाओं की भी अच्छी संख्या है। योगी ने कहा कि पिछले नौ वर्ष में वैश्विक मंच पर भारत का जिस प्रकार से सम्मान बढ़ा है, वैसे ही छह वर्षों में उप्र की स्थिति में बदलाव हुआ है। उप्र को लोग समस्या के रूप में देखने लगे थे। देश की आवादी का पांचवां हिस्सा उप्र को आगे बढ़ाने की चुनौतियां हम सबके सामने थीं। शौचालय निर्माण से लेकर अन्य परियोजनाओं में देरी को लेकर सपा की पूर्ववर्ती सरकार पर हमला बोले और अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि आज उप्र की स्थिति है कि केन्द्र की ज्यादातर योजनाओं में नंबर एक है। हम लोगों ने तय किया कि आवागमन के लिए सड़कें होनी चाहिए। पहले किसी भी समुदाय के पर्व त्योहार आते थे तो भय का माहौल रहता था। आज हंसी खुशी के साथ पर्व मनाए जा रहे हैं। पश्चिम उप्र में लोग बेटियों को स्कूल, कॉलेज भेजने से डरते थे। कानून व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए पुलिस बल में भर्ती ही नहीं की गयी बल्कि तकनीकी रूप से भी मजबूत किया गया। पिछले 70 वर्षों में उप्र पुलिस में महिलाओं को जितना स्थान नहीं मिला, उससे कई गुना ज्यादा पिछले छह वर्षों में भर्तियां की गयीं। भर्तियों में कोई भाई भतीजावाद का आरोप नहीं लगा सकता। आरक्षण की प्रक्रिया ठीक से अपनाई गयी है। इस भर्ती में भी कोई बलिया से है तो कोई बिजनौर से, कोई लखीमपुर से, मतलब उप्र के हर जनपद के युवाओं को बराबर का मौका मिल रहा है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज उप्र की कानून व्यवस्था चर्चा का विषय है। देश के किसी भी राज्य में उप्र की कानून व्यवस्था सबसे बेहतर है। भ्रष्टाचार मुक्त भर्ती हो रही है। मैं दावा कर सकता हूं कि योगी के नेतृत्व में उप्र में एक भी नियुक्ति प्रक्रिया पर कोई भ्रष्टाचार का आरोप नहीं लगा सकता। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने भी प्रदेश की कानून व्यवस्था की सराहना की। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना, पुलिय महानिदेशक विजय कुमार, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद मौजूद रहे, एडीजी कानून व्यवस्था प्रशांत कुमार समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चार दिनों तक बन्द रहेगा लखनऊ-गोरखपुर हाइवे

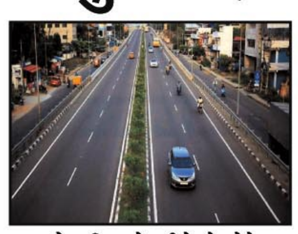

बस्ती, (हि.स.)। जनपद में सावन के महीने में लाखों शिव भक्त अयोध्या से जल भर बाबा भदेश्वर नाथ के लिए कांवड़ उठाते हैं। कांवड़ियों के भीड़ को देखते हुए गोरखपुर-लखनऊ नेशनल हाईवे एनएच 28 को 12 जुलाई को अपराह्न चार बजे बंद किया जाएगा। 16 जुलाई को सुबह यह फिर से खुलेगा। गोरखपुर से लखनऊ जाने के लिए आपको खलीलाबाद से टर्न लेकर मेहदावल रोड होते हुए बांसी, डुमरियागंज, उतरौला होते हुए लखनऊ जा सकते हैं। वहीं लखनऊ से बस्ती, गोरखपुर आने के लिए आपको बाराबंकी से कटकर जरवल रोड होते हुए करनैलगंज, गोण्डा, उतरौला, डुमरियागंज होते हुए आप अपने स्थान पर जा सकेंगे। अयोध्या से बस्ती और गोरखपुर जाने के लिए आपको अयोध्या से कटरा, लकड़मंडी, नवाबगंज, गोण्डा, डुमरियागंज के रास्ते आना होगा। बस्ती से लखनऊ जाने के लिए बड़े वन ओवरब्रिज के नीचे से होते हुए मनौरी ब्रिज से बाएं कटकर डुमरियागंज के रास्ते लखनऊ जा सकते हैं। साथ ही अंबेडकर नगर से बस्ती आने के लिए टांडा होते हुए कलवारी चौराहे से गायघाट, कुदरहा, लालगंज होते हुए बस्ती और संतकबीरनगर जा सकते हैं। बस्ती के पुलिस कप्तान गोपाल कृष्ण चौधरी ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत नेशनल हाईवे को चार दिनों के लिए बंद किया गया है। साथ ही आवश्कतानुसार छोटे वाहन और एंबुलेंस आदि के लिए हाईवे के दक्षिणी लेन को खाली रखा जाएगा। बाकी अन्य वाहनों के लिए रूट को डायवर्ट किया गया है।

प्रत्येक व्यक्ति ले स्वच्छता का संकल्प, लोगों को भी करें जागरूक : सुरेश खन्ना

– एके शर्मा ने कहा, स्वच्छताग्राही बनें, अपनी जिम्मेदारी समझें

लखनऊ, (हि.स.)। हम सभी को स्वच्छता के लिए कृत संकल्पित होना होगा। आज श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्मजयंती है। उन्होंने राष्ट्र के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। ऐसे अवसर पर हम सभी स्वच्छता का संकल्प लें और खुद सफाई में सहयोग करते हुए आस-पास के लोगों को भी जागरूक करें। ये बातें उप्र सरकार के वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने कही। वे लोहिया पथ पर आयोजित स्वच्छता रैली के शुभारंभ अवसर पर बोल रहे थे। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने कहा कि आज हमारे मार्गदर्शक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती है। ऐसे अवसर पर हमें स्वच्छताग्रही बनने की जरूरत है। हम स्वयं समय से सफाई करें। इसके साथ ही अपने आस-पास के लोगों को इसके प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि सफाई आवश्यक है लेकिन मुझे नहीं करना है इस माहौल को बदलने की जरूरत है। हमें सीखना है कि हमारे आस-पास का वातावरण स्वच्छ चाहिए तो हमारी जिम्मेदारी है कि हम स्वयं अपना प्रबंधन करें। इसके साथ ही अगल-बगल वालों को भी टोंके और उन्हें भी प्रेरित करें। हम सबके पथ प्रदर्शक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जन्म जयंती है। इस कारण हमें संकल्प लेना जरूरी है। लखनऊ में बीच में कुछ चुनौतियां थीं, कई जगह हमें अपने हाथ में काम लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वच्छता संदेश को घर-घर पहुंचाएं। ए.के. शर्मा ने कहा कि इस समय केंद्र सरकार स्वच्छता सर्वे करा रही है। यदि आपने साल भर पढ़ाई की लेकिन परीक्षा के समय पढ़ाई नहीं की तो आपके अच्छे अंक नहीं आते हैं। इस कारण वर्तमान में आपको स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है, जिससे हम सर्वे में कम अंक न पायें और अव्वल बनकर देश के सामने उभरें। नगर विकास मंत्री ने कहा कि चार-चार बजे सुबह सफाई कर्मी फिल्ड में निकलते हैं। ऐसे में हमारी भी जिम्मेदारी बनती है कि उससे पहले हमारे घर का कूड़ा बाहर निकल जाए। आप स्वयं स्वच्छता का संकल्प लें और आस-पास के लोगों को जागृति करें। सार्वजनिक शौचालयों को स्वच्छ बनाने में भी अपना योगदान दें। सार्वजनिक जगहों पर यदि हम गंदगी करते हैं तो हमारे लोगों को ही उसे झेलना पड़ता है। इस अवसर पर महापौर सुषमा खर्कवाल ने भी नगर को स्वच्छ बनाने का आग्रह किया।

सिर्फ वर्दी पहनकर ही देश सेवा नहीं की जाती : मनोज कुमार

रांची, (हि. स.)। सीआरपीएफ के सेकंड इन कमांड मनोज कुमार ने कहा कि सिर्फ वर्दी पहनकर ही देश की सेवा नहीं की जाती है, बल्कि अनुशासित, ईमानदार और कर्तव्यनिष्ठ होकर भी देश की सेवा की जा सकती है। कैंब्रियन पब्लिक स्कूल, कांके रोड में स्टूडेंट काउंसिल में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि सशक्त और अनुशासित युवा ही देश को नई दिशा दे सकते हैं। प्राचार्य डॉ. नीता पांडेय ने कुमार को पुष्पगुच्छ और स्मृति चिन्ह देकर मनोज कुमार को सम्मानित किया। स्टूडेंट काउंसिल विद्यालय के सुचारू संचालन का एक अभिन्न हिस्सा होता है। इसके माध्यम से बच्चों में नेतृत्व क्षमता और कर्तव्यनिष्ठा विकसित होती है। पहले सत्र 2023-24 के लिए चयनित स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों को शपथ दिलाई गई एवं कार्यभार सौंपा गया। शौर्य प्रखर और वर्षा सोनी को सीनियर विंग, अरहम हिलाल और आराध्या कश्यप को जूनियर सेक्शन का हेड ब्वॉय एवं हेड गर्ल चुना गया। अंकिता गिरि और विभु वैभव को कल्चरल, भूमिका दत्ता और चिराग आशीष को कोयर ग्रुप तथा अनुष्ठा सिंह और आकाश सोनी को स्पोर्ट्स कैप्टन चुना गया। गंगा, यमुना सतलज और गोदावरी हाउस के सीनियर तथा जूनियर विंग के कप्तानों को कार्यभार सौंपा गया। कार्यक्रमों का संयोजन चीफ कॉर्डिनेटर आशा राज और संचालन कॉर्डिनेटर विनीता वर्मा ने किया। मौके पर सभी हाउस के इंचार्ज, खेल प्रशिक्षक और काफी संख्या में शिक्षक उपस्थित थे।

देवघर बाबा मंदिर में 17 जुलाई से दिखेगा बिल्व पत्र प्रदर्शनी

देवघर, (हि.स.)। देवघर बाबा मंदिर में चली आ रही पौराणिक परंपरा के अनुसार बेलपत्र प्रदर्शनी और बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा है। यह परंपरा 150 से अधिक वर्षों से चली आ रही है। बांग्ला श्रावण 17 जुलाई सोमवार कर्क संक्रांति से सभी दलों द्वारा बाबा भोलेनाथ पर बिल्वपत्र अर्पित किया जायेगा, जो 17, 24 और 31 जुलाई, सात और 14 अगस्त को सोमवार को बिल्व पत्र चढ़ा कर प्रदर्शित की जायेगी। 17 जुलाई और 17 अगस्त को संक्रांति को विभिन्न समाज की ओर से आकर्षक प्रदर्शनी लगायी जायेगी।इसमें काली मंदिर में जनरेल समाज व देवकृपा वन सम्राट बेलपत्र समाज, तारा मंदिर में बरनेल समाज, लक्ष्मी नारायण मंदिर में मसानी दल एक व मसानी दल दो एवं शांति अखाड़ा समाज, राम मंदिर में राजाराम बेलपत्र समाज, आनंद भैरव मंदिर में पंडित मनोकामना राधे श्याम बेलपत्र समाज के दो दलों द्वारा आकर्षक एवं बाबा की त्रिनेत्र के समान अनोखे पहाड़ी बिल पत्र की प्रदर्शनी लगायी जाती है। सभी दलों के सदस्यों द्वारा शाम लगभग पांच बजे अपने बिल्व पत्र को चांदी के बर्तनों में सजाकर शहर भ्रमण को निकलते हैं। इसके बाद वह अपने बिल्व पत्र के साथ अपनी गद्दी पर जाकर प्रदर्शित करते हैं। राज्य सरकार के पर्यटन विभाग की ओर से शिवगंगा में लेजर लाइट शो के माध्यम से बाबा मंदिर का इतिहास और आसपास के पर्यटन स्थलों की जानकारी दी जायेगी। इसके लिए शिवगंगा की सफाई व विद्युत व्यवस्था के साथ प्रोजेक्टर लगाने का काम चल रहा है। इस वाटर प्रोजेक्टर को शिवगंगा में लगाने के लिए दिल्ली से टीम आयी है। टीम के एक सदस्य ने बताया कि इस वाटर प्रोजेक्टर को शिवगंगा के बीच में लगाया जायेगा और उसमें शिवगंगा, बाबा मंदिर सहित 22 मंदिरों, शिवलिंग की स्थापना व आसपास के पर्यटन क्षेत्रों के इतिहास को लेजर लाइट के माध्यम से दिखाया जायेगा।

मोतिहारी सेंट्रल जेल के कैदी ने इलाज के दौरान अस्पताल मे फांसी लगाकर की आत्महत्या

पूर्वी चंपारण, (हि.स.)। मोतिहारी सेन्ट्रल जेल के एक कैदी ने गुरुवार की सुबह सदर अस्पताल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है,उक्त कैदी कल से मोतिहारी सदर अस्पताल में इलाजरत था। इसी दौरान उसने कैदी वार्ड में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। मृतक कैदी गोपालगंज के कुचायकोट थाना के रामपुर गनव गांव का निवासी एहसान अली बताया जाता है। जो हत्या के मामले में आजीवन कारावास की सजा भुगत रहा था। जिसकी बुधवार की शाम तबीयत खराब होने के बाद जेल प्रशासन ने उसे सदर अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां उसने कैदी वार्ड के शौचालय के ग्रिल में अपने गमछे को फांसी का फंदा बनाकर झूलकर आत्महत्या कर लिया। कैदी के आत्महत्या की सूचना पर एएसपी राज और एसडीएम श्रेष्ठ अनुपम ने मामले की जांच प्रारंभ कर दिया है। इस बाबत सदर अस्पताल के प्रबंधक कौशल कुमार दूबे ने बताया कि कल शाम में एहसान अली नामक कैदी को सेंट्रल जेल से सदर अस्पताल भर्ती कराया गया था। जो मानसिक रूप से परेशान था। सदर अस्पताल के कैदी वार्ड के शौचालय में उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया है।वही इस मामले में सिविल सर्जन अंजनी कुमार ने बताया कि मुजफ्फरपुर से एफएसएल की टीम को बुलाया गया है। टीम के जांच करने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।जिसके बाद उसकी मौत की सही जानकारी मिल सकेगी।

शिक्षा मंत्री और केके पाठक को मुख्यमंत्री ने बुलाया, विवाद को सुलझाने की कवायद

लालू यादव ने भी दिल्ली जाने से पूर्व शिक्षा मंत्री से की बात

पटना, (हि.स.)। बिहार में शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर और विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक के बीच उठा विवाद थमता नहीं देख आखिरकार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को इनके बीच आना ही पड़ा। शिक्षा मंत्री चंद्रशेखर और केके पाठक को मुख्यमंत्री ने गुरुवार को आवास पर बुलाया। तीनों के बीच लगभग आधे घंटे बात हुई। लालू यादव ने भी दिल्ली जाने से पहले शिक्षा मंत्री प्रो. चंद्रशेखर को आवास पर बुलाकर बात की थी। प्रो. चंद्रशेखर राजद पार्टी के हैं। मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद शिक्षा मंत्री ने मीडिया के सवाल पर कहा कि विवाद कुछ नहीं है। आप लोग चैनल के माध्यम से जो दिखा रहे हैं मैं उसी से वाकिफ हुआ हूं। साथ ही सवाल किया कि संविधान में कौन बड़ा है, सचिव या मंत्री? उन्होंने कहा कि हम चीजों को देख रहे हैं, समझ रहे हैं उसके बाद बोलेंगे। **ये है पूरा मामला** – शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक को शिक्षा मंत्री के आप्त सचिव डॉ कृष्णा नंद यादव ने पत्र लिखा था। पत्र में शिक्षा मंत्री की ओर से केके पाठक सहित विभाग के निर्देशक स्तर के कुछ अधिकारियों की कार्यशैली पर आपत्ति जतायी गयी थी। पत्र में कहा गया था कि यह सुनिश्चित किया जाये कि लोक सेवक अपनी छवि को चमकाने, राबिनहुड की छवि बनाने के लिए विभाग के संसाधनों और सरकार का सहारा न ले सके। इसके बाद यह पत्र वायरल हो गया। केके पाठक ने शिक्षा मंत्री के आप्त सचिव की विभाग में एंट्री पर रोक लगा दी। सवाल उठने लगे कि आखिर मंत्री को ऐसे पत्र लिखने की क्या जरूरत पड़ी।

संपादकीय

‘आतंकवाद’ एक बयान भर

आतंकवाद का मुद्दा विभिन्न अंतरराष्ट्रीय मंचों से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक असंख्य बार उठाया जा चुका है, लेकिन आज तक किसी बड़े देश के कानों पर जूं तक नहीं रेंगी। बेशक आतंकवाद क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सबसे अहम मानवीय खतरा है, लेकिन अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया सरीखे देशों में यह ‘खालिस्तान’ के रूप में और पाकिस्तान, अफगानिस्तान, इराक, ईरान में ‘जेहाद’ के तौर पर आतंकवाद मौजूद है। चीन में भी आतंकवाद है, लेकिन वहां का कम्युनिस्ट शासन उसे प्रताड़ित कर और दबा कर रखता है। यह विडंबना है कि कोई भी देश आतंकवाद को स्वीकार नहीं करता। अजीब अभिव्यक्ति की आजादी का अधिकार है कि आतंकी खालिस्तानी पश्चिमी देशों में भारत के वाणिज्य दूतावासों में आगजनी कर सकते हैं। भारत के खिलाफ ‘पोस्टरबाजी’ कर मारने की धमकियां दे सकते हैं। कहने को ये हमारे ‘परममित्र’ देश हैं और रणनीतिक साझेदार भी हैं। ये देश या तो खालिस्तानी हरकतों को काबू नहीं कर सकते अथवा करना नहीं चाहते। भारत के प्रधानमंत्री मोदी को ‘शंघाई सहयोग संगठन’ (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में एक बार फिर आतंकवाद का मुद्दा उठाना पड़ा। हमें यह मुद्दा महज औपचारिकता और बयान भर लगता है। भारतीय प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना ही यह मुद्दा उठाया। उन्होंने वर्चुअल संवाद के जरिए, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में, आतंकवाद का उल्लेख करते हुए यहां तक कहा कि कुछ देश सीमापार आतंकवाद फैलाने में जुटे हैं। आतंकवाद को वे सरकारी नीति के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। हम ऐसे देशों के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ेंगे। न जाने कितने देश, कितनी बार, निर्णायक जंग की बात कह चुके हैं, लेकिन आतंकवाद अब भी जारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें एक समूह के तौर पर साथ मिलकर सोचने और लडऩे की जरूरत है। एससीओ देशों को ऐसे देशों की आलोचना और मुखालफत करनी चाहिए, जो सीमापार आतंकवाद को पोषित करते हैं। उन्हें पनाह देते हैं। आतंकवाद के संदर्भ में ‘दोगला रवैया’ नहीं अपनाना चाहिए। यहां गौरतलब है कि मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के ‘मास्टर माइंड’ आतंकी साजिद मीर को ‘ग्लोबल टेररिस्ट’ घोषित करने के लिए अमरीका और भारत ने सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव रखे थे, लेकिन चीन ने ‘वीटो पॉवर’ का दुरुपयोग कर आतंकी और पाकिस्तान की हिफाजत की। भारतीय प्रधानमंत्री ने परोक्ष रूप से चीन को चेताया कि ऐसी कूटनीति नहीं होनी चाहिए। चूंकि आतंकवाद वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए बड़ा खतरा है, लिहाजा प्रधानमंत्री मोदी ने आग्रह किया कि इसके खिलाफ एससीओ के सभी सदस्य-देशों को एकजुट होकर निर्णायक जंग लडऩी चाहिए। एससीओ के इस शिखर-सम्मेलन की अध्यक्षता भारत कर रहा था। अब कजाखस्तान को अध्यक्षता सौंपी गई है। सम्मेलन में तय हुआ कि सभी 9 सदस्य-देश अपने यहां सक्रिय आतंकी संगठनों की साझा सूची बनाएंगे। क्या इसमें भी ईमानदारी की अपेक्षा की जा सकती है? पाकिस्तान में सक्रिय रहे और आतंकवाद के लिए उसकी सरजमीं का इस्तेमाल करते रहे लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन, तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान, अल बद्र, अलकायदा आदि आतंकी संगठनों में अधिकतर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्तर पर प्रतिबंधित हैं। क्या पाकिस्तान साझा सूची में उनके नाम शामिल करेगा? बैठक में अफगानिस्तान पर भी चर्चा की गई। वहां तो तालिबान के आतंकियों की हुकूमत है और लोकतंत्र की कोई गुंजाइश नहीं है। अफगानिस्तान फिलहाल एससीओ का ‘पर्यवेक्षक सदस्य’ है, लेकिन वह संपूर्ण सदस्यता का इच्छुक है। ऐसे देशों में से सिर्फ ईरान को सदस्यता दी गई है। एससीओ देशों में विश्व की करीब 42 फीसदी आबादी बसी है और करीब 25 फीसदी जीडीपी है। पश्चिमी देश इसे ‘अधिनायकवादी देशों का मंच’ करार देते हैं। भारत एक सक्रिय और महत्त्वपूर्ण सदस्य देश है, तो ऐसा समूह ‘अधिनायकवादी’ कैसे हो सकता है? एससीओ पश्चिमी देशों के लिए आर्थिक चुनौती जरूर है, लेकिन ऐसे समूह को आतंकवाद के मुद्दे पर सार्थक भूमिका निभानी चाहिए।

भारत के प्रधानमंत्री मोदी को ‘शंघाई सहयोग संगठन’ (एससीओ) के शिखर सम्मेलन में एक बार फिर आतंकवाद का मुद्दा उठाना पड़ा। हमें यह मुद्दा महज औपचारिकता और बयान भर लगता है। भारतीय प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान और चीन का नाम लिए बिना ही यह मुद्दा उठाया। उन्होंने वर्चुअल संवाद के जरिए, चीन के राष्ट्र पति शी जिनपिंग और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की मौजूदगी में, आतंकवाद का उल्लेख करते हुए यहां तक कहा कि कुछ देश सीमापार आतंकवाद फैलाने में जुटे हैं। आतंकवाद को वे सरकारी नीति के तौर पर इस्तेमाल करते रहे हैं। हम ऐसे देशों के खिलाफ निर्णायक जंग लड़ेंगे। न जाने कितने देश, कितनी बार, निर्णायक जंग की बात कह चुके हैं, लेकिन आतंकवाद अब भी जारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमें एक समूह के तौर पर साथ मिलकर सोचने और लडऩे की जरूरत है। एससीओ देशों को ऐसे देशों की आलोचना और मुखालफत करनी चाहिए, जो सीमापार आतंकवाद को पोषित करते हैं। उन्हें पनाह देते हैं। आतंकवाद के संदर्भ में ‘दोगला रवैया’ नहीं अपनाना चाहिए। यहां गौरतलब है कि मुंबई के 26/11 आतंकी हमले के ‘मास्टर माइंड’ आतंकी साजिद मीर को ‘ग्लोबल टेररिस्ट’ घोषित करने के लिए अमरीका और भारत ने सुरक्षा परिषद में प्रस्ताव रखे थे, लेकिन चीन ने ‘वीटो पॉवर’ का दुरुपयोग कर आतंकी और पाकिस्तान की हिफाजत की। भारतीय प्रधानमंत्री ने परोक्ष रूप से चीन को चेताया कि ऐसी कूटनीति नहीं होनी चाहिए।

अजित पवार अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से बगावत कर डिप्टी सीएम बन गए हैं

झटका सिर्फ एनसीपी को नहीं बल्कि समूची विपक्षी एकता को लगा है

ललित गर्ग

राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले शरद पवार की पार्टी का यह हश्र आश्चर्यकारी ही नहीं, बल्कि एक बड़ा विरोधाभास एवं विपक्षी एकता का संकट भी है। एक तरफ इस तरह के घटनाक्रम को राजनीतिक दलों में आंतरिक असंतोष व गुटबाजी से जोड़ा जा सकता है तो दूसरी तरफ सत्ता के उस स्वाद की आकांक्षा से भी, जिसे हर कोई पाना चाहता है। राजनीतिक दलों में बगावत का ऐसा दौर जब भी होता है इस बात को जोर-शोर से प्रचारित किया जाता है कि उनके दल में लोकतंत्र नहीं रहा इसलिए वे अपने विरोधियों से हाथ मिला रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि इस तरह राजनीतिक दलों से लोकतंत्र गायब होता रहा है, तो ऐसे अलोकतांत्रिक दल कैसे देश के लोकतंत्र को हांक सकेंगे? आजकल राजनीति में उल्टी गिनती एक 'सूचक' बन गई है, "किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक उठापटक या घटनाक्रम की शुरुआत के लिए"।

वर्ष 2024 के चुनाव से पूर्व भारतीय राजनीति के अनेक गुणा-भाग और जोड़-तोड़ भरे दृश्य उभरेंगे। महाराष्ट्र में ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को देखते हुए तो ऐसा ही लगता है। वहां जो हुआ है उससे विपक्ष में खलबली है, घबराहट एवं बेचैनी स्पष्ट देखी जा सकती है, जो पटकथा महाराष्ट्र में लिखी गयी है, वही बिहार में भी लिखी जा सकती है। राजनीतिक दलों के भ्रष्टाचार को दबाने के लिये, सत्ताकांक्षा एवं आंतरिक असंतोष के चलते ऐसे समझौते, दलबदल एवं उल्टी गिनतियां अब आम बात हो गयी हैं। कल तक सत्ता पक्ष को कोसने वाले अजित पवार अपनी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) से बगावत कर डिप्टी सीएम बन गए हैं। राजनीति के चाणक्य माने जाने वाले शरद पवार की पार्टी का यह हश्र आश्चर्यकारी ही नहीं, बल्कि एक बड़ा विरोधाभास एवं विपक्षी एकता का संकट भी है। एक तरफ इस तरह के घटनाक्रम को राजनीतिक दलों में आंतरिक असंतोष व गुटबाजी से जोड़ा जा सकता है तो दूसरी तरफ सत्ता के उस स्वाद की आकांक्षा से भी, जिसे हर कोई पाना चाहता है। राजनीतिक दलों में बगावत का ऐसा दौर जब भी होता है इस बात को जोर-शोर से प्रचारित किया जाता है कि उनके दल में लोकतंत्र नहीं रहा इसलिए वे अपने विरोधियों से हाथ मिला रहे हैं। बड़ा प्रश्न है कि इस तरह राजनीतिक दलों से लोकतंत्र गायब होता रहा है, तो ऐसे अलोकतांत्रिक दल कैसे देश के लोकतंत्र को हांक सकेंगे? आजकल राजनीति में उल्टी गिनती एक 'सूचक' बन गई है, "किसी महत्वपूर्ण राजनीतिक उठापटक या घटनाक्रम की शुरुआत के लिए"। विभिन्न राजनीतिक दलों में ऐसी कई उल्टी गिनतियां चल रही हैं। कई कद्दावर नेताओं के सार्वजनिक/भावी जीवन की उल्टी गिनतियां चल रही हैं। करोड़ों-अरबों के घोटाले और रोज कोई न कोई उसमें और पलीता लगाने वालों के नाम जुड़ रहे हैं। इन पर ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स की कार्रवाई की गिनती शुरू हो रखी है। किसी की भी हालत ठीक नहीं है। ये उल्टी गिनतियां परिचायक हैं कोई नया पर्दा उठने की, किसी नए विस्फोट की। भ्रष्टाचार के आरोपों से घिरे नेताओं की कई उल्टी गिनतियां हुईं, फलस्वरूप कई सरकारें गिरीं/बनीं/पर टिकी नहीं। अबकी बार कितनी दूर जाएगी-यह गिनती, पूरी होने पर ही मालूम होगा। पर कांप अभी से कई नेता रहे हैं। इसीलिये ऐसे बेमेल गठबंधन एवं उठापटक देखने को मिल रही है, आम चुनाव आने तक ऐसे तरह-तरह के परिदृश्य उभरेंगे। ऐसे में देखना होगा कि जांच एजेंसियां इन

नेताओं के कथित भ्रष्टाचार के मामलों में आगे क्या करती हैं। बहरहाल, दलबदल भले ही महाराष्ट्र में हुआ हो, इसकी सबसे बड़ी चोट राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी एकता पर पड़ी है। शरद पवार विपक्ष के सबसे कद्दावर नेताओं में हैं और विपक्षी एकता के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में उनके पैरों के नीचे से उनकी लगभग पूरी पार्टी को खींच कर भाजपा ने यह संदेश दिया है कि विपक्षी नेता जो भी दावे करें, उनकी पार्टी ही उनके काबू में नहीं है। यह बहुत बड़ा संदेश है, जिसका जवाब तलाशना भी विपक्षी दलों के लिए जरूरी है। भाजपा एक सक्षम एवं ताकतवर पार्टी है, नरेन्द्र मोदी एवं अमित शाह करिश्माई राजनेता हैं, अनेकानेक विशेषताओं वाले इन दोनों नेताओं की एक बड़ी विशेषता यह है कि ये अपने साथ दगा करने, धोखा देने या विश्वासघात करने वालों को कभी माफ नहीं करते। मौका आने पर ये ऐसे लोगों को सबक जरूर सिखाते हैं, महाराष्ट्र में सियासी उठापटक ऐसा ही सबक है। चुनाव पूर्व गठबंधन को नकारते हुए 2019 में शिवसेना ने अपने सहयोगी दल भाजपा से संबंध तोड़ जिस तरह सरकार बनाई और उसके जवाब में बाद में भाजपा ने जो दांव खेला, वह किसी से छिपा नहीं नहीं है। विधानसभा चुनाव के दौरान तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष रहे अमित शाह को चुनाव परिणाम बाद उद्धव ठाकरे ने धोखा दे दिया था। इसी कारण एकनाथ शिंदे शिवसेना से बगावत कर सीएम बनने में कामयाब हुए। दरअसल महाराष्ट्र में राकांपा के साथ जो कुछ भी हुआ उसका एक बड़ा कारण यह भी है कि शरद पवार ने चुनाव परिणाम के बाद भाजपा के साथ सरकार बनाने को राजी होकर भी तीन-चार दिनों में ही पलटी मार ली थी। इस तरह से शरद पवार ने भी अमित शाह को धोखा दिया था। एक चीज साफ नजर आती है कि भाजपा को धोखा देने वाले नेता अथवा पार्टी को अमित शाह राजनीतिक रूप से माफ नहीं करते। अमित शाह उस नेता या पार्टी को राजनीतिक सबक सिखाने के लिए बस सही समय का इंतजार करते हैं। ताजा घटनाक्रम के लिए विपक्षी दल भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं, भाजपा इसे राकांपा का अंदरूनी मामला बता रही है तो एनसीपी के बागी नेता किसी दबाव से इंकार करते हुए विकास के लिए शिंदे सरकार का साथ देने की बात कह रहे हैं। राजनीतिक जोड़-तोड़ के माहिर खिलाड़ी रहे राकांपा प्रमुख शरद पवार के लिए यह निश्चित ही बड़ी राजनीतिक मात साबित हुई है। ऐसे वक्त में जब समूची भारतीय राजनीति में पवार खुद विपक्षी एकता के प्रयासों में जुटे थे, उनकी ही पार्टी में यह विभाजन महाराष्ट्र की नई राजनीतिक इबारत लिखने वाला होगा, इसमें कोई संशय नहीं है। लेकिन अहम सवाल यही उठता है कि देश की राजनीति आखिर सत्ता की खातिर ऐसे रास्ते पर क्यों चलने लगी है? पृथक चुनाव चिह्न पर जीत कर आने वाले आसानी से विरोधियों से हाथ क्यों मिलाने लगे हैं? देखा जाए तो धन बल के सहारे सत्ता पाना और सत्ता के सहारे धनबल हासिल करना आज की राजनीति की विकृति एवं विसंगति बन गया है। महाराष्ट्र में राकांपा के अंदर मची उठापटक के बाद उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में जनता दल युनाइटेड और झारखंड में झारखंड मुक्ति मोर्चा को पार्टी में टूट का खतरा सताने लगा है। ऐसा ही डर कुछ और छोटी पार्टियों को भी है। लेकिन सबसे ज्यादा घबराहट जनता दल युनाइटेड खेमे में देखी जा रही है। जनता दल युनाइटेड की यह घबराहट स्वाभाविक भी है क्योंकि उसने भाजपा को जो धोखा दिया था उसका जवाब अब तक भाजपा ने नहीं दिया है। इन विपक्षी दलों की यह घबराहट सत्ता-लोलुपता की प्रवृत्ति के साथ किये गये भ्रष्टाचार के कारण है। शायद यही वजह है कि विपक्षी पार्टियों की बेंगलुरु में प्रस्तावित बैठक टलने की चर्चा भी शुरू हो गयी, लेकिन कांग्रेस ने यह स्पष्ट कर दिया कि बैठक बेंगलुरु में ही 17 और 18 जुलाई को ही होगी। कांग्रेस नेताओं ने यह बताना भी जरूरी समझा कि महाराष्ट्र में हुई घटनाओं का विपक्षी दलों के एकता के प्रयासों पर कोई असर नहीं पड़ने वाला। मगर पार्टी में सेंध लगने के बाद इन दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपने राजनीतिक धरातल को बनाए रखने की है। सवाल यह खड़ा हुआ है कि क्या नेताओं के साथ-साथ पार्टी का वोट आधार भी दूसरे खेमे में चला गया है। विपक्षी दलों की एकता से पहले ही उनके बिखरने की घटनाएं आश्चर्यकारी होने के साथ ही राजनीतिक दलों के कमजोर मनोबल की परिचायक हैं।

साहित्यिक तीर्थ का दर्जा प्राप्त है गुलेर को

प्राकृतिक हसीन नजारों से सराबोर अपने में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत समेटे गांव गुलेर जाने का सुखद संयोग बन गया। चंद्रधर शर्मा गुलेरी का जन्म 7 जुलाई, 1883 तथा मात्र 39 वर्ष की आयु में 12 सितम्बर, 1922 को निधन हो गया। 1995 में उनकी लिखी शाहकार रचना, ‘उसने कहा था’ प्रसिद्ध पत्रिका ‘सरस्वती’ में प्रकाशित होते ही चर्चा का विषय बन गई। यह कहानी देश-विदेश के विद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल है तथा इस पर अनेकों शोध कार्य हो चुके हैं। 1405 में तत्कालीन राजा हरिचंद ने गुलेर रियासत की नींव रखी थी तथा हरिपुर को इसकी राजधानी बनाया था। यहां की संस्कृति विशेषकर चित्रकला ने 17-18वीं सदी में कांगड़ा चित्रकला के रूप में विश्वख्याति अर्जित की। इस ऐतिहासिक गांव को विरासती गांव का दर्जा प्राप्त हो चुका है। गुलेर गांव आज राजा हरि चंद तथा ‘उसने कहा था’ के लेखक चंद्रधर शर्मा के कारण विश्व प्रसिद्ध है। गुलेर गांव, पठानकोट से वाया जोगेन्द्रनगर नैरोगेज रेलवे लाईन से जुड़ा हुआ है।

लगभग 108 वर्ष पूर्व प्रथम विश्वयुद्ध के तुरंत बाद 1915 में पंजाब के गांव गुलेर वासी (अब हिमाचल प्रदेश) चंद्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा लिखी विश्व प्रसिद्ध हिन्दी की श्रेष्ठ कहानी ‘उसने कहा था’ जिस पर 1960 में हिन्दी फिल्म का निर्माण भी हो चुका है, जिसमें मोनी भट्टाचार्य के निर्देशन में सुनील दत्त तथा नंदा सरीखे फिल्मी सितारों ने अदाकारी की थी, करीब 50 वर्ष पूर्व इस विलक्षण प्रेमकथा को पढने के उपरान्त मेरे मन में गुलेर गांव जाकर नतमस्तक होने की तीव्र उत्कंठा पैदा हुई थी जिस गांव के सपूत ने कालजयी कहानी का सृजन किया था। गुलेर गांव हिमाचल प्रदेश के जिला कांगड़ा में स्थित है। अपने गांव गुलेर से गुलेरी उपनाम को जोड़ा तो गुलेरी शब्द समस्त दुनिया में मान-सम्मान का प्रतीक बन गया। यह कहानी अमृतसर की तंग गलियों तथा व्यस्त बाजार में तांगा चलाने वाले के पंजाबी में बोले गये संवादों से आरम्भ होती है। गांव गुलेर भ्रमण की मेरी चिरकालिक इच्छा हिमाचल के प्रसिद्ध लेखक राजेन्द्र राजन के सौजन्य से पूरी हो सकी। प्राकृतिक हसीन नजारों से सराबोर अपने में ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत समेटे गांव गुलेर जाने का सुखद संयोग बन गया। चंद्रधर शर्मा गुलेरी का जन्म 7 जुलाई, 1883 तथा मात्र 39 वर्ष की आयु में 12 सितम्बर, 1922 को निधन हो गया। 1995 में उनकी लिखी शाहकार रचना, ‘उसने कहा था’ प्रसिद्ध पत्रिका ‘सरस्वती’ में प्रकाशित होते ही चर्चा का विषय बन गई। यह कहानी देश-विदेश के विद्यालयों तथा विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में शामिल है तथा इस पर अनेकों शोध कार्य हो चुके हैं। 1405 में तत्कालीन राजा हरिचंद ने गुलेर रियासत की नींव रखी थी तथा हरिपुर को इसकी राजधानी बनाया था। यहां की संस्कृति विशेषकर चित्रकला ने 17-18वीं सदी में कांगड़ा चित्रकला के रूप में विश्वख्याति अर्जित की। इस ऐतिहासिक गांव को विरासती गांव का दर्जा प्राप्त हो चुका है। गुलेर गांव आज राजा हरि चंद तथा ‘उसने कहा था’ के लेखक चंद्रधर शर्मा के कारण विश्व प्रसिद्ध है। गुलेर गांव, पठानकोट से वाया जोगेन्द्रनगर नैरोगेज रेलवे लाईन से जुड़ा हुआ है। 1928 में यहां रेलवे स्टेशन स्थापित हुआ। 18वीं सदी में यहां के कलाकारों ने पेंटिंग की एक ऐसी शैली विकसित की जो अध्यात्मिकता की भावना से ओत-प्रोत है। हरिपुर गुलेर की पहाडियों में राजा हरिचंद द्वारा निर्मित किले के खंडहर, मन्दिर तथा गुफाएं मौजूद हैं, जिनका सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक रूप से बहुत महत्व है। गांव गुलेर में लगभग चार सौ परिवार रहते हैं। वर्तमान में यहां की जनसंख्या 1700 के लगभग है। हम गुलेर में रहते चंद्रधर शर्मा गुलेरी के पौत्रों डॉ. नंद किशोर परिमल तथा बृजेश गुलेरी से मिले। उनका सलेटों तथा कच्ची मिट्टी की दीवारों वाला पुश्तैनी मकान आज भी सुरक्षित है, जहां चंद्रधर शर्मा गुलेरी का बचपन बीता था। यहां उनके पूर्वज सांझे परिवार के रूप में रह रहे थे। उस कच्चे घर की बगल में दो मंजिला ‘चंद्रभवन’ भी उनके पड़पौत्र विकास गुलेरी द्वारा निर्मित किया गया है जहां चंद्रधर शर्मा गुलेरी अपने राजस्थान प्रवास के दौरान कभी-कभी गुलेर गांव में आकर ठहरते थे। गुलेरी जी के पौत्र डॉ. पीयूष गुलेरी ने चंद्रधर शर्मा गुलेरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर शोध करके पीएचडी डिग्री हासिल की थी तथा उनके दूसरे भाई डॉ. प्रत्यूष गुलेरी ने चंद्रधर शर्मा की सभी रचनाओं को एक वृहदग्रंथ के रूप में संरक्षित किया है जिसे भारत की प्रतिष्ठित संस्था भारतीय साहित्य अकादमी द्वारा प्रकाशित किया गया है। उन्होंने ‘उसने कहा था’ कहानी की हस्तलिखित तथा गुलेरी जी से संबंधित कई दुर्लभ चित्रों को अमूल्य धरोहर के रूप में संभाला हुआ है। यह बात किसी कौतुक से कम नहीं है कि चंद्रधर शर्मा गुलेरी ने ज्यादा लेखन निबंध विधा में किया था। सम्पूर्ण जीवन में उन्होंने मात्र चार कहानियां ही लिखीं। तीन पूरी तथा एक अधूरी। उसने कहा था, सुखमय जीवन तथा बुद्धू का कांटा। चौथी अधूरी कहानी है ‘हीरे का हार’, जिसे हिमाचल के ही प्रसिद्ध कथाकार डॉ. सुशील कुमार फुल्ल ने पूरा करने का महत्वपूर्ण कार्य किया। मात्र तीन कहानियां लिख कर ही चंद्रधर शर्मा गुलेरी हिन्दी कथा जगत में अमर हो गए। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राज्यों के बंटवारे के कारण यह विरासत हिमाचल के हिस्से में चली गई है, लेकिन जब यह कहानी लिखी गई और इस पर फिल्म बनी तथा विश्वप्रसिद्धी प्राप्त हुई तब गांव गुलेर का लेखक महापंजाब का ही मूल निवासी था। यह मान पंजाब की जरखेज धरती को ही जाता है। इस कहानी की पृष्ठभूमि अमृतसर (पंजाब) की ही है। हिमाचल प्रदेश कला तथा संस्कृति विभाग द्वारा चंद्रधर शर्मा गुलेरी के नाम पर प्रतिष्ठित पुरस्कार स्थापित किया गया है। गांव हरिपुर गुलेर के राजकीय महाविद्यालय का नाम भी चंद्रधर शर्मा गुलेरी के नाम पर ही रखा गया है। गुलेर गांव एक ऐसी अन्य विशेषता के कारण प्रसिद्ध है, जिसका उदाहरण शायद ही विश्व भर में कहीं मिलेगा। यह कि गुलेर गांव में सभी धर्मों, जातियों, गोत्रों के लोग रहते हैं। उनकी जातियों के हिसाब से अलग-अलग मोहल्ले भी हैं, लेकिन सारे गांववासी विश्व प्रसिद्ध चंद्रधर शर्मा गुलेरी के कारण अपने नाम के साथ अपना गोत्र या जाति लिखने की बजाय ‘गुलेरी’ लिखने में ही मान महसूस करते हैं। यह रुझान नयी पीढ़ी में भी कायम है। एक लेखक की कृति ने कितने बड़े सामाजिक परिवर्तन को अंजाम दिया कि लोग अपनी जान-पहचान जाति-पाति से कायम रखने के स्थान पर लेखक के उपनाम ‘गुलेरी’ से अपनी पहचान स्थापित कराने हेतु प्रेरित हुए। इस महान लेखक की वर्तमान पीढ़ी ने अपनी मेहमाननवाजी, मिलनसारता, मीठे वचनों, सादगी, सरलता व सहयोग से हमें अपना बना लिया। गुलेर गांव में गुलेरी जी की स्मृति में वार्षिक एकत्रताएं आयोजित होती हैं तथा देश-विदेश से शोधार्थी, विद्वान, पर्यटक तथा साहित्यिक यात्री यहां आते है।

कुछ अलग

सेब बिक्री का तराजू

किसी भी फल और उपज का वजन बागबान और किसान की ख्वाहिशों से हल्का रह जाए, तो आर्थिकी का यह हिसाब निराश करता है। एक सेब उगाने तक हजारों पापड़ बेलने पड़ते हैं, क्योंकि मौसम से लेकर बिक्री केंद्र तक बागबानी का अर्थगणित लगातार दौड़ रहा होता है। बहरहाल, हर बार सरकार की पैरवी में कहीं भिन्न इस बार विपणन की नई गुंजाइश में यह सोचा गया कि बिक्री का तोल ठीक किया जाए ताकि जब मंडी से पावती रसीद बने तो हर सेब अपने वजन की कीमत वसूल ले। सरकार के बागबानी मंत्री के सामने पराला मंडी में बागबानों की चिंता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, लेकिन बिक्री प्रक्रिया में ऐसा क्या झोल हो गया कि प्रति किलो के हिसाब से बिकने का वादा ही भ्रमित हो गया। दरअसल 24 किलो की पेटी का आढ़तियों की दृष्टि में होते मूल्यांकन ने दो किलो की कटौती कर दी और इस तरह वजन तो घटा, खर्चा बढ़ गया। बेशक यह फैसला आढ़तियों और सेब उत्पादकों के बीच एक नए सेतु के निर्माण करने की गर्ज से आपसी सहमति का परचम फहरा रहा था, लेकिन इसकी पहली मंजिल पर अविश्वास का ढेर क्यों लगा। किलो के दाम पर बिकते थोक भाव के सेब के साथ ऐसा क्या हो गया कि पराला मंडी में शोर सुना गया। दरअसल सेब जितना हिमाचली बाजार में दखल रखता है, उतना ही राजनीति को भी माप लेता है। इसलिए पराला के आक्रोश में सियासत नहीं हुई होगी, यह एक असंभव सी बात है, फिर भी इस विवाद की जड़ में बागबानी का कुछ तो हिसाब गड्डमड्ड हुआ होगा। एक कुशल बिक्री नीति के अर्थों में अगर उत्पादक के लाभ किन्हीं कारणों से असुरक्षित समझे जा रहे हैं, तो कहीं प्रक्रिया के कार्यान्वयन में खामी है। इस मामले में 24 किलोग्राम की पेटी के पेट से दो किलो की कटौती से जो सेब घट रहा है, उसके पीछे की कहानी को समझना होगा। यह बागबान का धन है जिसे फलमंडी अगर पूरी तरह तोल नहीं पा रही है, तो ग्रामीण आर्थिकी के रोड़े कैसे दूर होंगे। भले ही सरकार ने एक पहल करते हुए परिपाटी बदली, लेकिन कार्यान्वयन की दिक्कतों में तराजू गुनहगार निकल आया। यहां घर के तोल, कार्टन के बोझ से कहीं भिन्न आढ़ती का बोल यह बता रहा है कि उसे चौबीस किलो से दो किलो छीनने का हक इसलिए मिल गया क्योंकि किसी बागबान ने शिद्दत से सेब उगाया, उसे मौसम और प्रतिकूल परिस्थितियों से बचा कर तथा निरंतर बढ़ती लागत में ढोकर मंडी तक पहुंचाया है। वह अब मंडी के व्यापारिक रहमो कर्म पर है, इसलिए सरकार से दखल की मांग कर रहा है।

नागरिक बोध

फिर वही दर्द है...

इस देश के लोगों को उन कतारों में खड़े होने की आदत हो गई है, जो आगे नहीं सरकती। वैसे कतारों में खड़े होने की आदत यहां है भी नहीं। कतार तोड़ कर आगे बढ़ जाने की धक्कमपेल है। धक्का-मुक्की यहां शूरवीरता मानी जाती है और चोर दरवाजे खोल कर गद्दी पर आसीन हो जाना नए युग का धर्म। फिर जो आसीन हो गया, वह नीचे उतरता कहां है। संन्यास लेने का वक्त आ जाए तो भी देश की चिंता उसे इतना सताती है कि उसका संन्यास मुल्तवी होता जाता है। यहां त्याग और तपस्या एक मुखौटा बन गयी है, और जीवन जीने का उपदेश देना एक रिवाज। जो जिंदगी जी नहीं पाये वे अपनी असफलता को रण छोडऩा नहीं अपनी त्याग भावना का प्रतीक मानते हैं। कला संस्कृति की बात करने वाली उवाच प्रशस्ति के तराजुओं में तोल कर हर धान एक ही कीमत बिकता है। वह कीमत है, थोथा चना बाजे घना। बड़े आदमी के साथ फोटो खिंचवा कर फेसबुक से लेकर सांस्कृतिक समाचारों में घुसपैठ कर जाना एक ऐसा प्रिय शगुन है कि जिसे हर स्थापना का भी तलाशना है। यह स्थापना कहीं भी हो सकती है, केवल लेखन ही नहीं, खेल के मैदान में, खोज तलाश के अन्वेषण में और ऊंचे स्वर में चिल्ला कर उनकी ऐसी उपलब्धियों के चीखो-पुकार में जो कभी आपके पास फटकी नहीं। लेकिन उनकी प्राप्ति की घोषणा करने में आपने कभी कमी नहीं की। वैसे जब आर्थिक प्रगति के दावे हों तो लगता है ऊंची अटारियों वालों के घर और भी ऊंचे हो गये और गूदड़ बस्तियों के क्रंदन को कोई सुनता नहीं। अचानक सुन लेते हैं लीजिये महामारियों की दवा मिल गई। दवा कोई नयी नहीं है, बाबा आदम के जमाने में दूसरी बीमारियों के लिए इस्तेमाल होती थी, अचानक उत्सव धर्मी लोगों ने घोषणा कर दी कि यह दवा इस महामारी में भी कारगर हो गयी। आइए! अपनी-अपनी पीठ थपथपा लें, और दवा को अन्धी सुरंग के रास्ते काला बाजार में पहुंचा दें। संघर्ष, प्रगति और निरन्तर चलते रहना कितने अच्छे शब्द लगते हैं, लेकिन उनका खोखलापन अजनबी नहीं लगता। क्योंकि यहां संघर्ष का अर्थ है रेंगना, प्रगति का अर्थ खोखले आंकड़ों का मायाजाल और निरन्तर चलते रहने का अर्थ है एक ही वृत्त में निरन्तर गोलाकार घूमते रहना। यहां रोज परिभाषाएं बदल जाती हैं। यहां समाजवाद को उल्टे रास्ते से पकडऩे का प्रयास शुरू हो गया। पहले कहते थे निर्धन और वंचित को रोजी, रोजगार और धनियों के अनावश्यक शोषण पर रोक ही नये समाज का निर्माण करेगी। लेकिन बन्धु, समाज का नवनिर्माण तो हुआ नहीं, बल्कि अरबपतियों के धन बढ़ाने का रिकार्ड तो बना, इसी से समाज को नई ऊंचाइयां मिलने लगीं। लीजिये सब पुराने रास्ते दरकिनार हो गये और सार्वजनिक क्षेत्र को नौकरशाही का पुलिंदा कह कर नकारा जाने लगा, अब उसके स्थान पर निजी क्षेत्र को तरक्की का जामिन बना दिया गया, प्रगति दर के बढने का ऊंचा मीनार बता दिया गया। आज लाखों हाथ नौकरी मांगते हैं, उन्हें पकौड़े तलने की सलाह दे दी जाती है। टूटे हुए हाथों को अपना हाथ जगन्नाथ का उपदेश मिल गया। योजनाबद्ध आर्थिक विकास की पंचवर्षीय योजना का आसरा लेकर आर्थिक विकास की दर वहां पहुंचा देनी थी, जहां अर्थव्यवस्था स्वतः स्फूर्त कहला देती थी।

देश दुनीया से

जिंदगी या जिंदादिली

बहुत वर्ष पहले रोटरी क्लब का एक आदर्श वाक्य हुआ करता था। वह वाक्य वस्तुतः एक प्रार्थना है जिसे नॉर्मन विंसेट पील नामक विश्वविख्यात कवि ने लिखा था और यह इतनी अर्थपूर्ण है कि सारे जीवन का फलसफा उसमें समाया हुआ है। वह आदर्श वाक्य है .. ‘हे प्रभु, मैं जिन चीजों को बदल नहीं सकता, मुझे उन्हें सहन करने की शक्ति दीजिए, जो बदल सकता हूं उसे बदलने का साहस दीजिए और इन दोनों का अंतर जानने की समझ दीजिए।’ इस प्रार्थना के तीन भाग हैं .. पहला, हम उन चीजों को बर्दाश्त कर सकें जिन्हें हम बदल नहीं सकते। दूसरा, जो चीजें सही नहीं हैं और हममें उन्हें बदल सकने की क्षमता है तो उन्हें बदलने पर होने वाले विरोध को झेल सकें, आलोचना को झेल सकें और अपना पद गंवाने की आशंका को झेल सकें या पद गंवाने को तैयार रहें, और तीसरा, हममें वह विवेक आ जाए कि हम यह समझ सकें कि हम क्या बदल सकते हैं और क्या नहीं। अक्सर होता यह है कि जो व्यक्ति या चीजें हमें पसंद नहीं हैं और हम उन्हें बदल नहीं पाते, उनको लेकर हम कुढ़ते रहते हैं, झुंझलाते रहते हैं और अक्सर हम दूसरे लोगों के सामने अपनी भड़ास भी निकालते हैं। इससे कई नुकसान होते हैं। पहला नुकसान तो यह है कि हम कुढ़ कर, झुंझला कर खुद को तनाव में ले आते हैं और अपनी सेहत खराब करते हैं। दूसरा नुकसान यह है कि लगातार तनाव में रहने के कारण हमारी कार्यक्षमता घटती है, काम की गुणवत्ता घटती है और हम अपने सहकर्मियों ही नहीं, धीरे-धीरे खुद अपनी नजरों में भी गिरते हैं। तीसरा नुकसान यह है कि यदि हम किसी व्यक्ति को या उसके कामकाज के तरीके को पसंद नहीं करते, पर अगर हम उन्हें बदल नहीं सकते तो साधारणतया हम उनकी पीठ पीछे उनकी बुराई करेंगे, और जब हम किसी की पीठ के पीछे उसकी बुराई करते हैं तो यह हमारी अपनी कमजोरी को दर्शाता है, ऐसा करके हमें कोई लाभ भी नहीं होता, बल्कि हम हम अपनी शक्तिहीनता का ढिंढोरा खुद पीटते हैं, जिससे लोगों की निगाह में हमारा आदर घटता है। सो, अगर हम ऐसी चीजों या व्यक्तियों को बर्दाश्त करना सीख लें और उनके बारे में धनात्मक दृष्टिकोण अपनाएं तो इन सारी लानतों से बच सकते हैं। जीवन जीने या घसीटने, और जिंदादिली से जीवन जीने में यही अंतर है। जब हम किसी ऐसे पद पर या मुकाम पर हैं जहां हम उन चीजों या व्यक्तियों को बदल सकते हैं, जो गलत हैं या नहीं होने चाहिएं या समाज के लिए हितकर नहीं हैं, उन्हें भी बदलने में कई बार इसलिए हिचकिचाते रहते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि कमियों और गलतियों के बावजूद उस वस्तु, कार्यविधि अथवा प्रक्रिया (प्रोसेस) या व्यक्ति को बदल पाना संभव नहीं है क्योंकि हमारे उच्चाधिकारी, सहकर्मी अथवा समाज या तो हमारे विचार से सहमत नहीं हो पायेंगे या फिर उन्हें यह विश्वास नहीं हो पायेगा कि एक बार बदलने के बाद हम उसे बदला हुआ रख सकेंगे, या यह कि बदलने पर नई कठिनाइयां आयेंगी जो अभी की कठिनाइयों से भी ज्यादा बड़ी हो सकती हैं। विरोध का भय, कठिनाइयों का भय हमें जकड़ लेता है और हम अपंगों की तरह व्यवहार करने लगते हैं। साहस की कमी के कारण हम वह नहीं कर पाते जो करना चाहते हैं, बावजूद इसके कि हममें वह करने की क्षमता या शक्ति है। इसके विपरीत जब हम धीरज के साथ स्थिति का सांगोपांग विश्लेषण करते हैं, लोगों को अपना पक्ष बताते हैं और उनकी सहमति लेने का प्रयास न केवल करते हैं बल्कि जारी रखते हैं, लोगों की सहमति लेने के लिए कार्ययोजना बनाते हैं, उसकी खूबियों-खामियों का विश्लेषण करते हैं, उसकी कमियां दूर करते हैं और फिर अपनी सदिच्छा का विश्वास दिलाकर या फिर सीधे-सीधे विरोध की परवाह किये बिना अंततः उन चीजों को बदल डालते हैं जो हानिकारक हैं तो हम अपने साहस का परिचय देते हैं।

लब्बोलुआब यह कि जब हम जीवन की कठिनाइयों और विसंगतियों के साथ खुशी-खुशी रहना सीख लेते हैं तो जीवन उत्सव बन जाता है। यहां यह ध्यान देने की बात है कि हम कठिनाइयों के बावजूद, कमियों के बावजूद, असहमतियों के बावजूद खुशी-खुशी रहना सीखते हैं, तभी ऐसा हो पाता है कि हम जीवन का आनंद ले सकें, अपनी जीवंतता बरकरार रख सकें, खुद खुश रह सकें और दूसरों को खुश रख सकें, खुद भी निराश न हों और अपने आसपास के लोगों में भी आशा का संचार कर सकें। जब ऐसा हो जाता है तो जीवन सुखमय बन जाता है। जीवन जीने या घसीटने, और जिंदादिली से जीवन जीने में यही अंतर है।

रूसी लड़ाकू विमान ने अमेरिकी एमक्यू –9 ड्रोन्स को रोका: सीरिया में सुखोई–35 ने फ्लेयर्स दागे; ड्रोन को रास्ता बदलना पड़ा

दमिश्क।
सीरिया में बुधवार को रूस के 3 लड़ाकू विमानों ने अमेरिका के 3 एमक्यू -9 ड्रोन्स को इंटरसेप्ट किया। अमेरिकी एयरफोर्स के मुताबिक, रूस के सिखोई–35 फायटर जेट्स ने ड्रोन्स के सामने पैराशूट से फ्लेयर्स दागने शुरू कर दिए, जिससे उनका फ्रंट व्यू ब्लॉक होने लगा। इसके बाद उन्हें अपना रास्ता बदलना पड़ा। अमेरिका ने कहा है कि उनके ड्रोन्स सीरिया में आईएसआईएस के ठिकानों की निगरानी कर रहे थे। अमेरिकी वायु सेना के लेफ्टिनेंट जनरल एलेक्स ग्रिनकेविच ने रूस की इस हरकत को गैर–जिम्मेदाराना और असुरक्षित बताया है। यूएस सेंट्रल कमांड ने घटना का एक वीडियो भी रिलीज किया है। इसे ड्रोन के अंदर से रिकॉर्ड किया गया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि कैसे रूसी फाइटर जेट्स अमेरिका के एमक्यू -9 ड्रोन्स के बेहद पास उड़ान भर रहे हैं। इसी दौरान एक फाइटर जेट ड्रोन के ठीक सामने आकर अपने आफ्टरबर्नर को एक्टिवेट कर देता है, जिससे उसकी स्पीड और प्रेशर बढ़ जाता है। इसकी वजह से ड्रोन ऑपरेटर को उसे उड़ाने में काफी दिक्कत होने लगती है। जनरल ग्रिनकेविच ने कहा- हमारे ड्रोन सुबह करीब 10:40 पर क्षेत्र में एक मिशन के तहत निगरानी कर रहे थे, तभी रूस के लड़ाकू विमान उन्हें परेशान करने लगे। हम रूस से सीरिया में इस तरह की लापरवाही को रोकने की अपील करते हैं और उम्मीद करते हैं कि भविष्य में रूस की एयरफोर्स आईएसआईएस को हराने के मिशन के लिए इंटरनेशनल स्टैंडर्ड्स का पालन करेगी। सीरिया में अमेरिका और रूस दोनों की आर्मी अक्सर ऑपरेशन चलाती रहती हैं। अमेरिका की करीब 900 फोर्सेज सीरिया में इस्लामिक स्टेट के आतंकवादियों से लड़ने के लिए कुर्द नेतृत्व वाली सीरियाई डेमोक्रेटिक फोर्स के साथ काम करने के लिए तैनात हैं। वहीं रूस की सेना सीरिया के राष्ट्रपति बशर अल–असद के समर्थन में वहां मौजूद हैं। इससे पहले मार्च में रूस–यूक्रेन बॉर्डर के करीब रूस के सुखोई फाइटर जेट ने अमेरिका के एडवांस्ड रीपर ड्रोन पर हमला किया था। ब्लैक सी के ऊपर अमेरिकी ड्रोन एमक्यू -9 रीपर सर्विलांस कर रहा था। रूस के दो एसयू–27 ने इस रीपर को 40 मिनट तक घेरकर उस पर फ्यूल गिराया था। ये फ्यूल रीपर के प्रोपेलर में पहुंचा और ड्रोन कुछ देर बाद ब्लैक सी में क्रैश हो गया था। इस घटना के बाद दोनों देशों के बीच टकराव बढ़ गया था। यूएस एयरफोर्स के जनरल जेम्स हैकर ने रूस की हरकत को बेहद गैरजिम्मेदार और भड़काऊ बताया था। उधर, रूस ने अमेरिका के आरोपों से इनकार किया था। उसने कहा था- यह महज एक हादसा है। हम मलबा तलाशने में अमेरिका की मदद करेंगे। इसके लिए हमारे पास अमेरिका और नाटो से ज्यादा बेहतर तकनीक है।

न्यूज ब्रीफ

यूक्रेन बोला- हमारे न्यूक्लियर प्लांट पर रूस ने रखे विस्फोटकः काखोवका बांध के बाद इसे भी तबाह करने की प्लानिंग; यूएन करेगा दावों की जांच

कीव/ मॉस्को। यूक्रेन ने रूस पर उनके जपोरिजिया न्यूक्लियर प्लांट को तबाह करने की प्लानिंग का आरोप लगाया है। यूक्रेन ने कहा है कि रूस ने न्यूक्लियर प्लांट की छतों पर माइन्स और विस्फोटक रखे हैं। इन आरोपों के बाद यूएन की एटॉमिक एनर्जी एजेंसी ने कहा है कि वो रूस के कब्जे वाले यूक्रेन के न्यूक्लियर पावर प्लांट जपोरिजिया की जांच करेगा। इसके लिए आईएईए ने बुधवार को रूस से न्यूक्लियर प्लांट को चेक करने के लिए ज्यादा एक्सेस की मांग की है। रूस ने पहले बांध को तबाह किया अब न्यूक्लियर प्लांट की बारी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने बुधवार को इंटेलिजेंस एजेंसियों के हवाले से कहा है कि रूस ने पिछले महीने हमारे काखोवका बांध को तबाह किया था। अब वो परमाणु प्लांट को तबाह करने की तैयारी कर रहा है। हमले की आशंकाओं के बीच पिछले हफ्ते यूक्रेन ने प्लांट के आसपास के इलाकों में ड्रिल भी की थी। हालांकि, रूस ने जेलेंस्की के इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है। रूस की न्यूक्लियर कंपनी के एडवाइजर रेनात कार्चा ने कहा है कि हमें प्लांट में विस्फोटक रखने की कोई जरूरत ही नहीं है। टेंशन बढ़ाने के लिए यूक्रेन ऐसे बेबुनियाद आरोप लगा रहा है। उन्होंने कहा है कि यूक्रेन की मिलिट्री 5 जुलाई की रात को न्यूक्लियर प्लांट पर हमले की तैयारी कर रही थी। इसका इल्जाम वो रूस पर लगाना चाहते थे। आईएईए के अधिकारी ने बताया है कि वो न्यूक्लियर प्लांट की यूनिट 3 और 4 की खास तौर पर जांच करना चाहता है। जपोरिजिया में बने यूक्रेन के न्यूक्लियर पावर प्लांट पर रूस ने जंग शुरू होने के एक महीने बाद ही मार्च 2022 में कब्जा कर लिया था।

मैक्सिको में बस 80 फीट गहरी खाई में गिरीः हादसे में एक साल के बच्चे समेत 29 की मौत,19 घायल; ड्राइवर ने बस पर कंट्रोल खोया

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के दक्षिणी राज्य ओक्साका में बुधवार रात एक बस 80 फीट खाई में गिर गई। इस हादसे में एक साल के बच्चे समेत 29 लोगों की जान चली गई। 19 लोग घायल हो गए। बस मैक्सिको सिटी से ओक्साका के योसनडुआ जा रही थी। ओक्साका सरकार के सेक्रेटरी जनरल जीसस रोमेरो लोपेज ने बताया हादसा मगडालेना पेनास्को गांव के पास हुआ। मृतकों में 13 पुरुष, 13 महिलाएं और एक साल का बच्चा शामिल है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। जीसस रोमेरो ने बताया कि हादसे की जांच शुरू हो गई है। फिलहाल ऐसा लग रहा है जैसे हादसा तकनीकी गड़बड़ी के चलते हुआ। अल जजीरा के मुताबिक ड्राइवर ने बस का कंट्रोल खो दिया था, जिसकी वजह से बस खाई में गिर गई। जहां ये हादसा हुआ वह शहर पहाड़ी इलाके में बसा है। घुमावदार सड़कें हैं और गहरी खाई हैं। सिविल प्रोटेक्शन की रेस्क्यू टीम ने घायलों को नजदीक के गांव में शिफ्ट किया। यहां से घायलों को सरकारी अस्पताल ले जाया गया। सिविल प्रोटेक्शन एजेंसी के मुताबिक, जब घायलों को अस्पताल लगाया गया तो 6 लोग गंभीर रूप से घायल थे और बेहोश थे। बस को निकालने के लिए क्रेन की मदद ली गई।

मशहूर पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को हो सकती है जेल

स्टाकहोम । मशहूर पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग को छह महीने जेल की सजा हो सकती है। दरअसल ग्रेटा थनबर्ग पर स्वीडन में जून में हुए धरना प्रदर्शन के दौरान पुलिस के आदेशों का उल्लंघन करने का आरोप है। बता दें कि स्वीडन के दक्षिण में स्थित शहर मालमो में बीते जून में पर्यावरण कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान 20 वर्षीय पर्यावरण कार्यकर्ता ग्रेटा थनबर्ग भी इस धरने प्रदर्शन में शामिल हुईं। जून में मालमो में हुए धरने प्रदर्शन को पर्यावरण संरक्षण संगठन ता तिलबाका फ्रेमटिडेन ने आयोजित किया था। धरने प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों ने मालमो बंदरगाह में प्रवेश के रास्तों को ब्लॉक कर दिया। प्रदर्शनकारी जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल पर प्रतिबंध की मांग कर रहे थे। इस दौरान हंगामा बढ़ने पर पुलिस ने ग्रेटा थनबर्ग समेत अन्य प्रदर्शनकारियों को प्रदर्शन की जगह से चले जाने को कहा लेकिन प्रदर्शनकारियों ने पुलिस का आदेश मानने से इनकार कर दिया। इस पर पुलिस ने ग्रेटा थनबर्ग समेत अन्य प्रदर्शनकारियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया।

इमरान की गिरफ्तारी के लिए ऑर्डिनेंस

राष्ट्रपति हज पर थे, केयर टेकर प्रेसिडेंट ने आधी रात मंजूरी दी ; तोशाखाना केस में पेशी

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के लिए शाहबाज शरीफ सरकार ने एक ऑर्डिनेंस को मंजूरी दी है। सोमवार और मंगलवार की दरमियानी रात केयर टेकर प्रेसिडेंट साजिद संजरानी ने इस पर दस्तखत कर दिए। सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतें तक इमरान पर खास मेहरबान हैं। मंगलवार को ही उन्हें एक साथ 16 मामलों में जमानत दी गई थी। इसके बाद सरकार ने खान को घेरने के लिए नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो के नियमों में बदलाव के लिए ऑर्डिनेंस पास करा लिया। खास बात ये है कि इस दौरान इमरान के कट्टर समर्थक प्रेसिडेंट आरिफ अल्वी परिवार के साथ हज पर गए थे और केयर टेकर प्रेसिडेंट की जिम्मेदारी संजरानी के पास थी, जो सत्तारूढ़ गठबंधन के सदस्य हैं। इमरान को तोशाखाना केस में निचली अदालत के सामने पेश होना है।

सरकार की चाल

शाहबाज शरीफ सरकार इमरान को 145 में से सिर्फ एक मामले में गिरफ्तार कर सकी है। 9 मई को उन्हें अल कादिर यूनिवर्सिटी ट्रस्ट स्कैम केस में इस्लामाबाद हाईकोर्ट से गिरफ्तार किया गया था। अगले ही दिन सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ खान को बेल दे दी, बल्कि आगे किसी भी केस में उनकी गिरफ्तारी पर भी रोक लगा दी। 9 मई की गिरफ्तारी के बाद इमरान समर्थकों ने फौज के ठिकानों पर जबरदस्त हमले किए। हिंसा में 11 लोगों की मौत हुई, जबकि 259 लोग घायल हुए। खान मरने वालों का आंकड़ा 25 बताते हैं। इस मामले में अब तक 1700 लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं और ज्यादातर का केस मिलिट्री कोर्ट्स में चलेगा। बहरहाल, सरकार ने जब यह देख लिया कि अदालतें खान को बचाती रहेंगी तो उसने एनएबी कानून को हथियार बनाया और वो भी तब जबकि उसे पता था कि प्रेसिडेंट अल्वी देश में नहीं हैं। लिहाजा, ऑर्डिनेंस पर केयर टेकर प्रेसिडेंट ही दस्तखत करेंगे। एक और रोचक बात यह है कि प्रेसिडेंट अल्वी का सऊदी अरब का हज दौरा जैसे ही फाइनल हुआ, उसी दिन सरकार ने संसद सत्र स्थगित कर दिया। इसकी वजह यह थी कि संसद सत्र के चलते सरकार ऑर्डिनेंस नहीं ला सकती थी। इसके लिए बिल लाना पड़ता और फिर इसे पास कराने में कई दिन लगते।

फंसेंगे इमरान

एनएबी अमेंडमेंट ऑर्डिनेंस की ज्यादातर बातें ऐसी हैं, जिनसे साफ नजर आता है कि इसका मकसद इमरान को कानून के शिकंजे में लाना और उन्हें गिरफ्तार करना है। इसके तहत- एनएबी चेयरमैन को यह अधिकार दिया गया है कि वो किसी आरोपी के खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी कर सकती है। इसमें आरोप यह लगाया जाएगा कि संबंधित व्यक्ति जांच में सहयोग नहीं कर रहा था। इमरान जब सत्ता में थे तो उन्होंने एनएबी में फिजिकल रिमांड 90 दिन रखी थी। बाद में शाहबाज शरीफ सरकार ने इसे 14 दिन कर दिया। नए ऑर्डिनेंस के तहत अब 30 दिन का तयशुदा रिमांड रहेगा और एनएबी चेयरमैन इसे कई दिन बढ़ा सकता है। इसके अलावा एनएबी की कस्टडी को किसी अदालत में चैलेंज भी नहीं किया जा सकेगा। बहुत मुमकिन है कि एनएबी की हिरासत में रहते हुए ही 9 मई की हिंसा के मामले में भी इमरान को गिरफ्तार कर लिया जाए। खान और उनकी पत्नी बुशरा को एनएबी कई बार पूछताछ के लिए बुला चुका है। वो हाजिर नहीं होते। अब एनएबी चेयरमैन उन्हें किसी भी वक्त गिरफ्तार करने का ऑर्डर दे सकता है। एनएबी ने अल कादिर स्कैम में खान से कुछ पेपर्स भी मांगे थे। उन्होंने कई महीने बाद भी ये नहीं दिए।

सिर्फ एक गवाह काफी

नए ऑर्डिनेंस में एक और नियम पहली बार शामिल किया गया है। इसके मुताबिक, अगर अल कादिर ट्रस्ट स्कैम में नामजद कोई आरोपी सरकारी गवाह बन जाता है तो उसकी गवाही आखिरी मानी जाएगी। खास बात ये भी है कि इस गवाह को गवाही के पहले एक एफिडेविट पर दस्तखत करने होंगे और फ्यूचर में अगर वो गवाही से मुकरा तो उसके खिलाफ नया केस दर्ज किया जाएगा और इसमें उसे सजा भी होगी। 9 मई की हिंसा के मामले में इमरान के कई करीबी साथी उनका साथ छोड़ चुके हैं। कई नेता फरार हैं तो ज्यादातर ने पार्टी छोड़ दी है। अब अगर इमरान की पत्नी बुशरा की दोस्त फराह गोगी या फिर जुल्फी बुखारी (तोशाखाना केस में भी आरोपी) या फिर पूर्व रक्षा मंत्री परवेज खटक सरकारी गवाह बनते हैं तो इमरान को न सिर्फ इस मामले में सजा होगी, बल्कि वो पांच साल तक चुनाव भी नहीं लड़ सकेंगे। उनकी पार्टी पहले ही पूरी तरह बिखर चुकी है। ऐसे में खान का पॉलिटिकल कॅरियर करीब–करीब खत्म हो जाएगा।

अल कादिर ट्रस्ट स्कैम

करीब 4 साल पहले अल कादिर ट्रस्ट का मामला ब्रिटेन से शुरू हुआ। वहां नेशनल क्राइम एजेंसी एक पाकिस्तानी को गिरफ्तार करती है। जांच के दौरान पता लगता है कि उसके पास करीब 60 अरब रुपए (पाकिस्तानी करेंसी में) हैं।

दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में गैस लीक, 16 की मौत

इनमें एक साल का बच्चा भी शामिल; अवैध खनन के चलते गैस रिसाव की आशंका

जोहान्सबर्ग।
दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की एक बस्ती में बुधवार को बड़ा हादसा हो गया। यहां संदिग्ध गैस लीक से कम से कम 16 लोगों की मौत हो गई। मारे गए लोगों में 5 महिलाएं और तीन बच्चे भी शामिल हैं। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने कई लोगों को रेस्क्यू किया। गौटेंग प्रान्त के हेड ऑफ गवर्नमेंट पन्याजा लेसुफी घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि फिलहाल इस बात की जांच की जा रही है कि कौन सी गैस के लीक होने से ये हादसा हुआ। जोहान्सबर्ग के पूर्व में बोक्सबर्ग जिले के पास एंजेलो नाम की एक अवैध बस्ती है। ये इलाका अवैध खनन गतिविधियों से जुड़ा माना जाता है। इमरजेंसी सर्विस एजेंसी के प्रवक्ता विलियम एनटलैडी ने मीडिया से बात करते हुए बताया कि घटनास्थल पर 24 लोगों के शव मिले हैं। हालांकि, अधिकारियों ने बाद में 16 लोगों की ही मौत होने की पुष्टि की। वहीं, अस्पताल में भर्ती लोगों में से 4 की हालत गंभीर बताई गई है। विलियम एनटलैडी के मुताबिक, इमेरजेंसी सर्विस एजेंसी को गैस विस्फोट के बारे में रात करीब 8 बजे एक कॉल मिली। जब वर्कर्स वहां पहुंचने तो उन्हें पता चला कि ये एक सिलेंडर से जहरीली गैस का रिसाव हुआ था। वहीं लेसुफी ने बताया कि घटनास्थल पर हर शव बिखरे हुए थे। हादसे में मरने वाले एक बच्चे की उम्र एक साल थी। साउथ अफ्रीका के मीडिया ने इस बात की भी आशंका जताई है कि ये गैस लीक क्षेत्र में हो रही गैर–कानूनी खनन की एक्टीविटीज से भी जुड़ी हो सकती हैं। बोक्सबर्ग जिले के स्थानीय अधिकारी ने इस बात की पुष्टि भी की है। उन्होंने कहा- शुरुआती जांच से पता चला है कि गैस का इस्तेमाल अवैध खनन गतिविधियों के हिस्से के रूप में किया जा रहा था। साउथ अफ्रीका हजारों अवैध खनिकों का घर है। यहां बेरोजगारी दर लगभग 32प्रतिशत है। साउथ अफ्रीका में अवैध खनन को जमा जमास कहते हैं, जिसका मतलब होता है किस्मत आजमाने वाला। साउथ अफ्रीका में हजारों लोग अवैध खनन का काम करते हैं। जोहान्सबर्ग साउथ अफ्रीका का एक कॉमर्शियल एरिया है, जहां 1880 के दशक में सोने की खोज के दौरान खुदाई शुरू की गई थी। जोहान्सबर्ग के एक टाउन में पिछले साल 25 दिसंबर को टैंक विस्फोट हुआ था।

हथियारों की धीमी आपूर्ति के कारण जवाबी हमले में हुई देरी', जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों पर लगाया आरोप

कीव ।
रूस और यूक्रेन युद्ध को एक साल से भी ज्यादा हो गया है। रूस ने पिछले साल फरवरी में हमला किया था। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों पर जवाबी हमले में देरी होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम से हथियारों की धीमी आपूर्ति के कारण जवाबी कार्रवाई करने में करीब चार महीने लग गए। यूक्रेनी बंदरगाह शहर ओडेसा में जेलेंस्की ने खुलासा किया कि उन्होंने रूस के खिलाफ बहुत पहले जवाबी कार्रवाई शुरू करने की मांग की थी। जवाबी कार्रवाई जून की शुरुआत में शुरू हुई। उन्होंने कहा कि देरी से कार्रवाई करने की वजह से रूस ने कब्जाए शहरों में अपनी मजबूती अच्छी कर ली। जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध के मैदान में कुछ कठिनाइयों के कारण हमारा जवाबी हमला धीमा हो रहा है। वहां भारी खनन किया गया है। उन्होंने कहा कि मैं चाहता था कि हमारा जवाबी हमला बहुत पहले हो, क्योंकि हर कोई समझता है कि अगर जवाबी हमला बाद में होगा, तो क्षेत्र का बड़ा हिस्सा खनन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हमारा समर्थन करने वाले नेताओं और अमेरिका का आभारी हूं। लेकिन सच यह भी है कि मैंने जवाबी हमले से पहले अमेरिका और यूरोपीय नेताओं से कहा था कि आपूर्ति की कमी के कारण अधिक जानें जा सकती हैं। इसलिए

हम अपना जवाबी हमला पहले शुरू करना चाहेंगे और इसके लिए हमें सभी हथियारों और सामग्री की आवश्यकता होगी।

वहीं, इससे पहले यूक्रेन के सैन्य कमांडर–इन–चीफ वालेरी जालुजनी ने पश्चिम से हथियारों को देरी से भेजने पर निराशा व्यक्त की थी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन अभी भी अपने सहयोगियों द्वारा वादा किए गए एफ–16 लड़ाकू विमानों का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि हम रूस से जीतने या हारने के बारे में नहीं बोल रहे। यह केवल बराबर होने के बारे में है। उन्होंने कहा कि एफ–16 को मानवीय समर्थन के रूप में देखा जा सकता है क्योंकि अगर रूस काला सागर अनाज पहल का विस्तार नहीं करने का फैसला करता है तो यूक्रेन द्वारा शिपिंग कॉरिडोर को खुला रखने के लिए इनका इस्तेमाल किया जा सकता है।

पाक सेना 5 महीनों तक नहीं करेगी सैन्य अभ्यास: आर्मी के पास रिजर्व फ्यूल की कमी हुई; 1 किमी में 2 लीटर तेल इस्तेमाल करते हैं पाक के टी–80 टैंक

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान की आर्थिक बदहाली का असर उसकी सेना पर पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक सेना ने फ्यूल की कमी होने की वजह से अगले 5 महीने यानी दिसंबर तक कोई भी मिलिट्री ड्रिल नहीं करने का फैसला किया है। मिलिट्री ट्रेनिंग के डायरेक्टर जनरल ने इसे लेकर सभी विभागों को एक लेटर जारी किया है। इसमें सैन्य अभ्यास टालने की मेन वजह रिजर्व फ्यूल की कमी बताई गई है। दरअसल, रिजर्व फ्यूल सेना के रूटीन कामों के लिए सुरक्षित रखा जाता है। ये वॉर रिजर्व से अलग होता है। वॉर रिजर्व जंग लड़ने के लिए सुरक्षित रखा गया फ्यूल होता है।

पाक सैन्य अभ्यास में करता है टी-80 टैंक्स का इस्तेमाल

मिलिट्री एक्सपर्ट और भारतीय सेना के रिटायर्ड कर्नल दनवीर सिंह के मुताबिक पाकिस्तान सैन्य अभ्यास के लिए ञ–80 टैंक काफी इस्तेमाल में लाता है। जो प्रति किलोमीटर 2 लीटर फ्यूल का इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में सैन्य अभ्यास के लिए सेना को काफी फ्यूल की जरूरत पड़ती है। पाकिस्तान की लगातार खराब होती अर्थव्यवस्था के बीच सेना के लिए फ्यूल हासिल करना मुश्किल होता जा रहा है। जुलाई में पाकिस्तान में पेट्रोल और डीजल की कीमतें 260 रुपए प्रति लीटर पार कर चुकी हैं।

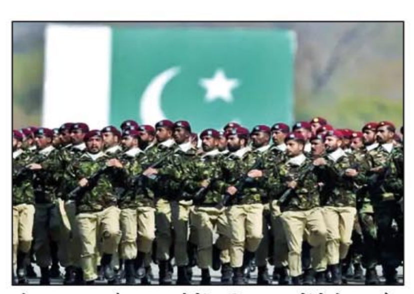

पाक ने यूक्रेन से खरीदे थे टी-80 टैंक

एक रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के पास 2,467 बैटल टैंक्स हैं। भारत ने जब रूस के टी–90 टैंक्स खरीदे तो उनके काउंटर के लिए पाकिस्तान ने 1996 में इनका डीजल वर्जन टी–80 यूक्रेन से खरीदा था। टैंक्स की टेस्टिंग के बाद यूक्रेन से ऐसे 320 टैंक्स खरीदे थे। कर्नल दनवीर सिंह के मुताबिक पाकिस्तान ही नहीं भारतीय सेना को भी 1990 के दशक आर्थिक तंगी के चलते में फ्यूल की कमी हुई थी। इससे निपटने के लिए सेना ने 2 साल तक मिलिट्री एक्सर्साइज के लिए बैटल टैंक्स की बजाए ट्रक का इस्तेमाल किया था।

पाक की सेना खाने की कमी की शिकायत कर चुकी

सिर्फ फ्यूल ही नहीं बल्कि पाकिस्तान की सेना ने साल की शुरुआत में खाने की कमी की भी शिकायत की थी। कई फील्ड कमांडरों ने क्वार्टर मास्टर जनरल को लेटर लिखे थे। पिछले साल पाकिस्तान की आर्मी ने फंड की कमी के चलते अपने सैनिकों को हर शुक्रवार मिलिट्री व्हीकल का इस्तेमाल न करने की सलाह दी थी। सेना ने अपने कमांडरों से बिजली और गैस का इस्तेमाल कम करने को भी कहा था।

पाक के दिवालिया होने का खतरा टला

पाकिस्तान एक बार फिर दिवालिया होने से बच गया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड पाकिस्तान को स्टाफ लेवल एग्रीमेंट के तहत 3 अरब डॉलर का कर्ज देने का फैसला कर चुका है। आईएमएफ और पाकिस्तान की सरकार के बीच 9 महीने का स्टैंडबाय अरेंजमेंट हुआ है। हालांकि, अभी इसे आईएमएफ के एग्जीक्यूटिव बोर्ड की मंजूरी मिलना बाकी है।

जापान समुद्र में छोड़ेगा 132 करोड़ लीटर रेडियोएक्टिव पानी

यूएन एजेंसी से मिला अप्रूवल; चीन, साउथ कोरिया समेत कई देश कर रहे विरोध

टोक्यो।
जापान बहुत जल्द अपने खराब हो चुके न्यूक्लियर प्लांट में मौजूद ट्रीटेड रेडियोएक्टिव वॉटर को पैसिफिक ओशन में छोड़ने जा रहा है। इसके लिए उसे यूएन के न्यूक्लियर वॉचडॉग से अप्रूवल भी मिल गया है। इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के चीफ राफेल ग्रौसी मंगलवार को जापान पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्रधानमंत्री फूमियो किशिदा से मिलकर सेफ्टी रिव्यू किया। कहा कि रेडियोएक्टिव वॉटर को छोड़ने का जापान का प्लान सेफ्टी स्टैंडर्ड्स के अनुसार सही है। हालांकि, जापान में कोस्टल एरिया में रह रहे लोग और चीन समेत कई देश इसका विरोध कर रहे हैं। 2011 की सुनामी से फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट का कूलिंग सिस्टम हुआ था ठप पैसिफिक ओशन में 132 करोड़ लीटर पानी छोड़े जाने को लेकर जापान की फिशिंग इंडस्ट्री और सिविल सोसाइटी ग्रुप्स ने भी चिंता जताई है। दरअसल, मार्च 2011 में आई सुनामी की वजह से फुकुशिमा के न्यूक्लियर प्लांट का कूलिंग और इलेक्ट्रिसिटी सिस्टम ठप हो गया था। गर्मी की वजह से वहां मौजूद तीनों रिएक्टर्स के कोर पिघल गए थे, जिसके चलते काफी ज्यादा मात्रा में रेडिएशन फैला था।

पानी छोड़ने के लिए 1 हफ्ते में मिल सकता है परमिट

न्यूक्लियर प्लांट से पानी छोड़े जाने के प्लान की घोषणा 2021 में की गई थी। तब कहा गया था कि ये काम अगले 2 सालों में शुरू हो जाएगा। जापान की रेगुलेटरी बॉडी ने 30 जून को ही अपना इंस्पेक्शन पूरा कर लिया था। यूएन की जांच के बाद प्लांट की देखभाल कर रही कंपनी टेपको को एक हफ्ते के अंदर पानी छोड़ने का परमिट मिल सकता है।

इसके बाद वो कभी भी पानी रिलीज करना शुरू कर सकते हैं। हालांकि, इसके लिए कोई तारीख की घोषणा नहीं हुई है। पानी को ओशन में डिस्चार्ज करने में कई दशकों का समय लगेगा। इसे 1 किलोमीटर के पाइप के जरिए छोड़ा जाएगा।

1 हजार टैंक में स्टोर है न्यूक्लियर प्लांट का पानी

इस न्यूक्लियर प्लांट को मेनटेन करने वाली कंपनी टोक्यो इलेक्ट्रिक पावर ने बताया कि प्लांट में मौजूद पानी के ट्रीटमेंट के बाद उसे एक हजार टैंकों में स्टोर किया गया है। इस पानी की क्वांटिटी का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि ये 500 ओलंपिक साइज्ड स्विमिंग पूल को भरने के लिए काफी है। इस पानी को वहां से हटाए जाना इसलिए भी जरूरी है ताकि न्यूक्लियर प्लांट को नष्ट किया जा सके। जापान के विदेश मंत्रालय के मुताबिक पानी को महासागर में छोड़ने से पहले साफ कर दिया गया है। हालांकि, कई रिपोर्ट्स के मुताबिक इसमें अभी भी ट्रीटियम के कण हैं। ट्राइटियम एक रेडियोएक्टिव मैटीरियल है, जिसे पानी से अलग करना काफी मुश्किल होता है। ऐसे तो इससे कॉन्टैक्ट में आने पर ज्यादा नुकसान नहीं होता है, लेकिन अगर ये किसी के शरीर में काफी बड़ी मात्रा में चला जाए तो इससे कैंसर जैसी बीमारियां हो सकती हैं। जापान में न्यूक्लियर प्लांट का पानी और वेस्ट मैटिरियल काफी सालों से परेशानी बना हुआ है। पानी को पैसिफिक महासागर में छोड़े जाने का साउथ कोरिया, चीन और ऑस्ट्रेलिया विरोध जता चुके हैं। वहीं जापान लगातार इस बात का आश्वासन देता रहा है कि वो इंटरनेशनल मानकों के आधार पर ट्रीटियम की मात्रा को कम करने के बाद ही पानी को डिस्चार्ज करेगा। जापान के पैसिफिक सी में इस तरह से न्यूक्लियर पावर प्लांट का पानी छोड़ने से डरने की वजह जायज है। 1940 के दशक में साउथ पैसिफिक में अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस जैसे देशों ने एक के बाद एक कई न्यूक्लियर टेस्ट किए थे।

मुख्यमंत्री भगवंत मान का दावा, एक साल में दी 29 हजार सरकारी नौकरियां

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विद्यार्थियों को ट्रेनिंग देने के लिए खोले जाएंगे आठ केंद्र

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि यह पहली दफा है कि पंजाब सरकार ने राज्य के 29, 936 नौजवानों को सरकारी नौकरियां दीं गई हैं, जो एक रिकार्ड है। क्योंकि देशभर में किसी भी राज्य सरकार ने पहले साल में नौजवानों को इतनी नौकरियां नहीं दी हैं। गुरुवार को चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, बिजली और मेडिकल अनुसंधान विभाग में 252 नए भर्ती हुए नौजवानों को नियुक्तिपत्र सौंपने के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौजवानों को मान महसूस करना चाहिए कि वह राज्य सरकार का हिस्सा बन रहे हैं, जो नए पंजाब की सृजना के लिए अथक मेहनत कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की यह भर्ती मुहिम पूरी तरह मेरिट के आधार पर चलाई जा रही है और सिर्फ योग्य और जरूरतमंद उम्मीदवारों को ही नौकरियां दीं जा रही हैं। भगवंत मान ने कहा कि यह भर्ती केवल मेरिट के आधार पर ही की जा रही है, जिसमें न तो कोई सिफारिश और न ही कोई तरकीब काम करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह आम आदमी की हालत को समझते हैं। उन्होंने हाल ही में उन अध्यापकों की सेवाओं को रेगुलर किया है, जो लम्बे समय से अपनी ड्यूटी निभा रहे थे। उन्होंने कहा कि एक अध्यापक ने उसे अपनी परेशानी और उसे पेश मुश्किलों के बारे बताया। भगवंत मान ने कहा कि पुरानी राज्य सरकारों की नकारात्मक रवैये के कारण पंजाब तरक्की और खुशहाली में पिछड़ गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जो लोग अपने सत्ता के दौर के दौरान आलीशान घरों में रह रहे थे, उनको लोगों ने राज्य के राजनैतिक नक्शे से बाहर कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि राज्य ने एक नए युग की सुबह देखी है क्योंकि अजेय माने जाते इन नेताओं को लोगों ने सत्ता से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। भगवंत मान ने व्यंग्य करते हुये कहा कि बड़े-बड़े महलों में रहने वाले इन लोगों ने कभी भी आम आदमी की भलाई की कोई परवाह नहीं की। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह हवाई अड्डों पर हवाई पट्टी (रनवे) हवाई जहाज को सुचारू ढंग के साथ उड़ान भरने में सहायता करती है, उसी तरह राज्य सरकार नौजवानों को उनके सपनों को साकार करने में मदद कर रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नौजवानों की आशाओं को पूरा करने के लिए हर संभव यत्न किए जा रहे हैं और इस नेक कार्य को पूरा करने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के इतिहास में यह पहली बार है जब पंजाब सरकार कोयला आधारित बिजली उत्पादन को बढ़ाने के लिए राज्य में एक प्राईवेट थर्मल प्लांट खरीदने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि इससे राज्य के बिजली उत्पादन को बढ़ा कर अतिरिक्त बिजली जुटाने में मदद मिलेगी। भगवंत मान ने कहा कि पछवाड़ा कोयला खाने से कोयले की सप्लाई फिर शुरू होने से राज्य के पास अतिरिक्त कोयला उपलब्ध है, जिसका प्रयोग इन थर्मल प्लांटों को प्रभावशाली ढंग के साथ चलाने के लिए किया जा सकता है।-

महिला ने पुलिस थाने के आगे निगला जहर

फतेहाबाद (हिंस)। दहेज प्रताड़ना की शिकायत पर पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने से परेशान होकर विवाहिता द्वारा शहर थाने में ही जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया गया। विवाहिता को गंभीर हालत में फतेहाबाद के नागरिक अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। अस्पताल में मौजूद शहर के रतिया रोड स्थित झाड़ साहिब निवासी गुरचरण सिंह ने बताया कि उसकी बहन गुरमीत कौर की शादी पंजाब के फाजिल्का जिले में हुई थी। शादी के बाद से ही गुरमीत कौर के ससुरालजन दहेज को लेकर उसे प्रताड़ित कर रहे थे। ससुरालजनों की प्रताड़ना से परेशान होकर गुरमीत कौर यहीं उनके पास रह रही थी। गुरचरण ने बताया कि इस मामले को लेकर उन्होंने 31 दिसंबर 2022 को थाने में गुरमीत कौर के ससुरालजनों के खिलाफ शिकायत दी थी, लेकिन 6 महीने बीत जाने के बावजूद पुलिस कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। वीरवार को भी वह अपनी शिकायत को लेकर जब शहर थाने पहुंचे तो पुलिस कर्मचारियों ने उसकी कोई सुनवाई नहीं की और परेशान होकर उसकी बहन ने स्प्रे का सेवन कर आत्महत्या की कोशिश की। गुरचरण ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि थाने में जहर खाने के बावजूद पुलिस कर्मचारियों ने उसकी कोई मदद नहीं की।

हनीट्रेप में फंसाकर महिला और साथी ने ऐंठ लिए साढ़े चार लाख

हिसार (हिंस)। महिला व उसके साथी द्वारा हनीट्रेप में फंसाकर लोगों से पैसे ऐंठने का मामला सामने आया है। गिरोह में एक पुलिस कर्मचारी की भी संलिप्तता बताई जा रही है। गिरोह के सदस्यों ने लगभग साढ़े चार लाख रुपए से अधिक ऐंठ लिए। शिकायत मिलने पर पुलिस ने महिला अंजू व उसके साथी पालाराम पर केस दर्ज किया है। आरोप है कि ये दोनों रेप की शिकायत देने के बहाने थाने में पहुंचते और वहां से अपनी फोटो खींच कर पीड़ितों के पास भेजकर ब्लैकमेल करके पैसे ऐंठते थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि फतेहाबाद अपराध शाखा में कार्यरत पुलिस कर्मचारी इस गिरोह का मुख्य सरगना है लेकिन उसे पुलिस बचा रही है। इसी के चलते पुलिस कर्मी का नाम केस से निकाल दिया गया है। पुलिस कर्मचारी की उसके पास रिकॉर्डिंग भी है, जिसमें कि वह समझौता करने की गुहार लगा रहा है। महिला शारीरिक संबंध बनाते समय अपने पर्स में स्पाई कैमरे में रिकॉर्डिंग करती है। पुलिस को मिली शिकायत के अनुसार गिरोह ने पहले अपना शिकार कालीरावण गांव के रमेश को बनाया। उससे पैसे ऐंठने के बाद उन्होंने इसी गांव के ही सुखदेव सिंह को निशाना बनाया। महिला अंजू उर्फ सुमन और सुखदेव की शारीरिक संबंध बनाते हुए की वीडियो भी बनी है। इस वीडियो को वायरल करने की धमकी देकर उसे भी ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया। पैसे लेने के बाद भी वे उन्हें परेशान करते रहे जिसके बाद दोनों ने पुलिस में शिकायत दी। शिकायतकर्ता रमेश के अनुसार दिसंबर 2022 में महिला ने उसे कॉल करके अपना नाम सुमन बताया था। वह उसे अग्रोहा मोड पर स्थित होटल जगत पैलेस में मिली। मिलने के बाद महिला के सहयोगी पालाराम ने उसकी थाने में बैठी की फोटो भेजी जिस पर वह घबरा गया। इसी का फायदा उठाते हुए पालाराम ने मुकदमा दर्ज ना करवाने व वीडियो वायरल न करने के बदले में उससे पैसे मांगे। रमेश ने अपने मामा के लड़के शमशेर के फोन पे से पालाराम के खाते में एक लाख रुपए डलवाए। साथ ही मोहित से 25 हजार रुपए भिजवाए। दूसरे शिकायकर्ता सुखदेव ने बताया कि मोबाइल नंबर पालाराम ने ही महिला को उपलब्ध करवाया था। महिला अंजू ने अपने आप को सुमन बताया और 18 फरवरी को मन्नत होटल में मिली और शारीरिक संबध बनाए। इसके बाद दो घंटे के बाद पालाराम ने उसे फोन करके बताया कि तेरी वीडियो बन चुकी है। इसके बाद दूसरे मोबाइल से वीडियो भेजी। पालाराम ने कहा कि महिला ने थाना सदर में गलत काम करने की शिकायत दे रखी है।

आदिवासियों के अधिकार सुनिश्चित करने की मांग को लेकर सौंपा मांग पत्र

भिवानी (हिंस)। राष्ट्रीय आदिवासी एकता परिषद ने उपायुक्त के माध्यम से राष्ट्रपति को मांगपत्र भेजकर आदिवासी लोगों के अधिकार सुनिश्चित करने की मांग की है। मांग पत्र में कहा गया कि असंवैधानिक रूप से कानून बनाकर विभिन्न राज्यों में रहने वाले आदिवासियों की संस्कृति व पहचान समाप्त करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके तहत आदिवासियों को जल जंगल व जमीन से बेदखल किया जा रहा है। इस नीति पर तत्काल रोक लगनी चाहिए। इस मौके पर राष्ट्रीय पिछडा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश प्रजापति एवं इंडियन मेडिकल प्रोफेशनल एसोसिएशन के प्रदेश प्रभारी विनोद सांगा ने कहा कि जिन विदेशी आक्रमणकारियों से लड़ते हुए गुलाम भारत में आदिवासी महापुरूषों ने जल, जंगल और अपनी संस्कृति बचाने के लिए अपनी जान की बाजी लगाई थी, लेकिन देश को आजादी मिलने के बाद वर्ष 1950 में मिले अधिकारों के बावजूद भी विकास, पर्यावरण संरक्षण एवं वन्य प्राणी संरक्षण के नाम पर आदिवासियों को उनके ही घर जल, जंगल व जमीन से विस्थापित किया गया और उनका पुर्नवास करने का कोई ईमानदार प्रयास नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि संविधान में अनुच्छेद 244 के तहत अनुसूची 5 और 6 में उल्लेख है कि इन क्षेत्रों में केंद्रीय या राज्य सरकार को दखल देने का अधिकार नहीं होगा, लेकिन संवैधानिक व्यवस्थाओं के विरोध में राज्य व केंद्र सरकारें लगातार आदिवासियों के विरोध में कानून बनाकर आदिवासियों को उनके ही घर से बेदखल करने का काम कर रही है। जिसके चलते देश भर के लाखों जनजातियों के सामाजिक संगठनों में आक्रोश है तथा मजबूरन उन्हे आंदोलन की राह अपनानी पड़ रही है।

जम्मू-कश्मीर में लोग निर्वाचित सरकार का इंतजार कर रहे हैं : पूर्व मंत्री

जम्मू (हिंस)। जम्मू-कश्मीर के लोग अपने लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकार से वंचित हो रहे हैं क्योंकि केंद्र जम्मू-कश्मीर में चुनाव कराने से कतरा रहा है। यह बात पूर्व मंत्री और क्षेत्रीय अध्यक्ष जेकेएनसी, बाबू राम पॉल ने सांबा जिले के खारा मदाना में कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए कही। रामपॉल इस अवसर पर मुख्य अतिथि थे। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में पिछला चुनाव 2014 में हुआ था और उसके बाद से कोई भी चुनाव नहीं हुआ जिससे लोगों को उनके संवैधानिक और लोकतांत्रिक अधिकारों से वंचित किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है लेकिन लोगों को लंबे समय तक चुनाव से वंचित रखना लोकतंत्र की हत्या है और उन्होंने केंद्र से बिना किसी देरी के जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराने का आग्रह किया। इसी बीच जेकेएनसी के जोनल सचिव डॉ. विकास शर्मा ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि यह एनसी के शासन के तहत था कि पूर्ववर्ती राज्य हमारे देश के शीर्ष राज्यों में से एक था। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी से लेकर साक्षरता तक जम्मू-कश्मीर भारत के अन्य राज्यों से कहीं बेहतर स्थिति में था। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि ऐसी ताकतों को हराया जाए।

सीईटी पास के लिए नहीं बदलेंगे जाएंगे नियम : मनोहर लाल

चंडीगढ़ (हिंस)। एक पद के लिए सीईटी पास चार अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाए जाने को लेकर छिड़े विवाद पर विराम लगाते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने साफ कर दिया है कि सीईटी में किसी प्रकार के नियमों में बदलाव नहीं किया जाएगा। पहले से तय नियमों के अनुसार एक पोस्ट के विपरीत चार अभ्यर्थियों को ही बुलाया जाएगा। गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार दूसरी पूर्व सरकारों की तरह नौकरियां नहीं बांटती है, क्योंकि हमारे समय में योग्यता के आधार पर नौकरियां दी जाती हैं और युवा अपनी मेहनत व योग्यता से नौकरी लेकर जाते हैं। उन्होंने सीईटी की मुख्य परीक्षा के लिए चार गुणा उम्मीदवारों को बुलाने के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए कहा कि अब इस समय भर्ती से संबंधित नियम और शर्तों में कोई बदलाव नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों को आवेदन करने के समय भर्ती के 4 गुणा उम्मीदवारों को बुलाए जाने से संबंधित नियम व शर्तों के बारे में पता था, लेकिन अब कुछ लोग अभ्यर्थियों को उकसा रहे हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोर्ट ने भी कहा है कि किसी भी परीक्षा के विज्ञापन से पहले तय किए गए किसी भी नियम और शर्तों को बाद में किसी भी स्तर पर नहीं बदला जा सकता। नए विज्ञापन जब निकालेंगे तब किसी भी संशोधन पर विचार किया जाएगा। दिव्यांगों को प्रमाण पत्र जारी करने में देरी होने के संबंध में एक अन्य प्रश्न का उत्तर देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीपीपी डेटा के अनुसार राज्य में 2.70 लाख दिव्यांग हैं, जिनमें से 26 प्रतिशत यानी लगभग 73 हजार 197 के प्रमाण पत्र लंबित हैं। ऐसे लोगों को राहत देते हुए सरकार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि यूडीआईडी कार्ड जल्द बनाए जाएं। इसके अलावा दो सप्ताह से लेकर अधिकतम 8 सप्ताह तक का समय दिया गया है। इस अवधि में इन सभी को प्रमाण पत्र मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि दयालु योजना में अब तक 227 लाभार्थियों को सहायता राशि प्रदान की गई है। इसके अलावा, 600 व्यक्तियों का डाटा और उपलब्ध है, जिसे सत्यापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस योजना में विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार एक लाख रुपए से लेकर पांच लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता देने का प्रावधान रखा गया है।

पंजाब में नई खेल नीति जल्द लागू करेगी सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब को खेलों में देश का एक नंबर बनाने की मुख्यमंत्री भगवंत मान की वचनबद्धता को देखते हुए खेल विभाग ने नई खेल नीति के मसौदे को लगभग तैयार कर लिया है। इस जल्द ही लागू करने का ऐलान मुख्यमंत्री करेंगे। पंजाब के खेल मंत्री गुरमीत सिंह मीत हेयर ने गुरुवार को उच्च अधिकारियों के साथ बैठक में प्रस्तावित खेल नीति के मसौदे को अंतिम रूप देने के बाद यह जानकारी दी। इससे पहले खेल मंत्री ने खेल नीति का प्रारूप तैयार करने के लिए खेल विशेषज्ञों की बनाई कमेटी के साथ निरंतर बैठकें की गई थी और खिलाड़ियों और खेलों से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं की फीडबैक भी ली गई। मंत्री मीत हेयर ने कहा कि खेल सभ्याचार पैदा करने के लिए गांव, शहर स्तर से राज्य स्तर तक खेल नर्सरियों से लेकर सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाने पर जोर दिया जा रहा है। खिलाड़ियों की उपलब्धियों के हिसाब के साथ सीधी नौकरियों का प्रबंध करना, खिलाड़ियों की डाइट, प्रशिक्षण और चोटों से उभारने के लिए विशेष सेंटर, कोचों का सम्मान और खेलों के परमोशन के लिए काम करने वाली व्यक्तियों व संस्थाओं का सम्मान खेल नीति का अहम हिस्सा होगा। खेल मंत्री ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों की तैयारी के लिए खिलाड़ियों की वित्तीय मदद से लेकर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों का नकद राशि के साथ सम्मान देने पर भी जोर दिया गया है। इसके अलावा जो खेल मुकाबले इनाम राशि वाली सूची में नहीं शामिल थे, उनको शामिल करना और पैरा स्पोर्टस के साथ स्पेशल ओलम्पिक्स, ब्लाइंड, डैफ खेलों के पदक विजेताओं को भी नकद राशि देने की सिफारिश की जा रही है। मंत्री मीत हेयर ने बताया कि कोचों की भर्ती और खेल विभाग में विभिन्न पद भरने पर भी जोर दिया जाएगा। मौजूदा खेल ढांचे को मजबूत करने से नए खेल स्टेडियमों के निर्माण में खेल ग्राउंड को बनाने पर ही ध्यान केंद्रित किया जाएगा। मीटिंग में विशेष मुख्य सचिव खेल सरवजीत सिंह, विशेष सचिव पी. आनन्द कुमार और डायरैक्टर हरप्रीत सिंह सूदन भी उपस्थित थे।

प्रदेश में जल्द नियमित होंगी दो हजार कालोनियां : मुख्यमंत्री

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार बहुत जल्द प्रदेश में दो हजार आवासीय कालोनियों को निमियत करेगी। सरकार ने एससी समुदाय के लोगों के खिलाफ जघन्य मामलों को छोड़कर दर्ज मामले को वापस लेने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुवार को चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में यह ऐलान करते हुए कहा कि शहरी स्थानीय निकाय और नगर एवं ग्राम आयोजना विभाग राज्यभर में अनियमित कॉलोनियों को नियमित करने के लिए एक व्यापक अभियान चला रहा है। उन्होंने बताया कि इसके लिए कानूनों और नीतियों में भी संशोधन की आवश्यकता है। अभी तक लगभग दो हजार अनियमित कॉलोनियों की सूची हमारे पास है, जिन्हें नियमित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने एससी समुदाय के लोगों के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेने का फैसला किया है। उन्होंने बताया कि साल 2017 में एक आंदोलन हुआ था, जिसमें 54 मामले दर्ज किए गये थे। लगभग 117 लोगों को गिरफ्तार किया गया और कई लोगों को नामजद किया गया। सरकार ने फैसला किया है कि ये सभी मामले वापस ले लिए जाएंगे, बशर्ते अपराध जघन्य न हो।

जम्मू मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के कार्यालय में छापामारी

प्रिंसिपल की नकली डिग्री दस्तावेज होने का शक

जम्मू। जम्मू गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज में आज पुलिस की क्राइम ब्रांच ने मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल के कार्यालय में रेड डाली सूत्रों की माने तो रेड मारने का कारण मेडिकल कॉलेज की प्रिंसिपल की डिग्रियों में गड़बड़ी पाई गई है जिसमें उनके जन्म की तिथि के अलावा अन्य जानकारियां भी गलत पाई गई हैं इसी को लेकर सुबह 9:30 बजे से पुलिस विभाग की टीम गहन जांच में जुटी हुई है ।

जम्मू-कश्मीर : ड्रग्स माफियाओं के खिलाफ अभियान तेज

जम्मू। शिव सेना हिंदुस्तान के जम्मू-कश्मीर के राज्य अध्यक्ष पंडित राजेश केसरी की अध्यक्षता में ड्रग्स माफिया को लेकर एक प्रेस वार्ता की गई। जिसमें केसरी ने पुलिस विभाग की तारीफ की। उन्होंने कहा कि एसएसपी सांबा एसएसपी कठुआ एसएसपी जम्मू ड्रग्स माफिया के खिलाफ खूब काम कर रहे हैं। खास तौर पर जम्मू डिस्ट्रिक्ट के ग्रामीण एरिया में बॉर्डर एरिया में इस वक्त खूब अच्छा काम हो रहा है लेकिन जम्मू सिटी में खास तौर पर जानीपुर, न्यू प्लाट रेशम घर रेवाड़ी, गुज्जर नगर आदि में ध्यान देने की जरूरत है क्योंकि इसमें हमारी पुलिस के कुछ भ्रष्ट कर्मी नशाखोरो के साथ मिलकर कार्य कर रहे हैं। ऐसे लोगों के साथ भी एसएसपी जम्मू को शक्ति दिखाने की जरूरत है। ऐसे लोग समाज के लिए एक कलंक है। यह आतंकवाद का दूसरा रूप है। आतंकवादी भी लोगों की जान लेते हैं और नशाखोरी बेचने वाले भी लोगों की जान लेते हैं। इनके लिए भी एक सख्त कानून बनना चाहिए। क्योंकि पुलिस इनको पकड़ती है। उसके बाद यह जमानत करा कर छूट जाते हैं, कानून सख्त होगा तभी ड्रग्स माफिया पर काबू आ पाएगा। जो भी पुलिस वाले इन नशाखोरीयों के साथ मिलकर नशा भेजते हैं वह अपने बच्चों के भी हत्यारे माने जाएंगे। मौके पर विजय लूथरा बलवीर कुमार आदि भी मौजूद थे।

अनिश्चिकालीन धरने पर बैठे लिपिकों को किसानों ने दिया समर्थन

हिसार (हिंस)। वेतनमान बढ़ाने की मांग पर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे लिपिकों का धरना गुरुवार को दूसरे भी लघु सचिवालय के समक्ष जारी रहा। क्लेरिकल एसोसिएशन वेलफेयर सोसायटी के आह्वान पर जिले के सभी विभागों, विश्वविद्यालयों, निगमों व बोर्डो सहित अन्य संस्थानों के 1600 से अधिक लिपिक वर्ग के कर्मचारियों ने धरने में भाग लिया। लघु सचिवालय के सामने धरने पर बैठे किसानों ने भी लिपिकीय एसोसिएशन को समर्थन दिया तथा अपने समर्थन के दौरान लघु सचिवालय का मुख्य द्वार ट्रेक्टर के माध्यम से बंद कर दिया। लिपिकों की हड़ताल से विभिन्न विभागों में कामकाज प्रभावित होने का दावा किया गया है। जिला प्रधान जितेन्द्र श्योराण ने बताया कि जिले के विभिन्न संगठन एसोसिएशन को समर्थन दे रहे हैं। जिलेभर के लिपिकिय वर्ग के कर्मचारी भी धरने में भाग ले रहे हैं। उन्होंने बताया कि यदि सरकार हमारी मांगों को पूरा नहीं करती है तब तक कोई भी कर्मचारी अपने कार्य पर नहीं जाएगा तथा सभी कर्मचारी शांतिपूर्वक धरने पर बैठे रहेंगे। उपायुक्त कार्यालय के जिला प्रधान राजेश घोटिया ने बताया कि लघु सचिवालय के सभी कर्मचारियों ने धरना में भाग लिया। धरना का मंच संचालन अनील रूहेल ने किया। धरने पर विजय फौजी, सुभाष कुंडू, विरेन्द्र नरवाल, ललित कुंडू, सुनील गुज्जर, यशवीर चौहान, सुनील कुमार, विजय सिवाच, जगबीर पूनिया, सुदर्शन कुमार, सतीश बैनीवाल, कुलदीप गोदारा तथा दिनेश पूनिया ने धरनास्थल पर लिपिकों को संबोधित किया।

गहलोत सरकार को रास नहीं आई मंदिरों में मर्यादित परिधानों की अपील

उदयपुर (हिसं)। उदयपुर के प्रसिद्ध ऐतिहासिक जगदीश मंदिर में शालीन वेशभूषा में प्रवेश को लेकर लगाई गई अपील के पोस्टर शायद राज्य की गहलोत सरकार को रास नहीं आए हैं। यही वजह है कि देवस्थान विभाग के अधिकारियों ने गुरुवार सुबह-सुबह मंदिर पहुंचकर वहां लगे अपील के पोस्टर हटा दिए। वहां मौजूद जनता ने देवस्थान विभाग के अधिकारियों से सवाल किया कि देवस्थान के मंदिरों में भगवान के भोग की चिंता तो कभी की नहीं, सिर्फ मंदिरों से कमाने का काम किया है, कोरोनाकाल में भगवान के भोग की व्यवस्था भी जनता की ओर से की गई, बस यह पोस्टर हटाने के लिए दौड़े चले आए। उल्लेखनीय है कि जगदीश मंदिर में पोस्टर लगाकर अपील की गई थी कि शॉर्ट टी शर्ट, शॉर्ट जींस, बरमूडा, मिनी स्कर्ट, नाइट सूट जैसे पहनावे में मंदिर न आएं। जगदीश मंदिर से जुड़े श्रद्धालुओं की इस पहल के बाद उदयपुर के प्रसिद्ध बोहरा गणेश मंदिर में भी इस *ड्रेस कोड* की अपील के पोस्टर लगा दिए गए थे। धीरे-धीरे अन्य मंदिरों में भी वहां के प्रबंधन संभालने वालों ने इस पर विचार करना शुरू कर दिया है। चूंकि, जगदीश मंदिर सरकार के देवस्थान विभाग के अंतर्गत आता है, ऐसे में इस बात की जानकारी मिलते ही गुरुवार सुबह देवस्थान विभाग के अधिकारी मंदिर पहुंचे और सारे पोस्टर फड़वा दिए गए। वहां मौजूद लोगों ने अन्य व्यवस्थाओं को लेकर सवाल उठाए तो वे टालमटोल करते रहे और यहां तक कह दिया कि देवस्थान विभाग जो करता है वह दिखाता नहीं है। ऐसे में एक ने यह भी जवाब दे दिया जो करता है वह तो विभाग का काम है, सवाल तो यह है कि जो काम नहीं हो रहा है, उसका जवाब क्या है। अचानक अधिकारियों द्वारा सक्रियता दिखाते हुए मर्यादित परिधानों की अपील वाले पोस्टर हटाने की कार्रवाई से श्रद्धालु नाराज नजर आए। उन्होंने कहा कि किसी को रोका तो नहीं जा रहा है, सिर्फ जागरूकता के लिए अपील की जा रही है, ऐसे में विभाग को क्या आपत्ति हो सकती है। क्या मंदिर में परिधानों व आचरण की मर्यादा को लेकर जागरूक करना भी विभाग के नियमों के विरुद्ध है। मंदिर से जुड़ी समितियों के पदाधिकारियों का कहना था कि कुछ दिन पूर्व मंदिर में कुछ पर्यटकों के शराब पीकर प्रवेश करने की भी शिकायत प्राप्त हुई थी, इस सम्बंध में देवस्थान के अधिकारियों को अब तक फुर्सत नहीं मिली है। मंदिर के पुजारी तथा प्रबंध व्यवस्थाओं से जुड़ी समितियों के पदाधिकारियों ने कहा कि मंदिर में शॉर्ट कपड़े नहीं पहनकर आने की अपील की गई है, यह भक्तों को हिंदू संस्कृति के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से लगाया गया है। किसी को रोका नहीं गया है। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पूर्व भीलवाड़ा जिले के प्रसिद्ध कोटड़ी चारभुजानाथ मंदिर में भी ड्रेस कोड लागू किया जा चुका है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं से मर्यादित कपड़े पहनकर आने की अपील की गई है। छोटे कपड़े पहनकर आने वाले श्रद्धालु मंदिर के बाहर से दर्शन कर सकते हैं। मंदिर ट्रस्ट का कहना है कि भक्तों के सुझाव के बाद ही यह निर्णय लिया गया। इसी तरह, भीलवाड़ा जिले के ही हरणी महादेव मंदिर में भी इसी तरह का *ड्रेस कोड* लागू किया जा चुका है।

थ्रेड्स को 4 घंटों में 50 लाख यूजर मिले : लॉन्च के 2 घंटे बाद ही यह संख्या 20 लाख हो गई थी, इसे कहा जा रहा ट्विटर किलर

वॉशिंगटन।

सोशल मीडिया फर्म मेटा के मालिक मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार रात नई माइक्रो ब्लागिंग साइट थ्रेड्स को लॉन्च किया। इसे ट्विटर का कॉम्पिटिटर माना जा रहा है। कुछ यूजर्स इसे ट्विटर किलर भी नाम दे रहे हैं। ट्विटर के दुनियाभर में 100 करोड़ से ज्यादा यूजर हैं। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने बताया कि सिर्फ दो घंटों में थ्रेड्स से 20 लाख लोग जुड़ गए। चार घंटे बाद इसकी संख्या बढ़कर 50 लाख के पार पहुंच गई। इसे अभी 100 देशों में लॉन्च किया गया है। यूरोपियन यूनियन में रेगुलेटरी चिंताओं की वजह से इसे लॉन्च नहीं किया गया है। ट्विटर की तरह ये भी टेक्स्ट-बेस्ड प्लेटफॉर्म है। इस पर 500 कैरेक्टर तक लंबे थ्रेड्स पोस्ट पब्लिश कर सकते हैं। इस पर लिंक, फोटो और वीडियो भी शेयर किए जा सकते हैं। वीडियो 5 मिनट तक लंबे हो सकते हैं। बुधवार रात करीब 11.30 बजे इसे लॉन्च किया गया है।

कम्युनिटीज करंट और ट्रेंडिंग दोनों टॉपिक्स पर चर्चा कर सकेंगी – इस नए ऐप के जरिए कम्युनिटीज करंट और ट्रेंडिंग दोनों टॉपिक्स पर चर्चा करने के लिए एक साथ आ सकते हैं। इसके जरिए आप अपने फेवरेट क्रिएटर्स के साथ भी कनेक्ट हो सकते हैं। अपने आइडिया और ओपिनियन को शेयर कर आप अपनी एक लॉयल फॉलोइंग भी बिल्ड कर सकते हैं। ये ऐप आपकी फाइनेंशियल इंफो, कॉन्टेक्ट इंफो जैसा डेटा कलेक्ट करता है। इंस्टाग्राम के हेड एडम मोसेरी ने कहा कि एलन मस्क के अंडर ट्विटर की अस्थिरता और अप्रत्याशितता ने मेटा को ट्विटर के साथ कॉम्पिटिशन करने का मौका दिया।

थ्रेड्स अकाउंट डिलीट करने के लिए इंस्टाग्राम अकाउंट डिलीट करना होगा – मेटा के इस नए प्लेटफॉर्म थ्रेड्स के इस्तेमाल के लिए कोई वेबसाइट नहीं है। अभी इसे केवल ऐप के जरिए एक्सेस किया जा सकता है। वहीं थ्रेड्स प्रोफाइल बनाने के बाद अगर आप इसका इस्तेमाल बंद करना चाहते हैं तो इसे डिएक्टिवेट करना होगा। क्योंकि ये इंस्टाग्राम के साथ जुड़ा हुआ है इसलिए इसे अकेले डिलीट नहीं कर सकते। इसे डिलीट करने के लिए इंस्टाग्राम अकाउंट को भी डिलीट करना होगा।

थ्रेड ऐप के कारण मस्क और जुकरबर्ग के बीच केज फाइट – बीते दिनों जुकरबर्ग की कंपनी मेटा ने ट्विटर जैसा प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की बात कही थी। इसके बाद डेली मेल ने एक रिपोर्ट पब्लिश की, जिसकी हेडलाइन थी– ट्विटर को खत्म करने का जुकरबर्ग का मास्टर प्लान सामने आया। इस रिपोर्ट को ट्विटर पर शेयर किया जाने लगा।

न्यूज ब्रीफ

वंदे भारत ट्रेनों का किराया 30प्रतिशत तक घट सकता है: कम दूरी वाले रूट पर यात्री कम; इंदौर-भोपाल, भोपाल-जबलपुर रूट सिर्फ 29प्रतिशत पैसेंजर्स

नई दिल्ली। वंदे भारत ट्रेन में यात्रा करने वाले लोगों के लिए अच्छी खबर है। रेलवे कम दूरी और कम यात्री वाली कुछ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का किराया घटाने पर विचार कर रहा है। छोटी दूरी वाली कुछ वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों की सीटें पूरी तरह फुल नहीं हो पा रही हैं। ऐसे में किराए का रिव्यू किया जा रहा है। संभावना जताई जा रही है कि 25प्रतिशत से 30प्रतिशत किराया कम हो सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इंदौर-भोपाल, भोपाल-जबलपुर और नागपुर-बिलासपुर एक्सप्रेस समेत अन्य वंदे भारत ट्रेनों के किराए में कमी होने के आसार हैं। जून में भोपाल-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में केवल 29प्रतिशत सीटें भरी रिपोर्ट के मुताबिक, जून महीने में भोपाल-जबलपुर वंदे भारत एक्सप्रेस में केवल 29प्रतिशत सीट ही भरी हुई थीं। वहीं, इंदौर-भोपाल वंदे भारत एक्सप्रेस में केवल 21प्रतिशत ऑक्यूपेंसी रही। भोपाल से जबलपुर तक एसी चेयर का किराया 1,055 है, जबकि एग्जीक्यूटिव चेयर कार टिकट की कीमत 1,880 है। हालांकि, वापसी में इसका किराया अलग है। इसमें एक एसी चेयर के लिए 955 और एक एग्जीक्यूटिव चेयर कार के लिए 1790 का टिकट है। इसके अलावा इंदौर से भोपाल तक एसी चेयर का किराया 810 और एग्जीक्यूटिव चेयर कार टिकट की कीमत 1,510 है। नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस की करीब 55प्रतिशत सीटें ही फुल हो पा रही हैं। नागपुर-बिलासपुर वंदे भारत एक्सप्रेस से एग्जीक्यूटिव क्लास का किराया 2,045 रुपए है, जबकि चेयर कार का किराया 1,075 रुपए है।

देश में 10प्रतिशत बढ़ी वाहनों की बिक्री: जून-2023 में 18.63 लाख वाहन बिके, मारुति ने सबसे ज्यादा कारें बेचीं

नई दिल्ली। भारत में वाहनों की ओवरऑल रिटेल सेल्स में 10प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है।

जून-2023 में देशभर में 18,63,868 व्हीकल बेचे गए, जबकि पिछले साल इसी महीने में 17,01,105 व्हीकल बेचे गए थे। इनमें पैसेंजर व्हीकल और टू-व्हीलर शामिल हैं। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन ने गुरुवार (6 जुलाई) को जून 2023 में वाहनों की रिटेल सेल्स के आंकड़े जारी किए हैं। फाडा के अध्यक्ष मनीष राज सिंघानिया ने कहा कि सालाना आधार पर वाहनों की रिटेल सेल्स 10प्रतिशत बढ़ी है। वहीं दूसरी ओर मंथ-ऑन-मंथ बेस पर रिटेल सेल्स में 8प्रतिशत की गिरावट आई है। यह थोड़े समय के लिए वाहन बाजार में नरमी का इशारा करता है। जून में पैसेंजर व्हीकल की रिटेल सेल्स 5प्रतिशत बढ़कर 2,95,299 इकाई पर पहुंच गई है। जून-2022 में इंडियन मार्केट में 2,81,811 पैसेंजर व्हीकल बेचे गए थे। इसी तरह पिछले महीने टूव्हीलर्स की सेल्स 7प्रतिशत बढ़कर 13,10,186 यूनिट्स पर पहुंच गई। एक साल पहले जून में 12,27,149 दोपहिया बिके थे। थ्री व्हीलर्स की सेल्स पिछले साल जून के 49,299 यूनिट्स से 75प्रतिशत बढ़कर 86,511 यूनिट हो गई। ट्रैक्टरों की रिटेल सेल्स सालाना आधार पर 45प्रतिशत बढ़कर 98,660 इकाई हो गई, जबकि कमर्शियल व्हीकल्स की बिक्री जून-2022 के 72,894 इकाई के आंकड़े से मामूली बढ़ोतरी के साथ 73,212 इकाई रही।

जीएसटी पंजीकरण में इजाफा, पंजीकृत करदाताओं की संख्या 67.83 लाख से बढ़कर 1.40 करोड़ हुई

नई दिल्ली । भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) की ओर से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के छह वर्ष पूरे होने पर 'ट्रांसफॉर्मिंग द इनडायरेक्ट टैक्सेशन सिस्टम' विषय पर बुधवार को राष्टीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एसोचैम ने जीएसटी सिफारिशों पर एक पेपर जारी किया। सम्मेलन में वित्त मंत्रालय के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के विशेष सचिव व जीएसटी के सदस्य शशांक प्रिया ने कहा कि अनुपालन में सुधार जीएसटी राजस्व बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2023-2024 के कार्यप्रणाली में प्रतिमाह औसतन 1.69 लाख करोड़ राजस्व अर्जित कर रहे हैं। राजस्व दर के अनुरूप कर दरों में वृद्धि किए बिना राजस्व बढ़ रहा है। जीएसटी शुरू होने के समय पंजीकृत करदाताओं की संख्या 67.83 लाख थी, जो अब 1.40 करोड़ पहुंच गई है। गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क के सीईओ मनीष कुमार सिन्हा ने कहा कि जीएसटी एक ऐसा डाटा तैयार करके देता है, जिसमें कोई बिंदु नहीं होता है। देश में हो रही कर चोरी को रोकने के लिए सरकार जीएसटी लाई है।

टाटा स्टील ने 38 एम्प्लॉइज को निकाला

एथिकल इश्यूज के चलते गई नौकरियां, कंपनी के चेयरमैन बोले- एथिक्स हमारी प्रायोरिटी

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा स्टील ने सेक्सुअल हैरेसमेंट और एथिकल इश्यूज से जुड़ी अन-एक्सेप्टेबल प्रैक्टिसेस के चलते 38 एम्प्लॉइज को नौकरी से निकाल दिया है। कंपनी के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने बुधवार (5 जुलाई) को एनुअल जनरल मीटिंग में इस बात की जानकारी दी।

टाटा स्टील को पिछले साल 875 शिकायतें मिलीं थीं

टाटा स्टील को पिछले साल 875 शिकायतें मिलीं थीं। जिनमें से 158 व्हिसिलब्लोअर, 48 सेफ्टी और 669 ह्यूमन रिसोर्स और बिहेवियर से जुड़ी शिकायतें थीं। यह सभी शिकायतें स्टैंडअलोन टाटा स्टील के अलावा भारत और विदेश में इसकी सहायक कंपनियों में की गईं थीं।

शिकायतों में से हमने 38 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है

कंपनी की एजीएम में चंद्रशेखरन ने कहा, इन शिकायतों में से हमने 38 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है, जिन्हें कंपनी से बर्खास्त कर दिया गया है। 3 को सेक्सुअल हैरेसमेंट और 35 एम्प्लॉइज को एथिकल इश्यूज से जुड़ी अन-एक्सेप्टेबल प्रैक्टिसेस के कारण नौकरी से निकाला गया है।

हम हाईएस्ट वैल्यूज और जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को बनाए रखेंगे

चंद्रशेखरन ने कहा, कंपनी के रूप में हम एक ग्लोबल बेंचमार्क हैं। इसलिए हम कंपनी में एक ऐसे कल्चर को बढ़ावा देना जारी रखेंगे, जहां हम हाईएस्ट वैल्यूज और जीरो टॉलरेंस पॉलिसी को बनाए रखेंगे। चन्द्रशेखरन ने कहा कि रिपोर्ट की गई शिकायतों की संख्या में ग्रोथ देखी जा सकती है, जो एक अच्छी बात है।

टाटा स्टील ने पिछले कुछ सालों में कई महत्वपूर्ण अधिग्रहण किए हैं

नटराजन चंद्रशेखरन ने कहा, टाटा स्टील ने पिछले कुछ सालों में कई महत्वपूर्ण अधिग्रहण किए हैं। हम तीन या चार कंपनियों का विलय भी कर रहे हैं। जिसमें भूषण (स्टील), उषा मार्टिन और नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड के नाम शामिल हैं। इन सभी कंपनियों का विलय हो रहा है। उन्होंने कहा, हम एक ओपन कल्चर की ओर बढ़ रहे हैं, जहां हर कर्मचारी किसी भी क्षेत्र में अपनी चिंता व्यक्त कर सकता है। सेक्सुअल हैरेसमेंट, एम्प्लॉई ग्रीवेंस या कोई व्यक्ति ऐसा काम कर रहा है, जो उन्हें लगता है कि कंपनी के लिए वो गलत है, तो एम्प्लॉई शिकायत कर सकता है। इन चीजों को रिकॉर्ड करने के लिए हम बोर्ड में सभी को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

सेफ्टी हमारी प्राथमिकता, इसके लिए 50 लोगों की एक टीम बनाई है

चंद्रशेखरन ने कहा कि सेफ्टी हमारी प्राथमिकता है। यह कमेंट्स पिछले महीने ओडिशा के ढेंकनाल जिले में टाटा स्टील के मेरामंडली पावर प्लांट में स्टीम लीक होने के बाद आए हैं, जिसमें कुछ वर्कर्स घायल हो गए थे।उन्होंने कहा, हर इंडस्ट्रियल कंपनी में सेफ्टी के कारण हाई लेवल का रिस्क होता है, क्योंकि वे फैक्ट्री सेट-अप में काम करते हैं। जिसमें मशीनरी, माल की आवाजाही शामिल होती है और वे बड़ी संख्या में कॉन्ट्रैक्टर्स को भी नियुक्त करते हैं। इसलिए हमने कई कदम उठाए हैं। चंद्रशेखरन कहा कि लगभग 50 लोगों की एक टीम है, जिसमें ग्रुप की टॉप कंपनियों के सीईओ, की-लीडर्स और सेफ्टी टीमों के लोग शामिल हैं। यह सभी दो साल में शून्य मृत्यु दर का टारगेट हासिल करने के लिए काम कर रहे हैं।

एक चीफ सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त करने पर विचार कर रहा है ग्रुप

चंद्रशेखरन ने कहा, वे न केवल आपस में जुड़ते हैं, बल्कि बेस्ट प्रैक्टिस प्राप्त करने के लिए इंटरनेशनल टीमों के साथ भी जुड़ते हैं और यह प्रोसेस जारी है। दुर्भाग्य से हमारे पास अभी भी मृत्यु दर हैं और मानवीय भूल के कारण कई बार ये मौतें होना दुखद है। ग्रुप कंपनियों में सेफ्टी के महत्व को बढ़ाने के लिए एक चीफ सेफ्टी ऑफिसर नियुक्त करने पर विचार कर रहा है।

चाहे एथिक्स हो या सेफ्टी, पूरे ग्रुप में हमारे लिए ये सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं

उन्होंने कहा, चाहे एथिक्स हो या सेफ्टी हो, ये पूरे ग्रुप में हमारे लिए सर्वोच्च प्राथमिकताएं हैं। इसके लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं और उम्मीद है कि हम इसे ज्यादा से ज्यादा कल्चर में शामिल करेंगे। उन्होंने कहा, जैसा कि हम नई कंपनियों का विस्तार और अधिग्रहण कर रहे हैं, उनके एकीकरण के लिए इन चीजों को मजबूत करने की आवश्यकता होगी।

इस्तीफा दे चुके चेयरमैन दीपक पारेख का 45 साल पुराना ऑफर लेटर वायरल

मुंबई ।

एचडीएफसी और एचडीएफसी बैंक के बीच विलय के बाद इसके चेयरमैन दीपक पारेख ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इतना ही नहीं उन्होंने ग्रुप के कर्मचारियों के साथ एक भावनात्मक चिट्ठी भी साझा की। इस बीच एचडीएफसी बैंक में उनके पहले ऑफर लेटर की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। इस चिट्ठी की तारीख 19 जुलाई 1978 है और इसमें पारेख की तनख्वाह से लेकर उनके अनुबंध तक की जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे पारेख के इस कथित ऑफर लेटर की सत्यापन नहीं करता। इस लेटर के मुताबिक, एचडीएफसी बैंक में उनकी नियुक्ति डिप्टी जनरल मैनेजर के तौर पर हुई थी। पारेख को 3500 रुपये की बेसिक सैलरी और 500 रुपये का महंगाई भत्ता मिलना तय किया गया था। 45 साल पुराने इस लेटर में के मुताबिक, उनकी सैलरी में 15 फीसदी हाउसिंग रेंट अलाउंस (एचआरए) और 10 फीसदी शहरी मुआवजा भत्ता (सीसीए) शामिल थे। 78 वर्षीय दीपक पारेख को एचडीएफसी बैंक में कॉरपोरेशन प्रोविडेंट फंड, ग्रैच्युटी, मेडिकल लाभ, यात्रा सुविधाएं और घर पर लगे फोन का खर्च भी मुहैया कराने से जुड़ी जानकारी इस लेटर में हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के बैंकों के लिए उम्र से जुड़े नियम बनाने की वजह से एचडीएफसी में 45 साल लंबे करियर के बाद अब पारेख बैंक के बोर्ड में भी नहीं होंगे। पारेख को पांच कंपनियों को सार्वजनिक करने के लिए भी श्रेय दिया जाता है। इतना ही नहीं एचडीएफसी ने उनके नेतृत्व में 90 लाख से ज्यादा भारतीयों को होम लोन मुहैया कराए हैं। एचडीएफसी बैंक ने पिछले साल 4 अप्रैल को लगभग 40 अरब डॉलर के सौदे में सबसे बड़े घरेलू बंधक ऋणदाता का अधिग्रहण करने पर सहमति व्यक्त की थी। प्रस्तावित इकाई का संयुक्त परिसंपत्ति आधार करीब 18 लाख करोड़ रुपये होगा। इसके बाद ही दीपक पारेख ने बोर्ड की आखिरी बैठक में कहा था कि अब संन्यास लेने का समय आ गया है। अब हम विकास और समृद्धि के रोमांचक भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। समूह के स्वामित्व की कमान बैंक के हाथ में आने से एचडीएफसी बैंक व समूह की कंपनियों के बीच तालमेल गहरा होगा। एचडीएफसी बैंक होम लोन ग्राहकों को बेहतर सेवा देगा।

मुंबई, दिल्ली समेत 5 शहरों में ओएनडीसी लॉन्च: खरीदारी के लिए अलग-अलग ऐप की जरूरत नहीं, प्राइस कंपेयर कर प्रोडक्ट खरीद सकते हैं

नई दिल्ली।

डिजिटल कॉमर्स के लिए ओपन नेटवर्क ने 5 शहर मुंबई, दिल्ली, चेन्नई, हैदराबाद और कोलकाता में अपना बीटा फेज गुरुवार को लॉन्च किया। नए शहर जुड़ने के बाद अब ओएनडीसी नेटवर्क भारत के सात शहरों में बायर्स और सेलर्स के लिए उपलब्ध है। सबसे पहले सितंबर 2022 में इसे बेंगलुरु में लॉन्च किया गया था। फिर दिसंबर 2022 में मेरठ में ये लाइव हुआ। इसमें खरीदारी के लिए अमेजन, फ्लिपकार्ट, जोमैटो जैसे अलग-अलग ऐप की जरूरत नहीं है। आप यहां प्राइस कंपेयर कर कोई भी प्रोडक्ट खरीद सकते हैं।

पेटीएम जैसे ऐप्स के जरिए यूज कर सकते हैं ओएनडीसी

इन सात शहरों के कंज्यूमर अब पेटीएम, मायस्टोर, स्पाइस मनी और मैजिकपिन जैसे चार एक्टिव बायर एप्लीकेशन के जरिए ओएनडीसी नेटवर्क पर सेलर्स से खरीदारी कर सकेंगे। वर्तमान में इस नेटवर्क से 200 से ज्यादा शहरों में करीब 40,000 सेलर्स जुड़े हुए हैं।

अप्रैल 2022 में पांच शहरों में अल्फा रोलआउट हुआ था

ओएनडीसी ने सेलर्स और बायर्स के एक क्लोज्ड ग्रुप के साथ लाइव ट्रांजैक्शन की टेस्टिंग करने के लिए अप्रैल 2022 में पांच शहरों में अपना अल्फा रोल-आउट किया था। अब बीटा लाइव होने का मुख्य कारण यूजर्स को ओपन नेटर्व का एक्सपीरियंस कराना, रियल टाइम फीडबैक लेना और पूरे भारत में रोल-आउट से पहले बड़े पैमाने पर नेटवर्क का टेस्ट करना है।

बीटा लाइव के बाद ज्यादा से ज्यादा बिजनेस जुड़ेंगे

ओएनडीसी के एमडी और सीईओ टी कोशी ने कहा, हमें उम्मीद है कि इस बीटा लाइव के बाद ज्यादा से ज्यादा बिजनेस हमारे साथ जुड़ेंगे। इसके अलावा, जैसे-जैसे हम ज्यदा कंज्यूमर्स तक पहुंचेंगे वैसे-वैसे हमें नेटवर्क को इंप्रूव करने में मदद मिलेगी। किसी एक सिंगल प्लेटफॉर्म पर डिपेंडेंसी को खत्म करने के लिए डिपार्टमेंट ऑफ प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड ने ओएनडीसी की शुरुआत की है।

डेबिट-क्रेडिट कार्ड का कहीं भी उपयोग कर सकेंगे ग्राहक, आरबीआई के नए नियम से रुपे कार्ड को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली ।

अब डेबिट और क्रेडिट कार्ड का उपयोग कहीं भी किया जा सकेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि कार्ड खास नेटवर्क के लिए जारी नहीं किया जाएगा। इसे सभी नेटवर्क पर इस्तेमाल करने की छूट होनी चाहिए। इस संबंध में इन कार्डों के नियमों के बदलाव संबंधी प्रस्ताव जारी किया गया है। यह एक अक्तूबर से लागू हो सकता है। आरबीआई ने इस प्रस्ताव पर आम लोगों से राय मांगी है। केंद्रीय बैंक के इस फैसले के बाद डेबिट, प्री-पेड कार्ड के नियम बदल सकते हैं। आरबीआई का मकसद कार्ड नेटवर्क की भूमिका मर्चेंट (दुकानदार) और कार्ड जारीकर्ताओं के बीच लेनदेन को सुविधाजनक बनाना है। अभी तक ऐसा होता है कि कुछ क्रेडिट या डेबिट कार्ड कहीं-कहीं नहीं चलते हैं। ऐसा आमतौर पर मर्चेंट (दुकानदारों) के साथ भुगतान के समय होता है। कुछ क्रेडिट कार्ड केवल चुनिंदा दुकानदारों के साथ ही स्वैप

हो सकते हैं। हर मर्चेंट सभी नेटवर्क स्वीकार नहीं करता है। कहीं वीजा कार्ड नहीं चलता है तो कहीं मास्टर कार्ड नहीं चलता है।

रुपे कार्ड को मिलेगा बढ़ावा

सरकार की ओर से रुपे कार्ड को बढ़ावा देने के लिए आरबीआई नए नियम ला रहा है। क्योंकि अमेरिकी वीजा और मास्टरकार्ड ही आमतौर पर कार्ड सुविधाएं उपलब्ध कराती है। साथ ही इनके नेटवर्क में रुपे कार्ड का प्रवेश नहीं होता है। कार्ड जारीकर्ता अपने ग्राहकों को कई कार्ड नेटवर्कों में से किसी एक को चुनने का विकल्प प्रदान करेंगे। इस विकल्प का उपयोग ग्राहक या तो जारी होने के समय या उसके बाद किसी भी वक्त कर सकते हैं।

एक से अधिक नेटवर्क पर जारी करना होगा कार्ड

आरबीआई ने कहा, समीक्षा करने पर यह पाया गया कि कार्ड नेटवर्क और कार्ड जारीकर्ताओं (बैंकों और गैर-बैंकों) के बीच मौजूद व्यवस्थाएं ग्राहकों के लिए विकल्प की उपलब्धता के लिए अनुकूल नहीं हैं। कार्ड जारीकर्ताओं को कार्ड नेटवर्क के साथ ऐसा कोई समझौता नहीं करना चाहिए जो ग्राहकों को अन्य कार्ड नेटवर्क की सेवाओं का लाभ उठाने से रोकता हो। कार्ड जारीकर्ता एक से अधिक कार्ड नेटवर्क पर कार्ड जारी करेंगे। आरबीआई रुपये के अंतराष्ट्रीयकरण को लेकर अंतर विभागीय समूह की रिपोर्ट का अध्ययन करेगा। आरबीआई ने रिपोर्ट को अपनी वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है।

गो-फर्स्ट को लीज पर विमान देने-वालों को हाईकोर्ट से राहत

कोर्ट ने विमानों की निगरानी और मेंटेनेंस की अनुमति दी, दो महीने से बंद हैं फ्लाइट्स

नई दिल्ली।

कैश की तंगी से करीब दो महीने से बंद पड़ी एयरलाइन गो फर्स्ट को लीज पर विमान देने वाली कंपनियों यानी लेसर्स को दिल्ली हाईकोर्ट ने राहत दी है। कोर्ट की सिंगल जज बेंच ने लेसर्स को अपने 30 विमानों की निगरानी और मेंटेनेंस करने की परमिशन दे दी है।

कोर्ट ने इस मामले में अंतरिम ऑर्डर जारी किया है। इसमें जस्टिस तारा वी गंजु ने कहा, गो फर्स्ट के कर्मचारी, विमान लीज पर देने वाली कंपनियों की अनुमति के बिना विमानों से जुड़ा कोई काम नहीं करेंगे। ऑर्डर में यह भी कहा गया है कि विमान काफी महंगे और तकनीकी रूप से जटिल हैं, इनको नियमित तौर पर मेंटेमेंटेनेंस की जरूरत है। बेंच ने कहा कि लेसर्स को रिट पिटीशन के फाइनल डिस्पोजल तक अंतरिम रखरखाव करने के लिए महीने में कम से कम दो बार अपने विमान तक एक्सेस मिलेगा। डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन यानी ष्ठत्रष्ट और संबंधित एयरपोर्ट अथारिटीज ये एक्सेस देंगे।

हाई कोर्ट ने डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन और एयरपोर्ट्स से पूछा कि एयरलाइन के विमान कहां रखे गए हैं, ताकि अगले 3 दिनों में कंपनियां अपने विमानों तक पहुंच सकें। इस मामले की अगली सुनवाई 3 अगस्त को होगी। इससे पहले गो फर्स्ट के क्रेडिटर्स ने एयरलाइन रिवाइवल के लिए 425 करोड़ रुपए की अंतरिम फंडिंग को मंजूरी दी थी। गो फर्स्ट ने जुलाई में ऑपरेशन फिर से शुरू करने और 22 विमानों के साथ 78 डेली फ्लाइट ऑपरेट करने का प्लान बनाया है।

कंपनियों ने विमानों को रिलीज करने की मांग की

एयरक्राफ्ट लीजिंग कंपनियों में पेमब्रोक एविएशन, एक्सिपिटर इनवेस्टमेंट्स एयरक्राफ्ट्स 2 लिमिटेड, ईओएस एविएशन और एसएमबीसी एविएशन शामिल हैं। कंपनियों ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर कर उन विमानों को रिलीज करने की मांग की थी, जो गो फर्स्ट को लीज पर दिए गए थे। एनसीएलएटी ने 22 मई को एनसीएलटी के उस ऑर्डर को भी सही ठहराया था, जिसके तहत दिवालिया घोषित करने के लिए गो फर्स्ट की याचिका स्वीकार की गई थी।

पूरा मामला समझें

गो फर्स्ट एयरलाइन ने 2 मई को बताया कि वो 3, 4 और 5 मई के लिए अपनी सभी फ्लाइट कैंसिल कर रही है। 3 मई को एयरलाइन स्वैच्छिक दिवालिया याचिका के लिए नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल यानी एनसीएलटी पहुंच गई। गो फर्स्ट एयरलाइन की याचिका पर एनसीएलटी ने 4 मई को सुनवाई करते हुए फैसला सुरक्षित रख लिया था। फ्लाइट सस्पेंशन को 9 मई किया गया। फिर कई बार इसे बढ़ाया गया। अभी फ्लाइट 10 जुलाई तक सस्पेंड है। 10 मई को एनसीएलटी ने एयरलाइन को राहत देते हुए मोरेटोरियम की मांग को मान लिया और आईआरपी नियुक्त किया।

अभिलाष लाल को आईआरपी नियुक्त किया था

जस्टिस रामलिंगम सुधाकर और रहृ गुप्ता की दो सदस्यीय बेंच ने कर्ज में डूबी गो फर्स्ट को चलाने के लिए अभिलाष लाल को इंटरिम रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल यानी आईआरपी नियुक्त किया था। यह पहली बार था जब किसी भारतीय एयरलाइन ने खुद से ही अपने कॉन्ट्रेक्ट और कर्ज को रिनेगोशिएट करने के लिए बैंकरप्सी प्रोट्रेक्शन की मांग की थी।

लेसर्स ने इंटरिम मोरेटोरियम की मांग पर आपत्ति जताई थी

इससे पहले एयरलाइन की इंटरिम मोरेटोरियम की मांग पर 4 मई को एनसीएलटी ने पहली सुनवाई की थी। इस दौरान गो फर्स्ट को लीज पर एयरक्राफ्ट देने वाली फर्म्स ने एनसीएलटी से कहा था कि उन्हें एयरलाइन की इंटरिम मोरेटोरियम की मांग पर आपत्ति है। मोरेटोरियम के गंभीर परिणाम होंगे। लेसर्स ने जस्टिस रामलिंगम सुधाकर की अगुआई वाली बेंच को बताया था कि उन्होंने लीज को खत्म कर दिया है और वे विमान वापस पाने के हकदार हैं। लेसर्स ने कहा था कि मेंटेनेंस और अन्य खर्चों को लेकर भी गो फर्स्ट का रिकॉर्ड ठीक नहीं हैं। यदि गो फर्स्ट को मोरेटोरियम राहत दी जाती है, तो वे अपने ग्राउंडेड विमान को वापस नहीं ले पाएंगे। गो फर्स्ट की वेबसाइट के अनुसार एयरलाइन एक समय रोजाना 27 डोमेस्टिक और 8 इंटरनेशनल डेस्टिनेशन के लिए 200 से ज्यादा फ्लाइट ऑपरेट करती थी।

काजोल को काम करने के लिए सास ने किया प्रेरित, बेटी नीसा के जन्म के बाद बनाया शेड्यूल

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड एक्ट्रेस काजोल ने बताया है कि उनकी सास उन पहले लोगों में से एक थीं, जिन्होंने उन्हें अपनी बेटी नीसा के जन्म के बाद काम करना शुरू करने के लिए कहा था। एक्ट्रेस ने कहा कि उनके पास एक मजबूत सपोर्ट सिस्टम है, जो उन्हें अपने काम में एक्सीलेंस हासिल करने के लिए प्रेरित करती है। काजोल जल्द ही अपकमिंग स्ट्रीमिंग सीरीज द ट्रायल - प्यार, कानून, धोखा में एक वकील नोयोनिका की भूमिका निभाती नजर आएंगी। एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि मेरे पास सबसे अद्भुत परिवार है, जो मेरा सपोर्ट करता है। वास्तव में, मेरी सास उन पहले लोगों में से एक थीं जिन्होंने मुझसे कहा कि नीसा के जन्म के बाद मुझे काम करना शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा, उसकी चिंता मत करो और हम तुम्हारे लिए हैं। मेरे पति अपना शेड्यूल मेरे अनुसार तैयार करते हैं। इसलिए, अगर मुझे कोई आउटडोर शूट करना है, तो वह सुनिश्चित करते थे कि उनके पास कोई शूट न हो और इसके विपरीत, आप जानते हैं कि हम एक-दूसरे के लिए ऐसा करते हैं। काम और परिवार के बीच एक हेल्दी बैलेंस बनाना इन दिनों एक जरूरी स्किल है। सीरीज में, नोयोनिका अपने सपने का पीछा करती है और अपने बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम बिताती है और काम को मैनेज करती है। उन्होंने आगे कहा कि जहां तक काम करने और अपने बच्चों से दूर समय बिताने का सवाल है, मेरी मां हमेशा इस बात पर जोर देती थीं कि क्वालिटी हमेशा क्वांटिटी से अधिक महत्वपूर्ण होती है। भले ही आप दिन में 10 मिनट भी बिताते हैं, वह समय अपने बच्चों के साथ बिना किसी ध्यान भटकाए, बिना हाथ में फोन या टीवी चालू किए, बस आप टाइम बिताए। मुझे लगता है कि एक माता-पिता के रूप में यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कर सकती हूं। शो में शीबा चड्ढा, जिशु सेनगुप्ता, एली खान, कुब्रा सैत और गौरव पांडे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित द ट्रायल-प्यार, कानून, धोखा का सुपर्ण एस. वर्मा ने निर्देशन किय है।

दीपिका कक्कड़ ने बताई अपने बच्चे की डिलीवरी जर्नी, छलक पड़े एक्ट्रेस के आंसू

मुंबई (ईएमएस)। छोटे पर्दे की मशहूर अभिनेत्री दीपिका कक्कड़ ने अपने बच्चे के जन्म की कहानी को शेयर किया है। गौरतलब है कि दीपिका एक्ट्रेस होने के साथ-साथ यूट्यूबर भी हैं, जो अपनी लाइफ से जुड़ी हर डिटेल्स शेयर करती हैं। हाल ही में, वह मां बनी हैं और एक्ट्रेस ने अपने डिलीवरी एक्सपीरियंस को शेयर किया है। दीपिका कक्कड़ ने 21 जून 2023 को प्री-मेच्योर डिलीवरी से एक बेबी बॉय को जन्म दिया था। एक्ट्रेस का बेटा अभी एनआईसीयू में है। दीपिका अभी हॉस्पिटल में ही हैं। डिलीवरी के बाद से ही एक्ट्रेस ने कोई व्लॉग शेयर नहीं किया था। हालांकि, उनके पति शोएब इब्राहिम व अपने चाहने वालों के साथ हर अपडेट शेयर कर रहे थे। अब दीपिका ने भी लेटेस्ट व्लॉग शेयर कर डिलीवरी एक्सपीरियंस शेयर किया है। एक्ट्रेस ने कहा कि शोएब के जन्मदिन पार्टी के बाद जब वह घर आईं और सोने गईं, तभी उन्हें वाटर ब्रेक हुआ था। पहले उन्होंने इसे मामूली समझा और अचानक से वाटर इन्क्रीज हुआ और बिना देरी किए शोएब उन्हें हॉस्पिटल ले गए। दीपिका ने कहा कि इस दौरान वह पैनिक हो गई थीं। मैं उस वक्त घबरा गई थी। मैंने शोएब से कहा कि वह श्वेता (डॉक्टर) को फोन करें। डॉक्टर ने तुरंत डिलीवरी करने की बात कही और हॉस्पिटल बुलाया। शोएब चेंज करने के लिए चले गए और मैं कबर्ड के सामने खड़ी थी और मुझे रोना आ रहा था। मैं पैनिक हो रही थी। मेरे दिमाग में हजार चीजें चल रही थीं। शोएब ने मुझसे तैयार होने के लिए कहा और मैं एकदम रोने जैसी हो गई।

फिर शोएब ने मुझे रिलैक्स करने के लिए कहा। दीपिका ने आगे बताया कि जब वह कार में बैठीं तो वह बहुत घबराई हुई थीं और होने वाले बेबी से कह रही थीं कि थोड़ा मूवमेंट दिखा दो और फिर दो-तीन बार बेबी मूव हुआ। इसके बाद दीपिका आखिरकार शांत हुईं। हॉस्पिटल में जाने के बाद दीपिका ने शोएब को भी डिलीवरी के दौरान मौजूद रहने के लिए कहा था। जब शोएब तैयार होने गए तो बार-बार दीपिका उनके बारे में पूछकर पैनिक हो रही थीं। दीपिका कक्कड़ ने आगे खुलासा किया कि शोएब के आने के बाद वह काफी रिलैक्स हो गई थीं और उन्होंने अपनी पूरी सी-सेक्शन डिलीवरी जर्नी एन्जॉय की। दीपिका ने कहा कि उन्हें पहले से ही पता था कि लड़का होगा और वही हुआ। दीपिका अपने बच्चे को पहली बार देखने के अनुभव को बताते हुए इमोशनल हो गईं। दीपिका ने ये भी बताया कि ईद के मौके पर उन्हें दुनिया का सबसे खूबसूरत तोहफा मिला और वह था अपने बच्चे को अपनी बाहों में लेना। एक्ट्रेस ने पहली बार अपने बच्चे को गोद में लिया और सहलाया। इस तरह से बच्चे के जन्म को इंज्वाय किया।

ए टेलर मर्डर स्टोरी का टीजर आउट: नवंबर में रिलीज होगी फिल्म

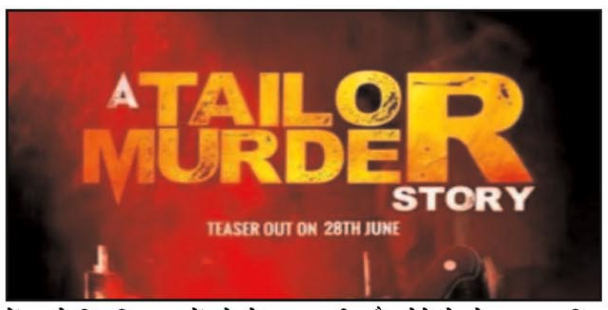

मुंबई (ईएमएस)। कन्हैया लाल एक दर्जी थे, जिनकी 2022 में उदयपुर में दिनदहाड़े हत्या की गई थी। इस भयानक घटना ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था, क्योंकि दो लोग, ग्राहक बनकर, उनकी दुकान में घुसे और उनका सिर काट दिया। घटना के करीब एक साल बाद कन्हैया हत्याकांड पर आधारित फिल्म बन रही है। भरत सिंह द्वारा निर्देशित, इसका नाम ए टेलर मर्डर स्टोरी है। फिल्म का इंटेंस टीजर भी सोशल मीडिया पर आ चुका है। कन्हैया लाल की दो लोगों ने हत्या कर दी और उसका सिर काट दिया। बाद में, उन्होंने नूपुर शर्मा के समर्थन में एक सोशल मीडिया पोस्ट पर उस व्यक्ति की हत्या करने की बात स्वीकार करते हुए एक वीडियो रिकॉर्ड किया। नूपुर शर्मा पिछले साल पैगंबर मोहम्मद के बारे में अपने विवादित बयानों को लेकर चर्चा में थीं।

घटना पर अब भरत सिंह द्वारा जानी फायरफॉक्स फिल्म्स और लूसिओल प्रोडक्शन के तहत एक फीचर फिल्म बनाई जा रही है। आगामी फिल्म का टीजर भी ऑनलाइन साझा किया गया था और इसमें हत्या के भयानक विवरण का खुलासा किया गया है। कन्हैया की पत्नी और बेटे ने प्रोड्यूसर अमित जानी को एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) दे दी है। आगामी फिल्म ए टेलर मर्डर स्टोरी लगभग 25 करोड़ रुपये से 30 करोड़ रुपये के बजट पर बनाई जाएगी। यह इसी साल नवंबर में रिलीज होगी। कन्हैया लाल तेली एक हिंदू दर्जी थे जिनकी 28 जून 2022 को राजस्थान के उदयपुर में दो मुस्लिम हमलावरों ने हत्या कर दी थी।

गदर 2 में नाना पाटेकर की आवाज

बालीवुड एक्टर सनी देओल की फिल्म गदरः एक प्रेम कथा के बाद गदर 2 जल्द पूरी होने वाली हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म अगस्त में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म के लिए अनुभवी अभिनेता नाना पाटेकर ने वॉयसओवर किया है। पहली फिल्म में, ओम पुरी ने प्रारंभिक दृश्यों के लिए वॉयस ओवर किया था। अब फिल्म में नाना पाटेकर का वॉयस ओवर फिल्म की शुरूआत में ही सुनाई देगा। निर्देशक-निमार्ता अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और जी स्टूडियोज द्वारा निर्मित इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल के साथ अनिल शर्मा के पुत्र उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। गदर 2 संकेत देता है कि कहानी वहीं से शुरू होती है जहां कहानी गदरः एक प्रेम कथा में समाप्त हुई थी। पहली फिल्म तारा सिंह और सकीना की प्रेम कहानी पर आधारित थी, जिसने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी और अब भी जारी है।

द डिप्लोमैट का किरदार निभाएंगे जॉन अब्राहम

बालीवुड एक्टर जॉन अब्राहम एक बार फिर से दर्शकों को अपना दीवाना बनाने आ रहे हैं। इस बार वे बिना किसी हथियार उठाए दुश्मनों का खात्मा करते नजर आएंगे। एक्टर देश को झकझोर देने वाली सच्ची कहानी पर आधारित द डिप्लोमैट का किरदार निभाने के लिए तैयार हैं। एक उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी की भूमिका निभाते हुए, द डिप्लोमैट आपको एक रोलर कोस्टर की सवारी और एक रोमांचक नाटक पर ले जाता है, जो अंत तक आपकी इंद्रियों को बांधे रखने का वादा करता है। यह हाई-ऑक्टेन फिल्म 11 जनवरी 2024 को दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार है। यह फिल्म अगले साल प्रभास अभिनीत प्रोजेक्ट के से टकराएगी, जिसमें अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन भी हैं। डिप्लोमैट का निर्देशन प्रशंसित निर्देशक शिवम नायर ने किया है। फिल्म की पटकथा प्रतिभाशाली रितेश शाह द्वारा लिखी गई है।

शाहरुख की फिल्म जवान का ट्रेलर जल्द होगा जारी

बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान की आनेवाली फिल्म का ट्रेलर जल्द ही जारी होने वाला है। इस तरह से शाहरुख खान जो अपनी फिल्म पठान की सफलता से उत्साहित हैं, एक बार फिर सिल्वर स्क्रीन पर धमाल मचाने के लिए तैयार हैं। शहरुख की अपकमिंग फिल्म जवान का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर सिनेमाघरों में मिशनः इम्पॉसिबल - डेड रेकनिंग पार्ट वन की रिलीज के साथ जारी किया जाएगा। बताया जा रहा है कि शाहरुख की फिल्म के ट्रेलर का टॉम क्रूज की फिल्म से जुड़ाव काफी दिलचस्प है, क्योंकि दोनों मेगास्टार की दुनिया भर में एक जैसी फैन फॉलोइंग है। फिल्म जवान का निर्माण शाहरुख की होम प्रोडक्शन रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और गौरी खान ने किया है। फिल्म इस साल 7 सितंबर को रिलीज होगी एटली द्वारा निर्देशित जवान दर्शकों को कुछ जबरदस्त एक्शन सीन्स से हैरान कर देगी। इस फिल्म में शाहरुख के लुक में भारी बदलाव आया है।

सुनील शेट्टी नहीं चाहते कि उनके बच्चे भारतीय स्कूल में पढ़ें, बताई वजह

मुंबई (ईएमएस)। एक्टर सुनील शेट्टी ने कहा है कि वे अपने बच्चों को भारतीय स्कूल में नहीं पढ़ाना चाहते थे। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें ये अच्छी तरह से पता था कि अमेरिका के स्कूल में बच्चों को पढ़ाने के लिए काफी खर्च करना पड़ेगा और ये बातें उनके पिताजी भी उनसे अक्सर कहा करते थे। सुनील शेट्टी ने ये भी बताया कि कैसे बेटी आथिया ने अटलांटा के कॉलेज में एडमिशन के बाद फिल्मों में जाने का फैसला सुनाया। उन्होंने बताया कि इंडस्ट्री में अपने शुरूआती दिनों में बहुत अधिक स्ट्रगल किया है। शुरूआत में क्रिटिक्स से उन्हें काफी आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी थी। इन चीजों से केवल वही नहीं बल्कि उनकी फैमिली पर भी असर पड़ रहा था। उन्होंने कहा कि मैंने ये पहले से ही तय कर लिया था कि मैं अपने बच्चों को भारतीय स्कूल में नहीं पढ़ाउंगा। मैं अपने बच्चों को अमेरिकन बोर्ड के स्कूल में पढ़ाना चाहता था। मैं ऐसी फैकल्टी चाहता था जो कि अमेरिकन हो। इसके पीछे वजह ये है कि मैं नहीं चाहता था कि मेरे बच्चों को स्पेशल फील कराया जाए कि वो सिलेब्रिटी के बच्चे हैं या उन्हें बताया जाए कि वे किसके बच्चे हैं। मैं उन्हें एक ऐसी दुनिया में जाने देना चाहता था जहां इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे कौन हैं। मुझे लगता है कि ये काम कर गया।

मुझे याद है मेरे पिताजी मुझसे कहते थे कि इसके लिए बहुत पैसे खर्च करने होंगे। उन्होंने बेटी आथिया के बारे में बातें करते हुए उन्होंने कहा, हम आथिया को लेकर एडमिशन के लिए अटलांटा गए और वहां उन्होंने कॉलेज देखा। सब कुछ हो गया और उन्हें पसंद भी आया। उनका एडमिशन हो गया और जब हम वापस आ रहे थे, तब उसने मुझसे एयरपोर्ट पर कहा- पापा, मैं ये करके खुश नहीं हूं। फिर मैंने उससे पूछा कि फिर आपको क्या करना है। इस पर आथिया ने मुझसे कहा- मैं फिल्मों में काम करना चाहती हूं।

मैंने कहा कि ये अच्छी बात है लेकिन क्या अपनी असफलताओं को स्वीकार कर पाओगे? क्योंकि ये बहुत स्ट्रेसफुल होता है। गौरतलब है कि सुनील शेट्टी ने साल 1992 में आई फिल्म बलवान से डेब्यू किया था। हालांकि, उन्हें पॉप्युलैरिटी मिली साल 1994 में आई फिल्म मोहरा से। उसी साल आई उनकी गोपी किशन भी दर्शकों को काफी पसंद आई थी।

गणेश चतुर्थी पर रिलीज होगी कंगना की तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी 2

मुंबई (ईएमएस)। 2023 की बची छमाही में कंगना रनौट वापसी की तैयारियों में हैं। वे अपनी फिल्म इमरजेंसी में इंदिरा गांधी के साथ-साथ दर्शकों को चंद्रमुखी के रूप में भी दिखाई देंगी। अभिनेत्री कंगना ने चंद्रमुखी 2 की रिलीज डेट का ऐलान कर सभी को चौंका दिया। कंगना ने इंस्टाग्राम पर रिलीज की घोषणा के साथ राघव लॉरेंस का फर्स्ट-लुक पोस्टर शेयर किया। पोस्टर में, राघव लॉरेंस को एक इंटेंस लुक में देखा गया। वहां एक बड़े से दरवाजे के की होल से झांकते हुए नजर आए। चन्द्रमुखी-2 के पोस्टर को साझा करते हुए कंगना ने पुष्टि की कि चंद्रमुखी इस गणेश चतुर्थी पर रिलीज हो रही है। उन्होंने लिखा, इस सितंबर वह वापस आ रही है... क्या आप तैयार हैं चंद्रमुखी 2 फिल्म गणेश चतुर्थी पर रिलीज होने वाली है, जो 19 सितंबर को मनाई जाएगी। पी वासु निर्देशित, चंद्रमुखी 2 ब्लॉकबस्टर हिट तमिल हॉरर कॉमेडी फिल्म चंद्रमुखी की अगली कड़ी है, जिसमें रजनीकांत और ज्योतिका ने मुख्य भूमिका निभाई थी। एक यूजर ने लिखा, क्विन फॉर ए रीजन। एक दूसरे यूजर ने लिखा, हे भगवान, मैं आपको देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकता..ब्लॉकबस्टर लोड हो रहा है। एक फैन ने लिखा, बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। एक इंटरनेट यूजर ने लिखा, हे भगवान, मैं #चंद्रमुखी2 के लिए बहुत उत्साहित हूं। एक अन्य इंटरनेट यूजर ने लिखा, देखने का इंतजार है। चंद्रमुखी 2 में कंगना, राजा के दरबार में एक नर्तकी की भूमिका निभाएंगी, जो अपनी सुंदरता और नृत्य कौशल के लिए जानी जाती थी। फिल्म में कंगना के साथ तमिल अभिनेता राघव लॉरेंस मुख्य भूमिका निभाएंगे। लाइका प्रोडक्शन और सुबास्करण की निर्मित यह फिल्म सितंबर में तमिल, तेलुगु, हिंदी, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी।

फिल्म द क्रू का मार्च 2024 में होगा प्रदर्शन

फिल्म निमार्ता जोड़ी, एकता आर कपूर और रिया कपूर ने अपनी आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म, द क्रू के लिए 22 मार्च, 2024 की लंबे समय से प्रतीक्षित रिलीज की तारीख का खुलासा किया। फिल्म में करीना कपूर, तब्बू और कृति सनोन मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म की घोषणा के बाद से, प्रशंसक इस परियोजना का नेतृत्व करने वाली सभी महिला कलाकारों को देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं। यह सफल फिल्म वीरे दी वेडिंग के बाद एकता कपूर और रिया कपूर के बीच सहयोग का भी प्रतीक है। फिल्म में दिलजीत दोसांझ और कपिल शर्मा भी हैं। द क्रू एकता कपूर और रिया कपूर की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक है। इसकी शूटिंग मुंबई और अबू धाबी में की गई थी। राजेश कृष्णन द्वारा निर्देशित, द क्रू बालाजी टेलीफिल्म्स और अनिल कपूर फिल्म्स कम्युनिकेशन नेटवर्क के लिए 22 मार्च, 2024 को एक बड़ी रिलीज होगी।

सूडोकु नवताल- 6484

★☆☆☆☆ सरल

	7	9	4	2		6		3
	6		8		7		2	
4	1				3	5	8	
	9	8	3					
7		4		5		8		1
					9	7	3	
	8	5	7				4	6
	2		9		1		5	
3		1		6	8	9	7	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6483 का हल

8	9	5	1	3	7	2	4	6
7	3	2	6	5	4	1	8	9
1	6	4	8	9	2	7	5	3
5	7	3	4	2	9	6	1	8
4	2	8	5	6	1	3	9	7
6	1	9	3	7	8	5	2	4
3	5	1	9	4	6	8	7	2
2	4	6	7	8	5	9	3	1
9	8	7	2	1	3	4	6	5

शब्दजाल - 7231

श	रा	पु	र्त	गा	ल	ह	ट	झ	क	स्वि
यू	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ट
ना	र	ह	इं	ग्लैं	ड	ज	बे	ला	ल	ज
न	म	दा	लैं	ल	क	र्म	हा	दा	र	र
ट्र	रा	र	ड	हा	मि	नी	चि	स	र	लैं
ह	बु	प	व	दा	ला	ट	वि	या	न	ड
ट	ल्गा	डे	अं	र	वी	ट	ह	ला	ह	क
बा	रि	वा	न	क	छ	सौ	न	हा	लैं	ड
स	या	तें	व	मा	ज	दा	ने	दा	र	द
र	ल	प	ति	रं	र्क	ऐ	स्वी	ड	न	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	बौ	ख	ला	ह	ट

शब्द जाल में उन 10 देशों के नाम ढूंढिए जिन्होंने यूरो कप-2004 में भाग लिया था. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे भी हो सकते हैं.

पुर्तगाल, हालैंड, यूनान, स्वीडन, डेनमार्क, इंग्लैंड, जर्मनी, बुल्गारिया, लाटविया, स्विटजरलैंड

शब्दजाल - 7230 का हल

इ	अ	मे	अ	आ	स्ट्रे	लि	या	र	प	जा
न	ट	क	मे	इं	डो	ने	ग	ति	मा	पा
अ	दा	ली	रि	मा	ग	ची	द	ह	प	न
जी	ग	ल	का	द	न	स	न	ह	लि	र
त	अ	अ	र	न	क्षि	मे	ह	का	न	दे
ज	र्म	नी	र	व	प	ण	त	ह	र	बां
ग	मा	ल	मा	व	ग्रे	लो	को	मा	न	ग
र	न	भा	र	न	प	ट	रा	रि	वि	ला
क	फ्रां	बा	रू	स	का	र	ब्रि	न	या	दे
र	स	ति	मा	न	सिं	ब्रा	स	टे	प	श
बां	र	ल	प	रु	स	स	त्ता	प	न	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6184

	2	5	6			3
2	26	4	40		38	
4	2			5	1	
5	34	3	37	6	30	1
	1	7			5	2
	33		24	1	27	6
7	6		4	2	3	

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है. खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं. गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी. सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6183 का हल

4	3	7	1	6	2	5
3	29	6	37	2	31	1
1	2	3	7	5	6	4
5	30	1	30	4	31	6
7	6	5	4	1	3	2
2	33	4	31	3	30	7
6	1	2	5	7	4	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की टी-20 टीम का ऐलान : हार्दिक पंड्या कप्तान, तिलक वर्मा को मौका ; रिंकू सिंह को जगह नहीं

नई दिल्ली।
वेस्टइंडीज दौरे पर 3 अगस्त से होने वाली पांच टी-20 मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है। हार्दिक पंड्या को कप्तानी सौंपी गई। सूर्यकुमार यादव को उप कप्तान बनाया गया है। सीनियर प्लेयर्स में विराट कोहली, रोहित शर्मा और रवींद्र जडेजा को आराम दिया गया है। वहीं तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी टीम का हिस्सा नहीं हैं। मुंबई इंडियंस से आईपीएल खेलने वाले 20 साल के लेफ्टी बैटर तिलक वर्मा को पहली बार भारतीय टीम में मौका मिला। दूसरी ओर आईपीएल 2023 में कोलकाता नाइट राइडर्स के टॉप स्कोरर रहे रिंकू सिंह को टीम में जगह नहीं मिली।

संजू की वापसी - केरल के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने वनडे के बाद टी-20 में भी वापसी कर ली है। संजू ने भारत के लिए आखिरी मुकाबला इसी साल जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ खेला था। इसके बाद वह चोटिल हो गए और अब 7 महीने बाद फिर टीम में वापसी की।

वर्मा, जायसवाल और मुकेश के पास डेब्यू का मौका - बैटर्स में तिलक वर्मा, यशस्वी जायसवाल और बॉलर्स में मुकेश कुमार को पहली बार टी-20 स्क्वॉड में शामिल किया गया। इन तीनों प्लेयर्स के पास इंटरनेशनल डेब्यू करने का मौका है। पिछले साल फरवरी में भी वेस्टइंडीज ने भारत का दौरा किया था। इस दौरान आवेश खान और रवि बिश्नोई ने अपना टी-20 डेब्यू किया था। दोनों को अब फिर से टीम में शामिल किया गया है।

3 अगस्त से टी-20 सीरीज खेलेंगे - टेस्ट और वनडे सीरीज के बाद 3 अगस्त से त्रिनिदाद में 5 मैचों की टी-20 सीरीज शुरू होगी। गुयाना में 6 और 8 अगस्त को दूसरा और तीसरा टी-20 मैच होगा। अमेरिका के लॉडरहिल में 12 और 13 अगस्त को चौथा और पांचवां टी-20 मैच खेला जाएगा। टी-20 सीरीज के सभी मुकाबले शाम 8 बजे से शुरू होंगे।

2022 में भी खेली थी 5 मैच की सीरीज - भारत ने जुलाई 2022 में भी 5 मैच की टी-20 सीरीज खेली थी। इसमें भारत ने 5 में से 4 मुकाबले जीते थे। तब भी 3 मैच वेस्टइंडीज और 2 मैच अमेरिका में खेले गए थे।

भारत का टी-20 स्क्वॉड: हार्दिक पंड्या (कप्तान), सूर्यकुमार यादव (उप कप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल, कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान, मुकेश कुमार।

न्यूज ब्रीफ

कैरेबियाई जमीन पर सचिन-विराट से आगे द्रविड़-गावस्कर: गेंदबाजों में कुंबले सबसे सफल; जानिए भारतीय खिलाड़ियों का वेस्टइंडीज में रिकॉर्ड

नई दिल्ली। 12 जुलाई से भारतीय टीम वेस्टइंडीज दौरे का आगाज करेगी। इस दिन से दोनों टीमों के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला शुरू होगा। भारत ने 1953 में पहली बार वेस्टइंडीज का दौरा किया था। तब से वहां दोनों टीमों के बीच 51 टेस्ट खेले जा चुके हैं। स्टोरी में हम वेस्टइंडीज के खिलाफ वेस्टइंडीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाज और सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले टॉप-5 गेंदबाजों के बारे में जानेंगे। सचिन तेंदुलकर और विराट कोहली भारतीय क्रिकेट के टॉप-2 बैटर के रूप में गिने जाते हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में रन और शतक बनाने के मामले में ये बाकियों से आगे भी हैं। लेकिन, वेस्टइंडीज के खिलाफ उनके घर में टेस्ट बैटिंग रिकॉर्ड देखें तो इनसे आगे कई नाम मौजूद हैं। सचिन ने वेस्टइंडीज में 10 टेस्ट मैचों में 620 रन बनाए। वहीं, विराट ने वहां 9 टेस्ट में 463 रन बनाए हैं। कैरेबियाई धरती पर टॉप भारतीय बल्लेबाजों की लिस्ट में ये दोनों टॉप-5 में भी नहीं हैं। सचिन 7वें और विराट 10वें नंबर पर हैं। इस लिस्ट में राहुल द्रविड़ और सुनील गावस्कर का जलवा है। वर्तमान में टीम इंडिया के हेड कोच राहुल द्रविड़ वेस्टइंडीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय हैं। द्रविड़ ने वेस्टइंडीज में खेले 17 मैचों में कुल 1,511 बनाए हैं। जबकि, सुनील गावस्कर ने 13 मैचों में 1,404 रन बनाए हैं। वीवीएस लक्ष्मण तीसरे और 1948 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ही टेस्ट में डेब्यू करने वाले भारत के पॉली उमरीगर चौथे टॉप स्कोरर हैं। उमरीगर ने 10 मैचों में 1005 रन बनाए हैं। उमरीगर ने आगे चल कर भारतीय टीम की 8 टेस्ट मैचों में कप्तानी भी की। एक्टिव बैटर्स में अजिंक्य रहाणे ने वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्हीं के घर में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। उनके नाम 6 मैचों की 8 पारियों में 514 रन हैं। उनके बाद विराट कोहली का नाम आता है जिन्होंने 9 मैचों की 13 पारियों में 463 रन बनाए हैं। हालांकि, ऑलटाइम टॉप स्केरर में रहाणे नौवें और विराट दसवें नंबर पर हैं।

जका अशरफ पीसीबी के नए चेयरमैन: सरकार ने अशरफ की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय कमेटी की घोषणा ; पीसीबी चुनाव आयुक्त भी बदले गए

कराची। जका अशरफ पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन बन गए हैं। पाकिस्तान सरकार ने अशरफ की अध्यक्षता में 10 सदस्यीय कमेटी की घोषणा की है। अशरफ का कार्यकाल चार महीने का होगा। कमेटी में पाकिस्तान के पूर्व बल्लेबाज जहीर अब्बास को भी शामिल किया गया है। साथ ही पीसीबी चुनाव आयुक्त अहमद शहजाद फारूक राणा को हटा दिया गया है और उनकी जगह सुप्रीम कोर्ट के वकील महमूद इकबाल खाकवानी को नियुक्त किया गया है। नई कमेटी की बैठक गुरुवार को ही होगी। अशरफ पिछले महीने पीसीबी के होने वाले चुनाव में चेयरमैन के प्रबल दावेदार थे। पीसीबी की अंतरिम प्रबंधन समिति के प्रमुख नजम सेठी ने चुनाव से कुछ दिन पहले अपना नाम वापस ले लिया था। इससे अशरफ का चेयरमैन बनना तय था।

सिंधु और लक्ष्य कनाडा ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में: बी साई प्रणीत और गद्दे रुथविका शिवानी की चुनौती समाप्त

कनाडा। भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु और लक्ष्य सेन ने कैलगरी में मौजूद मार्किन-मैकफेल सेंटर में चल रहे कनाडा ओपन 2023 बैडमिंटन टूर्नामेंट के प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। दूसरी ओर बी साई प्रणीत का सफर खत्म हो गया है। उन्हें ब्राजीली खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। बुधवार रात को विमेंस सिंगल्स के खेले गए मैच में चौथी सीड सिंधु ने कनाडा की तालिया एनजी को सीधे गेम में 21-16, 21-9 से हराकर अगले दौर में पहुंच गई हैं। वर्ल्ड नंबर 15 की सिंधु ने पहला गेम 5 अंकों के अंतर से जीता। जबकि दूसरे गेम को उन्होंने आसानी से जीत लिया। सिंधु अपना अगला मैच गुरुवार को जापान की नात्सुकी नदैरा के खिलाफ खेलेंगी। मेंस सिंगल्स में वर्ल्ड नंबर 19 लक्ष्य सेन थाईलैंड के कुनलावुत विटिडसार्न को 21-18, 21-15 से हराकर अगले दौर में पहुंच गए। लक्ष्य अब अपना अगला मैच ब्राजील के यगोर कोल्हो के खिलाफ खेलेंगे। इसके अलावा मेंस सिंगल्स के अन्य मुकाबले में बी साई प्रणीत को ब्राजील के यगोर कोल्हो से हार का सामना करना पड़ा। 32 मिनट तक चले इस मैच में ब्राजील के खिलाड़ी ने प्रणीत को 21-12, 21-17 से मात दी।

टीम इंडिया से बाहर हुए पुजारा दलीप ट्रॉफी में फेल

सूर्यकुमार 7, सरफराज 0 पर आउट हुए ; शिवम मावी को 4 विकेट

अलुर/बेंगलुरु।
भारत की टेस्ट टीम से बाहर हुए चेतेश्वर पुजारा दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल में भी कुछ खास नहीं कर सके। वेस्ट जोन से खेलते हुए पुजारा 103 गेंदों में महज 28 रन ही बना सके। उन्हें सेंट्रल जोन के कप्तान शिवम मावी ने अमनदीप खरे के हाथों कैच आउट कराया। वेस्ट जोन से 2 और टॉप बैटर्स सेमीफाइनल के पहले दिन फेल रहे। सूर्यकुमार यादव 7 और सरफराज खान जीरो रन पर आउट हुए। सभी को शिवम मावी ने आउट किया।

डब्लूटीसी फाइनल के बाद बाहर हुए पुजारा

भारत के लिए 103 टेस्ट में 7,195 रन बना चुके पुजारा ने टीम इंडिया के लिए आखिरी मैच पिछले महीने खेला था। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में भारत से खेलने उतरे और 2 पारियों में 14 और 27 रन ही बना सके थे। डब्लूटीसी फाइनल में खराब प्रदर्शन के बाद उन्हें वेस्टइंडीज दौरे की टेस्ट टीम में जगह नहीं दी गई।

एसएफ -1: पृथ्वी शॉ भी 26 रन ही बना सके

कर्नाटक के अलुर में दलीप ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल बुधवार को शुरू हुआ। वेस्ट जोन के कप्तान प्रियांक पांचाल ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी, लेकिन टीम को 43 रन पर ही 2 झटके लग गए। पृथ्वी शॉ 26 और पांचाल 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उनके बाद उतरे पुजारा भी 28 रन ही बना सके। सूर्यकुमार और सरफराज के बाद विकेटकीपर हेत पटेल को आवेश खान ने बोल्ड कर दिया। पटेल ने 5 रन बनाए।

अतित सेठ ने बनाए 74 रन

वेस्ट जोन से नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे अतित सेठ ने 74 रन बनाए। उन्होंने धर्मेंद्रसिंह जडेजा के साथ 73 रन की पार्टनरशिप की। जडेजा 39 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 203 रन के स्कोर पर अतित का विकेट गंवाया। आखिर में चिंतन गाजा 13 और अर्जन नागवास्वाला 5 रन बनाकर नॉट आउट रहे। पहले दिन का खेल खत्म होने तक वेस्ट जोन ने 8 विकेट पर 216 रन बना लिए हैं। सेंट्रल जोन से शिवम मावी ने 4 विकेट लिए। उनके अलावा आवेश खान, यश ठाकुर, सौरभ कुमार और सारांश जैन को एक-एक विकेट मिला।

अतित सेठ ने बनाए 74 रन

वेस्ट जोन से नंबर-7 पर बैटिंग करने उतरे अतित सेठ ने 74 रन बनाए। उन्होंने धर्मेंद्रसिंह जडेजा के साथ 73 रन की पार्टनरशिप की। जडेजा 39 रन बनाकर आउट हुए। टीम ने 203 रन के स्कोर पर अतित का विकेट गंवाया। आखिर में चिंतन गाजा 13 और अर्जन नागवास्वाला 5 रन बनाकर नॉट आउट रहे। पहले दिन का खेल खत्म होने तक वेस्ट जोन ने 8 विकेट पर 216 रन बना लिए हैं। सेंट्रल जोन से शिवम मावी ने 4 विकेट लिए। उनके अलावा आवेश खान, यश ठाकुर, सौरभ कुमार और सारांश जैन को एक-एक विकेट मिला।

एसएफ -2: नॉर्थ जोन पहले दिन ऑल आउट

बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी मैदान पर साउथ और नॉर्थ जोन के बीच दूसरा सेमीफाइनल भी जारी है। पहले दिन टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी नॉर्थ जोन की टीम 198 रन पर ऑल आउट हो गई। टीम से कोई भी बैटर फिफ्टी नहीं लगा सका। प्रभसिमरन सिंह ने सबसे ज्यादा 49 रन बनाए। प्रभसिमरन के अलावा अंकित कुमार 33, हर्षित राणा 31, निशांत सिंधु 27, वैभव अरोड़ा 23 और ध्रुव शोरे 11 रन ही बना सके। बाकी कोई भी बैटर 5 रन से ज्यादा नहीं बना सका।

कवरेप्पा को 5 विकेट

साउथ जोन के तेज गेंदबाज विद्वत कवरेप्पा ने 28 रन देकर 5 विकेट लिए। केवी ससीकांत को 2 विकेट मिले, वहीं विजयकुमार वैशाख, आर साई किशोर और वॉशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला।

साउथ जोन ने 4 विकेट गंवाए

पहले दिन बेंगलुरु में बारिश ने खलल डाला, लेकिन साउथ जोन ने अपनी पहली पारी बुधवार को ही शुरू कर दी। टीम ने 17 ओवर बैटिंग की और 63 रन पर ही 4 विकेट गंवा दिए। ओपनर मयंक अगरवाल 37 रन बनाकर तिलक वर्मा (12 रन) के साथ नॉट आउट रहे। टीम के साई सुदर्शन 9, रविकुमार समर्थ 1 रन बनाकर आउट हुए। वहीं कप्तान हनुमा विहारी और रिकी भुई अपना खाता भी नहीं खोल सके। दोनों को हर्षित राणा ने आउट किया। उनके अलावा बल्तेज सिंह ने भी 2 विकेट लिए।

विंबलडन चैंपियनशिप में घुसे ऑयल प्रोटेस्टर

सेंटर कोर्ट पर कचरा फैलाया, लाइन भी मिटाई; सिक्योरिटी ने घसीटकर बाहर किया

लंदन।
लंदन में विंबलडन चैम्पियनशिप के बीच ऑयल प्रोटेस्टर्स के कारण 2 बार खेल रोकना पड़ा। प्रदर्शनकारी सेंटर कोर्ट पर घुस आए और कचरा फैला दिया। एक अन्य प्रोटेस्टर ने कोर्ट पर खिंची लाइन मिटाने की कोशिश की। जिसके बाद सिक्योरिटी टीम ने एक बुजुर्ग प्रोटेस्टर को घसीटकर कोर्ट से बाहर निकाला।

विंबलडन से पहले इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरे ऐशेज क्रिकेट टेस्ट में भी प्रोटेस्टर्स घुस आए थे। तब इंग्लिश क्रिकेटर जॉनी बेयरस्टो और सिक्योरिटी ने प्रदर्शनकारियों को उठाकर मैदान से बाहर किया था।

विंबलडन के दौरान 2 बार खेल रोकना पड़ा

जस्ट स्टॉप ऑयल प्रदर्शनकारियों ने बुधवार को तीसरे दिन के खेल में दो बार बाधा डालने की कोशिश की। पहली घटना में दो प्रदर्शनकारी सेंटर कोर्ट आए और पेपर पजल के हजारों टुकड़े कोर्ट में फैला दिए। दूसरे प्रोटेस्टर ने कोर्ट में खिंची लाइन मिटाने की कोशिश की।

प्रदर्शनकारी बोले- जस्ट स्टॉप ऑयल

बुजुर्ग प्रदर्शनकारी कोर्ट के पास ही जैकेट पहनकर बैठा था। मौका मिलते ही वह सेंटर कोर्ट पर आया और अपनी जैकेट निकाल दी। बुजुर्ग ने जस्ट स्टॉप ऑयल लिखी टी-शर्ट अंदर पहन रखी थी। प्रदर्शनकारी कोर्ट पर पेपर का कचरा फैलाते हुए दौड़ने लगा, इतने में सिक्योरिटी ने उसे पकड़ लिया।

सिक्योरिटी टीम प्रदर्शनकारी को घसीटकर मैदान से बाहर ले गई। मैदान को साफ किया गया। सफाई के बाद ही ग्रिगर दिमित्रोव और शो शिमाबुकुरो के बीच विमेंस सिंगल्स का मैच फिर शुरू हो सका। लंदन पुलिस ने बताया कि उन्होंने विंबलडन चैम्पियनशिप का माहौल खराब करने वाले 2 पुरुष और एक महिला प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या है ऑयल प्रोटेस्ट

इंग्लैंड में इन दिनों जस्ट स्टॉप ऑयल प्रदर्शन हो रहे हैं। ये प्रदर्शन जस्ट स्टॉप ऑयल ग्रुप कर रहा है। इन प्रदर्शनों के तहत प्रदर्शनकारी ब्रिटेन सरकार की नई तेल, गैस और कोयला परियोजनाओं का विरोध कर रहे हैं। जस्ट स्टॉप ऑयल के मुताबिक फॉसिल फ्यूल यानी जीवाश्म ईंधन क्लाइमेट के लिए अच्छा नहीं है।

तमीम इकबाल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लिया: अफगानिस्तान के खिलाफ आखिरी मैच खेला; प्रेस कॉन्फ्रेंस में इमोशनल हुए

चट्टोग्राम।
बांग्लादेश के कप्तान और ओपनिंग बैटर तमीम इकबाल ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। उन्होंने गुरुवार को चट्टोग्राम में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रिटायरमेंट अनाउंस किया। कैमरे के सामने अनाउसमेंट करते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल पड़े। 34 साल के तमीम ने बांग्लादेश के लिए तीनों फॉर्मेट में शतक लगाए, वह टीम के लिए कुल 25 इंटरनेशनल सेंचुरी लगा चुके थे।

अफगानिस्तान से हार के बाद रिटायरमेंट लिया

तमीम की कप्तानी में बांग्लादेश ने बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला खेला। बारिश से बाधित मैच में टीम को अफगानिस्तान ने 17 रन से हरा दिया। तमीम इस मुकाबले में 21 गेंद खेलकर 13 रन ही बना सके। मुकाबले में हार के बाद तमीम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की। अपना रिटायरमेंट अनाउंस करते हुए उनकी आंखों से आंसू निकल आए। वह बोले, कल अफगानिस्तान के खिलाफ मुकाबला मेरा आखिरी इंटरनेशनल मैच था।

मैंने अपना बेस्ट दिया- तमीम

रिटायरमेंट अनाउंस करते हुए तमीम ने कहा, मेरे लिए यही अंत है। मैंने हमेशा अपना बेस्ट दिया और इसी वक्त से मैं रिटायरमेंट की घोषणा करता हूं। ये फैसला अचानक नहीं लिया, मैं कई दिनों से इस बारे में सोच रहा था। मैं कारण नहीं बताना चाहता, लेकिन मैंने अपने परिवार से बात करने के बाद ही ये कदम उठाया। 34 साल के तमीम ने अपने साथी खिलाड़ी, कोच और बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड को धन्यवाद दिया। बांग्लादेश बोर्ड ने टीम के नए कप्तान का नाम जारी नहीं किया है। ऑलराउंडर शाकिब अल हसन टी-20 और बैटर लिट्टन दास टेस्ट टीम के कप्तान हैं।

बांग्लादेश के लिए 15 हजार रन बनाए

तमीम ने 2007 में वनडे डेब्यू किया था, उसी साल उन्होंने भारत के खिलाफ वनडे वर्ल्ड कप में फिफ्टी लगाकर टीम को जीत दिलाई थी। उन्होंने वनडे में 14 शतक लगाकर 8313 रन बनाए। टी-20 में भी उनके नाम एक शतक है, उन्होंने पिछले साल इसी समय टी-20 से भी संन्यास की घोषणा कर दी थी। तमीम ने 70 टेस्ट भी खेले। इनमें उन्होंने 38.89 की औसत से 5134 रन बनाए। तीनों फॉर्मेट मिलाकर उन्होंने 25 शतक लगाए और 15205 रन बनाए।

विलियमसन आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर-1 बने : स्टीव स्मिथ नंबर-2 पर पहुंचे ; टॉप-5 बैटर में 3 ऑस्ट्रेलियाई

नई दिल्ली।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को ताजा प्लेयर रैंकिंग जारी की। ताजा टेस्ट रैंकिंग में न्यूजीलैंड के केन विलियमसन नंबर-1 रैंक पर आ गए हैं। विलियमसन अगस्त 2021 के बाद पहली बार नंबर-1 पोजिशन पर पहुंचे हैं। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ को 3 स्थान का फायदा हुआ है।

बैटिंग रैंकिग के टॉप-4 पायदान पर ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों का दबदबा है। इनमें स्मिथ दूसरे, तीसरे पर ट्रेविस हेड और चौथे नंबर पर मार्नस लाबुशेन हैं। टॉप-10 बैटर्स रैंकिंग में केवल एक भारतीय खिलाड़ी ऋषभ पंत हैं। वह 10वें नंबर पर हैं।

दूसरे ऐशेज टेस्ट में स्मिथ ने जड़ा शतक

ऐशेज सीरीज के दूसरे टेस्ट मैच में स्टीव स्मिथ ने शतक जड़ा था। यह शतक पहली पारी में आया, तब उन्होंने 184 बॉल में 110 रन बनाए थे। वहीं, लाबुशेन ने लॉर्ड्स में 47 और 30 रन का योगदान दिया, जबकि हेड ने पहली पारी में 73 गेंदों पर 77 रन बनाए। ख्वाजा ने दूसरी पारी में एक अर्धशतक जमाया था। इस कारण इन खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा हुआ। पिछले बुधवार को टेस्ट के नए नंबर-1 बैटर बने जो रूट बैटर्स रैंकिंग में पांचवें नंबर पर पहुंच गए।

टेस्ट बॉलर्स में अश्विन टॉप पर

भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (860 पॉइंट्स) मेंस टेस्ट बॉलर्स रैंकिंग में नंबर-1 पर हैं। जबकि रवींद्र जडेजा (434 पॉइंट्स) के साथ ऑलराउंडर में नंबर-1 बने हुए हैं। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस (826 पॉइंट्स) के साथ बॉलिंग रैंकिंग में दो स्थान के फायदे से दूसरे नंबर पर आ गए हैं। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने लॉर्ड्स टेस्ट की दूसरी पारी में तीन विकेट लिए थे। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को भी फायदा हुआ है। अब वह 14वें स्थान पर हैं। इंग्लैंड के गेंदबाज जेम्स एंडरसन को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टेस्ट में 2 ही सफलता मिली। इस कारण उन्हें दो स्थान का नुकसान हुआ है। अब एंडरसन चौथे नंबर पर आ गए हैं।

ऑलराउंडर में बेन स्टोक्स को फायदा

टेस्ट ऑलराउंडर रैंकिंग में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स को एक स्थान फायदा मिला है। स्टोक्स 326 पॉइंट्स के साथ अक्षर पटेल की जगह पर आ गए हैं। वहीं अक्षर पांचवें नंबर पर आ गए हैं। जो रुट को भी एक स्थान का फायदा हुआ, वह अब सातवें नंबर पर हैं।

विमेंस ऐशेज...रोमांचक मुकाबले में 3 रन से जीता इंग्लैंड

31 टी-20 बाद हारा ऑस्ट्रेलिया; 39 महीनों में पहली बार टारगेट चेज नहीं कर सके

लंदन।
विमेंस ऐशेज सीरीज के रोमांचक टी-20 मुकाबले में इंग्लैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 3 रन से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया 31 टी-20 मैचों के बाद कोई मुकाबला हारी है। बुधवार को लंदन के द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलिया को आखिरी ओवर में 20 रन चाहिए थे। टीम ने शुरुआती 3 गेंदों पर 2 ही रन बनाने में एक विकेट गंवा दिया। अब 3 गेंदों पर 18 रन चाहिए थे, यहां बैटर एलिस पेरी ने 2 रन लिए और आखिरी 2 गेंदों पर 2 छक्के लगा दिए। लेकिन 2 छक्के भी टीम की जीत के लिए काफी नहीं थे और ऑस्ट्रेलिया 3 रन के अंतर से मुकाबला हार गया। इंग्लैंड से 76 रन बनाने वाली डैनी व्याट प्लेयर ऑफ द मैच रहीं। एलिस पेरी ने 27 गेंद पर 51 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया पर जीत के बाद इंग्लैंड की टीम विमेंश ऐशेज में बनी हुई है। फिलहाल ऑस्ट्रेलिया 6-2 से लीड कर रहा है, वहीं सीरीज में एक टी-20 और 3 वनडे बाकी हैं।

27 महीने बाद टी-20 हारी ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम - ऑस्ट्रेलिया विमेंस टीम टी-20 में टारगेट चेज करते हुए 3 साल 3 महीने बाद हारी है। टीम को पिछली हार भारत के खिलाफ फरवरी 2020 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान मिली थी। टीम किसी टी-20 मैच में भी 31 मैच बाद हारी है। टीम को आखिरी हार न्यूजीलैंड के खिलाफ 30 मार्च 2021 को मिली थी। तब टीम 4 विकेट से मैच हार गई थी। 31 मुकाबलों में से 23 में टीम को जीत मिली। टीम का एक मुकाबला भारत के खिलाफ टाई रहा, वहीं 5 मैच बेनतीजा रहे। इस दौरान टीम के 2 मुकाबले रद्द भी किए गए। ऑस्ट्रेलिया टीम इंग्लैंड के खिलाफ भी 4 साल 6 महीने बाद टी-20 मैच हारी है। टीम को आखिरी हार जनवरी 2019 में मिली थी।

इंग्लैंड को मिली तेज शुरुआत - लंदन के द ओवल मैदान पर टॉस हारकर पहले बैटिंग करने उतरी इंग्लैंड को सोफिया डंकली और डैनी व्याट ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पहले विकेट के लिए 6.4 ओवर में 57 रन जोड़े। डंकली 23 रन बनाकर आउट हुईं। नंबर-3 पर उतरीं नैटली सीवर ब्रंट ने व्याट के साथ 43 रन जोड़े और टीम का स्कोर 100 तक पहुंचाया।

इंग्लैंड ने 19 रन बनाने में 5 विकेट गंवाए - इंग्लैंड का स्कोर एक समय 100 रन पर एक विकेट था। फिर टीम ने अगले 19 रन बनाने में ही 5 विकेट गंवा दिए और टीम का स्कोर 119/6 हो गया। यहां व्याट ने 46 गेंद पर 76 रन बनाए और टीम को 150 के पार पहुंचाया।

आखिर में सोफी एक्लेस्टन ने 22 और सारा ग्लेन ने तेजी से 10 रन बनाए। दोनों ने टीम का स्कोर 20 ओवर में 9 विकेट पर 186 रन कर दिया।

सदरलैंड ने लिए 3 विकेट - ऑस्ट्रेलिया से एनाबेल सदरलैंड ने 3 और एश्ले गार्डनर ने 2 विकेट लिए। वहीं डार्सी ब्राउन, ताहलिया मैक्ग्रा और एलिस पेरी को 1-1 विकेट मिला। जबकि एक बैटर रनआउट हुईं।

ऑस्ट्रेलिया को मिली 58 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप - 187 रन के टारगेट का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलिया टीम को एलिसा हीली और बेथ मूनी ने तेज शुरुआत दिलाई। दोनों ने पावरप्ले में 58 रन की पार्टनशिप कर ली। यहां कप्तान हीली 37 रन बनाकर सारा ग्लेन की गेंद पर बोल्ड हो गईं।

37 रन बनाने में गंवाए 5 विकेट - हीली के विकेट के साथ ऑस्ट्रेलिया ने 37 रन बनाने में ही 5 विकेट गंवा दिए। टीम का स्कोर 59/0 से 96/5 हो गया। बेथ मूनी 22, ताहलिया मैक्ग्रा 4, एश्ले गार्डनर 9 और ग्रेस हैरिस 9 रन बनाकर आउट हो गईं। पांचवें नंबर पर उतरीं एलिस पेरी ने एनाबेल सदरलैंड के साथ पारी संभाली, लेकिन सदरलैंड भी 20 रन बनाकर आउट हो गईं। 125 रन पर ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट गंवा दिए।

वसा खाना है आपके लिए अच्छा

आहार और पोषण विशेषज्ञ दोनों ही दादी-नानी की घी-तेल खाने की सलाह को सही मानते हैं। इससे न सिर्फ शरीर की मांसपेशियां व ढांचा मजबूत होते हैं, शरीर की विटामिंस को ग्रहण करने की क्षमता भी बढ़ती है। क्या आप वसा से परहेज रखने की सोच रहे हैं? यदि हां तो एक बार अमेरिकी कृषि विभाग के विशेषज्ञों द्वारा हाल में जारी आहार निर्देश पर भी गौर करें। उनके अनुसार, हर रोज एक या दो अंडे डाइट में शामिल करना टाइप टू डायबिटीज के खतरे और हृदय रोगों की आशंका को कम करता है। हमारे शरीर को हर रोज कुछ वसा की जरूरत होती है। इसके बिना शरीर स्वयं से ट्रीग्लिसिराइड, कोलेस्ट्रॉल व अन्य फैटी एसिड नहीं बना पाता। इन्हीं वसा का टूटना शरीर को विकास और अंगों को सुरक्षा देने के लिए ऊर्जा देता है। शरीर वसा में घुलनशील विटामिन्स को बेहतर तरीके से ले पाता है। वनस्पति तेल, घी और मक्खन को अपने आहार में समय-समय पर बदलते रहना चाहिए। वसा शरीर के मेटाबॉलिज्म, जोड़ व हड्डियों को दुरुस्त रखता है।

घी

आयुर्वेद में प्राचीन समय से गाय के दूध का बना घी उपचार व खाने में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सर्वे के अनुसार गाय का घी लिवर में कैंसर के कारक कार्सिनोजेंस का सक्रिय होना कम करता है। सही मात्रा में घी खाने से हृदय रोगों से बचाव होता है। हानिकारक कोलेस्ट्रॉल के स्तर में कमी आती है। पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है और त्वचा में चमक आती है। हर रोज एक चम्मच घी खाना ऊर्जा के स्तर को बनाए रखता है और वसा की जरूरत को पूरा करता है।

अंडा

अंडे में एमयूएफए और पीयूएफए होते हैं, जो हृदय के लिए लाभकारी हैं। ये विटामिन बी-12 व प्रोटीन से भरपूर होते हैं। सलाद के साथ अंडा खाने से शरीर वसा में घुलनशील कैरेटेनॉएड को ढंग से ले पाता है, जिससे सूजन, दर्द व तनाव कम होता है। बॉडी बिल्डर्स के लिए हर रोज दो और अन्य के लिए हर रोज एक अंडा खाना पर्याप्त है।

मेवा

बादाम, अखरोट और पिस्ते में एमयूएफए प्रचुर मात्रा में होते हैं, जो रक्तचाप कम करते हैं। ऊर्जा बढ़ाते हैं व कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित रखते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन और ओमेगा-3 फैटी एसिड होते हैं। पहाड़ी बादाम में ओलिक एसिड और मैग्नीशियम अधिक होता है, जो कैंसर की आशंका कम करता है। नियमित चार से छह बादाम, दो अखरोट और छह पिस्ते खाएं।

चीज

एक दिन छोड़ कर 20 ग्राम चीज खाना आपकी वसा की जरूरत को पूरा कर देता है। इसमें प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन बी-12 होते हैं। यह उत्पाद कैल्शियम व प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसकी एक स्लाइस, एक गिलास दूध के बराबर है। चीज नहीं खाते तो सफेद मक्खन, 60 ग्राम तक घरेलू पनीर और 300 ग्राम दही खा सकते हैं।

गर्भवती महिलाएं दें ध्यान

इकतीसवें हफ्ते में बच्चे का वजन बढ़ता रहता है। इस समय उसका वजन करीब साढ़े तीन से चार पाउंड और लंबाई 15 इंच तक होनी चाहिए। बच्चा वसा की परत का विकसित करना जारी रखेगा और हर हफ्ते उसका आधा पाउंड वजन बढ़ता रहेगा। बच्चे के फेफड़े विकसित हो गए है और वे संकुचन द्वारा सांस लेने में सक्षम हो गए हैं। बच्चा अब गर्भ के बाहर की आवाज को स्पष्ट रूप से सुन सकता है।

ग्रीन टी से प्रभावित होती है प्रजनन क्षमता

आमतौर पर लोगों को ग्रीन टी का अधिक शौक होता हैं सामान्य चाय की तुलना में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद मानी जाती है। लेकिन ये खबर आपको डरा सकती है। एक शोध से सामने आया है कि इसके लगातार सेवन से प्रजनन क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्रीन टी की बढ़ती लोकप्रियता इसका सेवन करने वालों की संख्या को लगातार बढ़ा रही है जो कि गलत है।

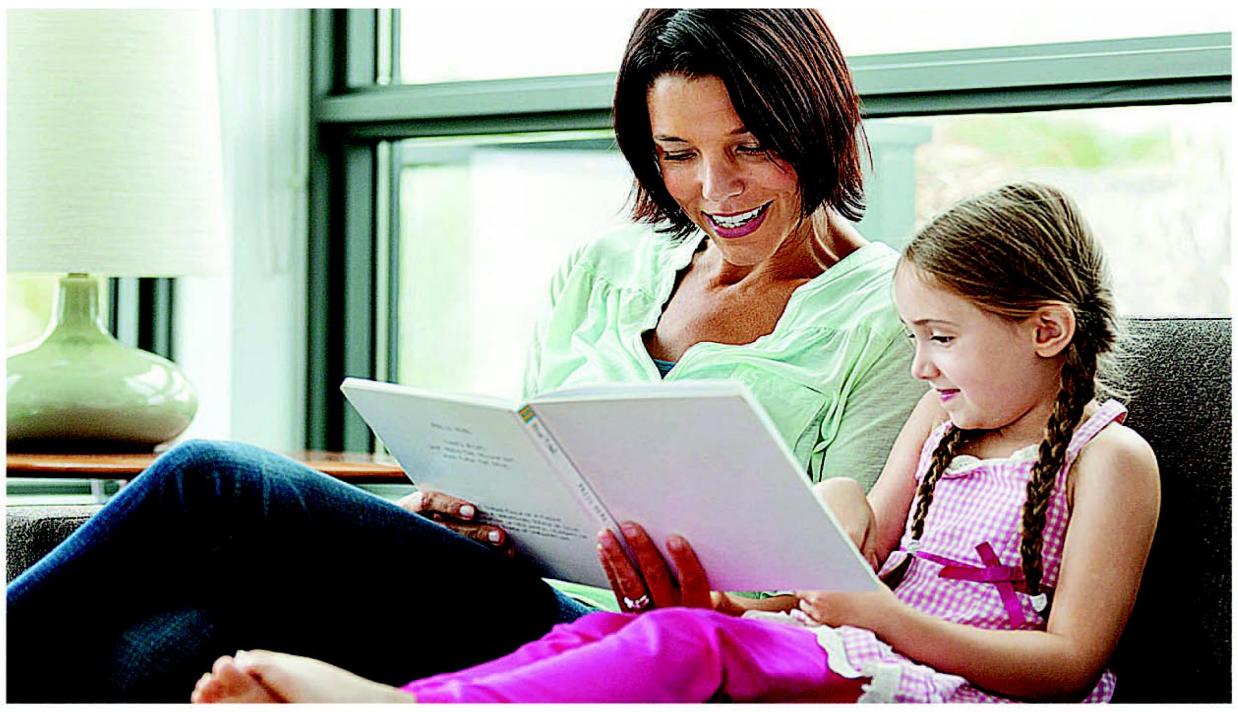

मुश्किल समय में कैसे करें बच्चों की देखभाल

हर किसी के जीवन में सुख-दुख लगा रहता है। ऐसे में खुद को संभालना तो संभव है। लेकिन जब एक माता-पिता की भूमिका में रहते हैं तो बच्चों की खास देखभाल करनी होती है। हर परिवार में कभी ना कभी कुछ मुश्किल परिस्थितियां पैदा होती हैं जिनके साथ बच्चों की देखभाल करना मुश्किल हो सकता है। किसी की मृत्यु, बीमारी, तलाक या आर्थिक समस्याएं वो है जिनके बारे में बच्चों को कुछ नहीं बताया या समझाया नहीं जा सकता है। बच्चों के बाल मन पर इसका विपरीत असर ना हो इसलिए आपको खास देखभाल करनी चाहिए।

बच्चों को मुश्किलों से बचाएं

अभिभावक होने के नाते आपकी जिम्मेदारी है कि बच्चों को दुनिया की भयानक सच्चाई से बचा कर रखें। आपको हर उस चीज से अपने बच्चे को बचाना चाहिए जो उसे नुकसान पहुंचा सकती है। लेकिन हम में से ज्यादातर लोग ऐसा नहीं कर पाते हैं। अगर जीवन में दुख, दर्द, निराशा, असफलता है तो इन सबको हरा कर ही आपको खुशी, सफलता और उम्मीद की किरण भी मिलती है। जीवन में दुख-सुख तो लगे ही रहते हैं लेकिन आपको इन परिस्थितियों से लड़ना आना चाहिए। ध्यान रखिए आप अपने बच्चों के सामने जैसा करेंगे वो वैसा ही सीखेंगे। अगर आप दुख की घड़ी में बिना विचलित हुए अपने बच्चे को अच्छी देखभाल करते हैं तो यह गुण उसमें भी जरूर आएगा।

खुद की देखभाल जरूरी है

बच्चों का खयाल रखने से पहले जरूरी है कि आप खुद का खयाल रखें। अगर आप खुद ठीक नहीं रहेंगे तो बच्चों को कैसे संभाल पाएंगे। अकसर ऐसा होता कि कठिन परिस्थितियों के दौरान आप खाना-पीना छोड़ देते हैं जिससे आपको कमजोरी, चिंता, थकान और चक्कर की समस्या होती है। ऐसे में आप अपने बच्चों की देखभाल कैसे कर पाएंगे। इसलिए पहले खुद को संभालना सीखें जिससे आपके बच्चे की परवरिश पर कोई असर ना हो।

मदद लेने में नहीं है बुराई

अगर इस दौरान खुद को अकेला महसूस कर रहे हैं तो किसी से मदद लेने में कोई बुराई नहीं है। आप चाहें तो परिवार में किसी सदस्य या दोस्त की मदद ले सकते हैं। इसके अलावा किसी काउंसलर की मदद लेना भी अच्छा विकल्प है। अगर आपका बच्चा थोड़ा समझदार है तो उसे अपनी समस्या के बारे में बताने में कोई बुराई नहीं है लेकिन अगर बच्चा छोटा है तो उसके साथ हंसने, खेलने से भी आपको दिमागी सुकून मिलता है।

बच्चे के साथ समय बिताएं

इस मुश्किल और तनावपूर्ण समय में अपने बच्चे के साथ समय बीताना भी जरूरी है जैसे उसे पार्क में ले जाना या उसकी मनपसंद आइसक्रीम खिलाने के लिए ले जाना। हो सकता है कि यह सब कुछ करने के लिए आप खुद को तैयार नहीं कर पा रहे हो लेकिन बच्चा इस चीज को नहीं समझ सकता है। इसलिए अगर आप कुछ देर के लिए अपना दुख भूलकर उसकी खुशी में खुश होगें तो आपको भी अच्छा लगेगा।

अदरक कई बीमारियों के लिए रामबाण

अदरक सिर्फ स्वाद ही नहीं बढाता बल्कि दवा के रूप में भी काम में आता है। अदरक के उपयोग से कई समस्याओं से निजात पा सकते हैं।

वजन कम करना- अदरक में थर्मोजेनिक एजेंट नामक तत्व होता है जो वसा को खत्म करने में मदद करता है, जिससे वजन आसानी से कम होता है।

बुखार में आराम- अदरक से बुखार में भी आराम मिलता है। शहद के साथ इसे खाने से बुखार कम होता है।

जोड़ों के दर्द में राहत- अदरक को सुखाकर उसे जायफल के साथ पीसकर तिल के तेल में डालकर पेस्ट बनाया जाता है, उस पेस्ट को जोड़ों पर लगाने से आराम मिल सकता है।

गैस की समस्या से निजात- पिसी हुई सोंठ और कैरम के बीजों को नींबू के रस में भिगोकर छाया में सुखाकर प्रतिदिन सुबह लेने से गैस और पेडू के दर्द में आराम मिलता है।

सिरदर्द और बदन दर्द से राहत- सिरदर्द, माइग्रेन, गर्दन और शरीर का दर्द होने पर सूखी अदरक और पानी का लेप बनाकर लगाने से आराम मिलता है।

उल्टी रोकने में सहायक

जी मचलाने, ठण्ड में पसीना आने, चक्कर आने और उल्टी आने जैसी समस्याओं को कम करने में यह बेहद फायदेमंद है।

कैंसर को बढ़ने से राकता है

इसमें कैंसररोधी गुण भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर कोशिकाओं को बढ़ने से रोकते हैं।

पेट दर्द और कब्ज से राहत

पेट दर्द, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में इसे पीसकर हींग और सेंधा नमक के साथ लेने से आराम मिलता है।

लकवे का प्रभाव कम करता है

लकवे के प्रभाव को कम करने के लिए सूखी अदरक का पाउडर, जिगरी और गर्म मसूर की दाल को मिलाकर खाने से फायदा होता है।

आपका फैशन स्टेटमेंट बनेगा स्टाइलिश

मल्टी-टास्किंग रेड कलर से दिखेंगी हॉट

ड कलर फैशन स्टेटमेंट बन चुका है और ह जल्दी ट्रेंड से जाने वाला भी नहीं। गंस्टर्स इसके काफी क्रेजी होते हैं। वे रेड जरिए खुद को ज्यादा हॉट साबित करने ी कोशिश करते हैं। अब जबकि टंड छ-कुछ बढ़ने लगी है, रेड से आप अपना शन स्टेटमेंट कुछ ज्यादा स्टाइलिश बना कती हैं। जब बात की जाए मेकअप की रेड कलर से बेहतर और कोई नहीं हो कता। इस सीजन में तो यह कलर ल्टी-टास्किंग बन चुका है। यह सिर्फ ठों पर नहीं दिखता, बल्कि गालों और ांखों को भी खूबसूरत लुक देता है।

स्किन के अनुसार करें सिलेक्शन

रोजी लिप्स: अगर आपको लिप कलर से बोल्ड दिखने का शौक है तो, आप रेड कलर की लिपिस्टक लगा सकती हैं। रेड लिपिस्टक कई शेड्स में अवेलेबल हैं, जिसे पसंद व स्किन टोन के अनुसार सिलेक्ट किया जा सकता है। अगर आप रेड लिपिस्टक लगा रही हैं तो आई मेकअप लाइट रखें, अगर लिप और आई मेकअप दोनों डार्क होंगे तो लुक लाउड लगेगा।

मैट लिप्स: आप अगर स्पॉट लाइट एंजॉय करती हैं तो मैट शेड आपके लिए बेहतरीन चॉइस है। इससे यह पता चल जाता है कि आप कूल हैं या हॉट। जब आप रेड कलर की मैट लिपिस्टक खरीदने जाएं तो उन पर यह लिखा हुआ जरूर चेक करें, जैसे मैट, 18 घंटे या लॉन्ग लास्टिंग और शीयर या सैमीमैट को अवॉयड करें।

फाउंडेशन के साथ लगाएं पाउडर

ग्लासी लिप्स: अगर आपको ड्रामा पसंद है तो आपके लिए बैस्ट ऑपशन है ग्लॉसी रेड लिपिस्टक। यह आजकल फैशन में भी है। ग्लॉसी रेड लिपिस्टक सेक्सी व बोल्ड लुक देती है और अट्रैक्टिव भी लगती है। ग्लॉसी लिप्स मैट कॉम्पलैक्शन के साथ बेहतरीन दिखते हैं। मैट फिनिश कॉम्लैक्शन के लिए अपने फाउंडेशन के साथ पाउडर का इस्तेमाल करें।

चैरी चीक्स: ब्लश गालों की शेप और चेहरे की रंगत को उभारता है। इसे आमतौर पर गालों के उभार वाले हिस्से पर लगाया जाता है। अगर लाइटली ब्लश अप्लाई किया जाए, तो चीक्स को यूथफुल और नैचुरल लालिमा मिलती है। पाउडर ब्लश लगाने में ब्रश का इस्तेमाल करें। क्रीम ब्लश लगाने में स्पंज का इस्तेमाल करें।

ऑटिज्म जैनेटिक नहीं मेडिकल समस्या, इलाज संभव

आटिज्म पिछले कुछ दशकों से एक गंभीर समस्या बनी हुई है। अमेरिका में यह अनुपात 1975 से पहले 5 हजार च्चों में से एक बच्चा था जो 2015 में हुंचते-पहुंचते 50 बच्चों के पीछे एक हो या- 40 सालों में 100 गुना ज्यादा बढ़ोतरी। क अनुमान के अनुसार अमेरिका में प्रत्येक र्ष इन बच्चों की गिनती में 10-17 फीसदी ो बढ़ोतरी हो रही है, जबकि भारत में इन च्चों की संख्या कहीं ज्यादा है। भारत में 011 की जनगणना के अनुसार, 2.4 मेल ौर 2.0 फीमेल एक या एक से ज्यादा किस्म ो अपंगता के शिकार हैं। उत्तरी भारत में इन च्चों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। हर एक हर और छावनी में इन बच्चों के लिए सेंटर ुल गए हैं। प्रत्येक सेंटर में इन बच्चों की ख्या 30-50 है। ऑटिज्म का इलाज अब भव हो गया है।

ऑटिज्म के मुख्य लक्षण...

यह बच्चे अपने आप में मस्त रहते है, हड़बड़ाहट, इधर-उधर घूमते रहते हैं,आंखों से आंखें मिलाकर बात नहीं करते, दूसरों की बातों में ध्यान ना देना, बार-बार सूंघना, बिना मतलब हंसना-रोना, एक ही हरकत को बार-बार करना, हाथों को हिलाना, उछलते-कूदते रहना, इनकी समझ कम होती है या बातों का जवाब नहीं दे सकते, खिलौने को फेंकते हैं या तोड़ते हैं, बहुत ज्यादा हाईपर होते है, दूसरों से व्यवहार अच्छी तरह नहीं करते आदि।

लक्षणों को जानने के बाद होता है इलाज

'डीफीट ऑटिज्म नाउ' के अनुसार इन बच्चों का ईलाज पूरी तरह संभव है पर इसके लिए पहले बच्चे के बायोमेडिकल ईलाज, जिसमें सबसे पहले बच्चे के लक्षणों की जांच होती है। फिर लक्षणों का कारण जानने के लिए अलग-2 लैब टेस्ट में से गुजारा जाता है। टेस्टों के आधार पर अलग-2 डॉक्टर जैसे- बच्चों के माहिर, एलोपैथि डॉक्टर, नैचरोपैथ, आयुर्वेद, डायटीशीयन, कैरलथेरापीस्ट, न्युरोथेरापिस्ट, करेनियोसेकरल थैरेपिस्ट एक ही थ्योरी पे चलते हुए काम करते है, व लक्षणों की गहराई में जाकर इलाज करते हैं, जिससे बच्चों के अंदर कुदरती तौर पर सुधार आने लगता है।

ऐसे होता है बीमारी में सुधार...

ऑटिज्म सिर्फ जीन्स की बीमारी नहीं, इसी तरह इसको सिर्फ दिमाग की बीमारी समझना भी वैज्ञानिक भूल है। आटिज्म पूरे शरीर की बीमारी है, आटिज्म से पीड़ित बच्चों में और भी अनेक अंगों के नुक्स होते हैं, जैसे- शरीर की बीमारियों से लड़ने की क्षमता कम होना, बार-2 आंत की सोजस होना, पाचन शक्ति कम होना, भारी धातुओं (जैसे- लैड, आरसैनिक, अल्युमिनीयम, पारा, कैडमियम, बेरियम) का ज्यादा होना व पोषक तत्वों का कम होना आदि। जब भारी धातुओं की मात्रा शरीर में बढ़ जाती है तो यह शरीर की कैमिकल व हार्मोन की संरचना को बिगाड़ देती है। जिसका सीधा असर दिमाग के ऊपर होता है। जैसे-2 ये भारी धातुएं शरीर से किलेशन प्रणाली द्वारा बाहर निकाल दिए जाते है।

रेसिपी

अचारी पनीर टिक्का

सामग्री

अचारी मॅरीनेड के लिए: 1/2 कप चक्का दही, 1 टेबल-स्पून हरीमिर्च का आचार, 1 टी-स्पून कटा लहसुन, 1 टी-स्पून सौंफ, 1/4 टी-स्पून मेथी दाना, 1/4 टी-स्पून कलौंजी, 1 टी-स्पून जीरा, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टेबल-स्पून राई का तेल, नमक, स्वाद अनुसार

अन्य सामग्री: 2 कप 37 एमएम के चकोर टुकड़ो में कटा पनीर

परोसने के लिए: दहीं वाली पुदीना चटनी

विधि

अचारी मॅरीनेड के लिए: दही, हरी मिर्च का आचार और लहसुन को मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लीजिए। एक बाउल में निकालकर एक तरफ रख दीजिए। शेष बची सारी सामग्री को ब्लैंडर में डालकर दरदरा पीस लीजिए। दरदरे पिसे पाउडर और दहीं के पेस्ट को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। एक तरफ रख दीजिए।

कैसे आगे बढ़े: एक बाउल में पनीर और अचारी मॅरीनेड को डालकर हल्के हाथ से मिलाइए और 20 मिनट के लिए एक तरफ रख दीजिए। मॅरीनेड किए हुए पनीर के टुकडों को स्कीवर में पिरोकर चारों तरफ से भूरा होने तक बारबेक्यू पर ग्रिल कीजिए। स्कीवर में से निकालकर दहींवाली पुदीना चटनी के साथ परोसिए। **सुलभ सुझाव:** यदि आपके पास हरीमिर्च का आचार नही है तो इस व्यंजन को बनाने के लिए आप किसी भी अन्य अपने मनपसंद आचार का प्रयोग कर सकते है।

आलू चीज क्रोकैट्स्

सामग्री

मिलाकर चीजी भरवां मिश्रण बनाने के लिए: 2 टेबल-स्पून कसा हुआ मोजरैला चीज, 2 टेबल-स्पून कसा हुआ प्रौसेस्ड चीज, 3 टेबल-स्पून चिली-गार्लिक सॉस,

अन्य सामग्री: 4 कप उबले, छिले और मसले हुए आलू, नमक स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून ताजी पीसी हुई कालीमिर्च, 1/2 कप मैदा, 3/4 कप ब्रेड क्रम्बस्, रोल करने के लिए, तेल, तलने के लिए

विधि

आलू, नमक और काली मिर्च को बाउल में अच्छी तरह मिला लें। इस मिश्रण को 6 बराबर भाग में बांटकर, हर भाग के छोटे गोले बना लें। बीच से थोड़ा दबाकर गड्ढ़ा बना लें। चीजी मिश्रण का 1 टी-स्पून रखकर दुबारा लंबे गोल आकार का बना लें। मैदा और 3/4 कप पानी को अच्छी तरह मिलाकर एकसर मिश्रण बना लें। प्रत्येक क्रोकेट को मैदा-पानी के मिश्रण में डुबोकर ब्रेड क्रमबस् में सभी तरफ से रोल कर लें। कढ़ाई में मध्यम आंच पर तेल गरम करें और क्रौकेट्स् लडालकर उनके सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज पर निकालकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**